देश-विदेश

45 की हुई नरगिस फाखरी

भारत का सर्वाधिक प्रसारित हिन्दी दैनिक

"कलम, बलिदान और स्वाभिमान की परिभाषा"

संस्थापक: शहीद शिरोमणि लाला जगतनारायण जी, अमर शहीद रमेश चन्द्र जी एवं कलम के योद्धा अश्विनी कुमार जी

स्पोर्ट्स

भारत की 8 विकेट से हार

पंजाब केसरी

युवा भारत युवा अखबार!

PunjabKesari.com PunjabKesari.com @punjabkesaricom LD ****

सोमवार 21 अक्तूबर, 2024 ◆ दिल्ली ◆ तदनुसार 5 कार्तिक 2081

Punjab Kesari, Delhi
वर्ष : 41 / अंक : 294
मूल्य ₹ 4.50
16 नेपाली रुपए/हवाई जहाज से ₹ 10.00
पृष्ठ संख्या 12
Ph. : 011-30712200, 45212200

राष्ट्रीय सर्राफा

सोना		चांदी	
दिल्ली			
24K	79570	चांदी तैयार	99500
कोलकाता			
24K	79420	चांदी तैयार	99500
मुम्बई			
24K	79420	चांदी तैयार	99500
चेन्नई			
24K	79420	चांदी तैयार	1,07,000

मौसम
Min 22°c Max 34°c

पंजाब केसरी
युवा भारत युवा अखबार!
कूपन न. 12

गांदरबल में आतंकी हमला

डाक्टर सहित 7 लोगों की गोली मारकर हत्या, 3 प्रवासी मजदूर

पंजाब केसरी/श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले के गगनगीर इलाके में आतंकियों ने लोगों के एक समूह पर हमला करके एक डॉक्टर समेत 7 लोगों की गोलियों से भूनकर हत्या दी। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक आतंकवादियों ने जिले के गुंड इलाके में सुरंग निर्माण का काम कर रही एक निजी कंपनी के दूसरे राज्यों से आए मजदूरों के कैंप पर अचानक से गोलीबारी शुरू कर दी। आतंकियों द्वारा की गई इस गोलीबारी में एक डॉक्टर समेत 7 लोगों की मौत हो गई। इस हमले को अंजाम देकर आतंकी वहां से भाग खड़े हुए। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि आतंकियों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने मृतकों को प्रति संवेदना जाहिर की।

सूचना मिलने पर सेना और जम्मू-कश्मीर के जवान पहुंचे। उन्होंने घेराबंदी करके आंतकियों को खोजने का काम शुरू कर दिया है केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही परियोजनाओं के तहत यहां पर टनल निर्माण का काम हो रहा था, मारे गए 7 लोगों में से 5 यहां काम कर रहे मजदूर ही थे। गांदरबल क्षेत्र में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के विधानसभा क्षेत्र में आता है। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि आतंकी नहीं बचेंगे। सीएम अब्दुल्ला ने जताया दुख घटना पर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने दुख व्यक्त किया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट करके लिखा कि बाहरी मजदूरों पर किए गए इस कायरता पूर्ण हमले की मैं निंदा करता हूं, यह दुखद है। वे लोग इलाके में एक प्रमुख इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजना पर काम कर रहे थे। मैं निहत्थे निर्दोष लोगों पर हुए इस हमले की कड़ी निंदा करता हूं और उनके प्रियजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। उपराज्यपाल सिन्हा ने भी इस घटना पर शोक जताया है।

उन्होंने लिखा कि हमारे बहादुर जवान जमीन पर है और वह यह निश्चित करेंगे कि आतंकवादियों को उनके किए की भारी कीमत चुकानी पड़े। इस घटना में अपनों को खोने वाले परिवारों के साथ मेरी संवेदनाएं हैं, मैं घायलों से जल्दी स्वस्थ होने की कामना करता हूं। दुख की इस घड़ी में पूरा देश इस हमले में जान गंवाने वालों के परिवारों के साथ है। केन्द्रीय सड़क एवं परिवजन मंत्री नितिन गडकरी ने आतंकी हमले को कायरतापूर्ण बताया। उन्होंने मृतकों के परिवारों में प्रति संवेदना व्यक्त की है। गडकरी ने कहा कि इस तरह की गतिविधि हमारे मार्ग में बाधा नहीं पैदा कर सकती है और उनका मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।

आतंकियों के हमले में घायल सुरंग में काम करने वाले मजदूर तथा घेराबंदी करते पुलिस और सेना के जवान।

बाहरी लोग निशाने पर

जम्मू-कश्मीर में हालिया दिनों में आतंकियों द्वारा बाहरी लोगों की टारगेट किलिंग की जा रही है। वहां काम कर रहे मजदूर इन घटनाओं का सबसे आसान टारगेट हैं। दो दिन पहले ही ऐसी ही एक घटना को आतंकियों द्वारा अंजाम दिया गया था, जिसमें एक गैर कश्मीरी युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। खुफिया एजेंसियों के मुताबिक बाहरी लोगों को टारगेट करके आतंकी घाटी में डर फैलाना चाहते हैं। उनका मकसद कश्मीरी पंडितों के पुनर्वास की योजना पर पानी फेरना है। धारा 370 के हटने के बाद से ही टारगेट किलिंग की घटनाओं में वृद्धि हुई है।

उरी में आतंकवादी ढेर

उरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर सुरक्षा बलों द्वारा शुरू किए गए संयुक्त अभियान में रविवार को एक आतंकवादी मारा गया। सेना की श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने कहा कि संयुक्त दल ने भारी हथियारों से लैस एक आतंकवादी को मार गिराया तथा घटनास्थल से एक एके राइफल, दो एके मैगजीन, एके के 57 कारतूस, दो पिस्तौल, तीन पिस्तौल मैगजीन और अन्य युद्ध संबंधी सामान बरामद किया। चिनार कोर ने कहा, इलाके में तलाशी अभियान और कार्रवाई जारी है। इससे पहले सेना ने कहा था कि संभावित घुसपैठ के बारे में खुफिया जानकारी के आधार पर उरी में नियंत्रण रेखा पर संयुक्त घुसपैठ विरोधी अभियान शुरू किया गया था।

24 उड़ानों में मिली बम की धमकी

पंजाब केसरी/मुंबई, नई दिल्ली

भारतीय विमानन कंपनियों के 24 उड़ानों को रविवार को बम से उड़ाने की धमकी मिली। सूत्रों ने यह जानकारी दी।सूत्रों ने बताया कि इन विमानन कपंनियों में इंडिगो, विस्तारा, एयर इंडिया और अकासा एयर शामिल हैं जिनकी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों सहित विभिन्न उड़ानों में बम होने की धमकी मिली। उन्होंने बताया कि इंडिगो, विस्तारा और एयर इंडिया की छह-छह उड़ानों को धमकियां मिलीं।इस सप्ताह अब तक 90 से अधिक उड़ानों को बम से उड़ाने की धमकियां मिल चुकी हैं जो सभी झूठी साबित हुई हैं। केंद्र ने शनिवार को डीजीसीए चीफ विक्रम देव दत्त को पद से हटाते हुए कोयला मंत्रालय में सचिव बना दिया। इस बदलाव को धमकी वाले मामलों से जोड़कर देखा जा रहा है। एक दिन पहले शनिवार को 30 से ज्यादा विमानों को धमकी मिली थी। इसके चलते सैकड़ों यात्री घंटों परेशान हुए। इंडिगो के प्रवक्ता ने एक अलग बयान में कहा कि एयरलाइन ने उड़ान संख्या 6ई 58 (जेद्दा से मुंबई), 6ई87 (कोझिकोड से दम्मा‍म), 6ई11 (दिल्ली से इस्तांबुल), 6ई17 (मुंबई से इस्तांबुल), 6ई133 (पुणे से जोधपुर) और 6ई112 (गोवा से अहमदाबाद) में उत्पन्न स्थिति पर ध्यान दिया।

दीवाली से पहले दिल्ली में ब्लास्ट

रोहिणी में सीआरपीएफ स्कूल की दीवार पर धमाके से कारों और दुकानों को नुकसान

पंजाब केसरी/नई दिल्ली

दिल्ली में रोहिणी सेक्टर 14 के प्रशांत विहार इलाके में करवा चौथ पर्व पर रविवार सुबह करीब 7:30 बजे सीआरपीएफ स्कूल के पास धमाका हुआ। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। सीआरपीएफ स्कूल की दीवार, आस-पास की दुकानें और कुछ कारों को नुकसान पहुंचा है। पुलिस ने बताया कि विस्फोट के बाद का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें घना धुआं दिखाई दे रहा है। जांच के लिए बम निरोधक दस्ता, फोरेंसिक टीम, क्राइम ब्रांच और स्पेशल सेल के साथ-साथ फायर ब्रिगेड के अधिकारी मौके पर पहुंचे। धमाके की जांच की जिम्मेदारी अब केंद्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंप दी गई है। इस बीच स्कूल ब्लास्ट पर गृह मंत्रालय ने जांच एजेंसियों से ब्लास्ट पर रिपोर्ट मांगी है। फेस्टिवल सीजन के बीच दिल्ली में इस धमाके को लेकर सुरक्षा एजेंसियों ने चिंता जताई है। फोरेंसिक साइंस लैबोरेटरी टीम के सूत्रों के मुताबिक, शुरुआती जांच रिपोर्ट में विस्फोट में इस्तेमाल की गई सामग्री क्रूड बम जैसी है। विस्फोट स्थल से सफेद रंग का पाउडर और कुछ तारों के टुकड़े मिले हैं। इस बीच पुलिस सूत्रों ने बताया है कि धमाके के बाद किसी साजिश से इंकार नहीं किया जा सकता है। पुलिस ने बताया कि घमाके में प्रयोग समानों को लोकल से मार्केट से खरीदा गया होगा। पुलिस ने बताया कि इस ब्लास्ट में मुस्लिम कट्टरपंथियों का हाथ हो सकता है। पुलिस ने बताया कि बम की टाइमिंग में गफलत हुई, नहीं तो ज्यादा नुकसान हो सकता था। वहीं, इस घटना का वीडियो एक शख्स ने अपने छत से बनाई है। पूरे इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है। **(पृष्ठ 4 भी देखें)**

प्रशांत विहार में सीआरपीएफ स्कूल की दीवार के निकट विस्फोट स्थल का निरीक्षण करते पुलिस अधिकारी (दाएं) इलाके को घेरे हुए एनएसजी के कमांडो (इनसेट में) विस्फोट के बाद आसमान में फैला धुआं। (छाया : पंजाब केसरी)

फोन का डेटा खंगालने में जुटी जांच एजेंसी

सीआरपीएफ स्कूल के आसपास के कई किलोमीटर में मौजूद मोबाइल टॉवर पर कल रात (19 अक्टूबर 2024) से लेकर आज सुबह (20 अक्टूबर) 9 बजे तक कितने फोन कॉल्स हुए इसका डेटा खंगालने में टीमें जुटी है। साथ ही पूरे इलाके का डंप डेटा लिया जाएगा, ताकि इस बात का पता चल पाए कि कल रात से लेकर सुबह ब्लास्ट होने तक कितने फोन एक्टिव थे। इसके बाद एक्टिव फोन के बारे जानकारी जुटाई जाएगी।

कंटेनर टाइट होता तो हो सकता था बड़ा नुक्सान

पुलिस ने बताया कि जिस कंटेनर में बम रखा गया था, वह ज्यादा टाइट नहीं था। अगर वह कंटेनर टाइट होता तो ज्यादा नुकसान हो सकता था। सूत्रों के मुताबिक एनएसजी की टीम ने जांच का दायरा बढ़ाया। स्कूल दीवार से आगे दुकानों की मैपिंग भी कर रही है। यह घटना दिल्ली हाईकोर्ट में 2011 में हुए बम धमाके से काफी समान है। ऐसा ही धमाका 25 मई 2011 को दिल्ली हाईकोर्ट की कार पार्किंग में हुआ था। जिसमें किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ था।

जहांगीरपुरी में गोलीबारी एक की मौत, दो लोग घायल

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके में गोलीबारी की घटना में 35 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गोली लगने से घायल हो गए। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मृतक की पहचान दीपक उर्फ पत्रकार के रूप में हुई है।एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, बीजेआरएम अस्पताल से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति को कई गोलियों के जख्म के साथ लाया गया था, जिसे मृत घोषित कर दिया गया।उन्होंने बताया कि इसके बाद अस्पताल से सूचना मिली कि गोली लगने से घायल दो लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

(विस्तृत खबर पृष्ठ 6 पर)

आतिशी का आरोप उत्तर प्रदेश और हरियाणा में पराली जलाने की घटनाएं बढ़ी

प्रदूषण के लिए भाजपा की राजनीति जिम्मेदार

पंजाब केसरी/नई दिल्ली

देश की राजधानी दिल्ली में प्रदूषण के मुद्दे पर एक बार फिर सियासी घमासान छिड़ चुका है। प्रदूषण के लिए भाजपा और आम आदमी पार्टी एक दूसरे को जिम्मेदार ठहरा रही हैं। इसी बीच, रविवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने भाजपा पर गंदी राजनीति करने का आरोप लगाया है।

मुख्यमंत्री आतिशी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली में वायु प्रदूषण और यमुना के पानी में प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है, और इसके पीछे भारतीय जनता पार्टी की गंदी राजनीति का हाथ है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण का स्तर बढ़ने के कई कारण हैं, जिनमें सबसे अहम पराली जलाना है। उन्होंने कहा कि सर्दी के मौसम में दिल्ली का प्रदूषण बढ़ने का एक महत्वपूर्ण कारण पराली का जलना है। आम आदमी पार्टी की पंजाब सरकार की उपलब्धियों का हवाला देते हुए आतिशी ने कहा कि 2021 में पंजाब में पराली जलाने के 71,300 मामले थे, जो 2022 में 50 फीसदी तक कम हुए और 2023 में घटकर केवल 811 रह गए हैं। लेकिन, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार इस समस्या को हल करने में नाकाम रही हैं।

आतिशी ने दावा किया कि हरियाणा में पराली जलाने की घटनाओं में 23 प्रतिशत और यूपी में पराली जलाने की घटनाओं में 70 प्रतिशत की वृद्धि हुई। उन्होंने सवाल किया कि अगर पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार पराली जलना रोक सकती है, कम कर सकती है तो हरियाणा और यूपी की भाजपा सरकार क्यों नहीं कर सकती? भाजपा सरकार दिल्ली वालों के साथ गंदी राजनीति कर रही है। आतिशी ने कहा कि आनंद विहार बस अड्डा प्रदूषण का एक मुख्य केंद्र बन गया है। दिल्ली की बसें सीएनजी और इलेक्ट्रिक हैं, जबकि उत्तर प्रदेश और हरियाणा से आने वाली सभी इंटर स्टेट बसें डीजल से चल रही हैं। दिल्ली में प्रदूषण बढ़ने का एक महत्वपूर्ण कारण पड़ोसी राज्यों की डीजल बसें हैं।

उत्तराखण्ड शासन

नयेपन की तलाश, अपनेपन का अहसास

उत्तराखण्ड

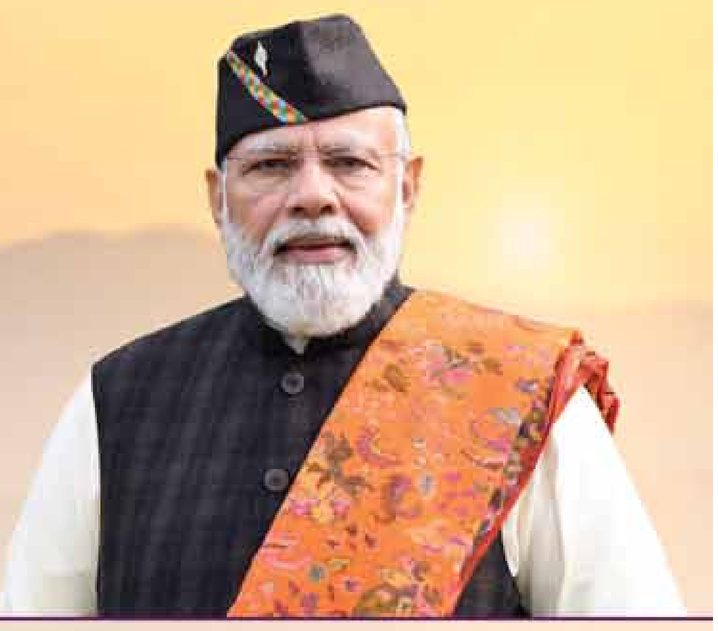

HAR MAUSAM UTTARAKHAND

देखिए भक्ति, संस्कृति और रोमांच का अद्भुत संगम

"माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में हम राज्य के समग्र विकास, प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और अपार संभावनाओं को निखारने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा लक्ष्य उत्तराखण्ड को प्रगति का एक मॉडल बनाना है, जहां परंपरा व नवीनता का संगम होता है और हर व्यक्ति राज्य की समृद्धि एवं कल्याण की दिशा में योगदान देता है।

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

"उत्तराखण्ड देवभूमि है। यह प्रदेश जिस तरह कानून-व्यवस्था को सर्वोपरि रखते हुए विकास पथ पर बढ़ रहा है, वह प्रशंसनीय है। यह प्रयास देवभूमि की पहचान बनाए रखने के लिए भी जरूरी है। इसलिए मुझे विश्वास है कि निकट भविष्य में देवभूमि उत्तराखण्ड पूरे विश्व की आध्यात्मिक चेतना का आकर्षण केंद्र बनेगी और हमें इसी क्षमता के अनुसार उत्तराखण्ड का विकास करना है।

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

उत्तराखण्ड पर्यटन क्षेत्र में

निवेश के लिए सर्वोत्तम प्रोत्साहन प्रदान करता है।

उत्तराखण्ड होमस्टे योजना के साथ ग्रामीण पर्यटन का निरंतर विकास

सरकार के प्रयास से उत्तराखंड में पर्यटन योजनाओं के माध्यम से स्थानीय आबादी को रोजगार मिले हैं। साथ ही, इस पहल से राज्य की अर्थव्यवस्था में भी मजबूती आई है।

उत्तराखण्ड को 'देवताओं की भूमि कहा जाता है। प्रदेश अपने में न केवल लुभावनी प्राकृतिक सुंदरता को समेटे हुए है, बल्कि यात्रियों को होमस्टे के माध्यम से स्थानीय संस्कृति और परंपराओं का अनुभव करवाने का एक अनूठा अवसर भी प्रदान करता है। ऐसे में, 'दीनदयाल उपाध्याय गृह आवास योजना' के अंतर्गत चल रहे होमस्टे से न केवल स्थानीय लोगों को स्वरोजगार मिला है, बल्कि यह राज्य की अर्थव्यवस्था में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उत्तराखण्ड सरकार द्वारा शुरू की गई 'दीनदयाल उपाध्याय गृह आवास योजना' के अंतर्गत होमस्टे व्यवस्था को गति मिली है। इस योजना का उद्देश्य स्थानीय लोगों को आय का एक स्थायी स्रोत प्रदान करके उनकी आर्थिक स्थिति का उत्थान करना है। योजना के तहत स्थानीय लोगों को अपने ही घरों पर घरेलू और विदेशी पर्यटकों की मेहमानदारी का अवसर मिलता है। इस तरह से पर्यटकों को उत्तराखण्ड के देसी व्यंजनों, स्थानीय संस्कृति, ऐतिहासिक विरासत, पारंपरिक पहाड़ी जीवन शैली और कला को समझने का अवसर मिलता है। इसके माध्यम से वे ऐसे स्थलों तक पहुंच रहे हैं, जिनके बारे में उन्होंने पहले सुना नहीं था।

वर्तमान में उत्तराखण्ड पर्यटन विभाग के साथ लगभग 5000 पंजीकृत होमस्टे सूचीबद्ध हैं। इन होमस्टे में हिमालय की गोद में बसे आरामदायक कॉटेज से लेकर लकड़ी से बने पारंपरिक घर तक शामिल है, जो इस क्षेत्र के वास्तुशिल्प को दर्शाती है हर होमस्टे पर्यटकों को आरामदायक और खातिरदारी करने वाला माहौल प्रदान करता है, जिससे वे स्थानीय समुदाय के साथ जुड़ सकते हैं।

उत्तराखण्ड में होमस्टे के विकास से प्रदेश की अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। ये आवास पर्यटकों को न केवल अनूठा और व्यक्तिगत अनुभव प्रदान करते है, बल्कि रोजगार के अवसर पैदा करके स्थानीय व्यवसायों को बढ़ावा दे रहे हैं। इसके परिणाम स्वरूप उनके योगदान से स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है। होमस्टे मालिक अक्सर आसपास के कारीगरों, किसानों और सेवा प्रदाताओं के साथ सहयोग करते हैं। इससे स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला और सतत विकास को बढ़ावा मिलता है।

होमस्टे ने राज्य से पलायन को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कहना होगा कि इस योजना ने आमदनी को बढ़ाने के साथ ही स्थानीय लोगों को पलायन न करने व अपने समुदायों को बढ़ावा देने व विकास करने का ठोस आधार प्रदान किया है। इससे राज्य की सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं को संरक्षित करने में मदद मिली है। इससे आने वाली पीढ़ियां अपनी जड़ों से जुड़ी रहेंगी।

उत्तराखण्ड में होमस्टे की लोकप्रियता अपने आप में इस बात का प्रमाण हैं कि यह योजना यात्रियों के दिल को छू रही है। पर्यटक केवल आरामदायक आवास की तलाश नहीं कर रहे होते हैं, बल्कि वे नए गंतव्य और लोगों के साथ आपसी संबंध को भी मजबूती देना पसंद कर रहे हैं। होमस्टे योजना दरअसल में प्रदेश के स्थानीय तौर-तरीकों से जुड़ने के साथ ही पर्यटकों के मन में राज्य की एक नई छवि प्रस्तुत कर रही है। वे यहां रहकर खुशनुमा यादें लेकर वापस जा रहे हैं।

पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा वर्ष 2024 में सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम प्रतियोगिता में उत्तराखण्ड के चार ग्रामों उत्तरकाशी जिले के जखोल गांव, हर्षिल गांव, पिथौरागढ़ जिले के सीमान्त गुंजी गांव और बागेश्वर जिले के सूपी गांव सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कहना है कि ग्रामीण इलाके पर्यटन के केंद्र बन रहे हैं। साथ ही हर पर्यटन स्थल अपना खुद का राजस्व मॉडल भी विकसित कर सकता है। हमें ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए होमस्टे और छोटे होटलों जैसे व्यवसायों को बढ़ावा देने की आवश्यकता है

वेडिंग के लिए बना नया डेस्टिनेशन

धार्मिक, आध्यात्मिक, हसीन वादियों, हरे-भरे और बर्फीले पर्वतों का गढ़ है देवभूमि उत्तराखण्ड जो बेहतर कनेक्टिविटी, शानदार इन्फ्रास्ट्रक्चर और सभी आवश्यक सुविधाओं से सुसज्जित है। धामी सरकार राज्य में तीर्थाटन और पर्यटन के साथ-साथ डेस्टिनेशन वेडिंग की परंपरा को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दे रही है और इससे संबंधित सुविधाएं लगातार विकसित की जा रही हैं। लोग उत्तराखण्ड के पवित्र धार्मिक, आध्यात्मिक और प्राकृतिक स्थलों पर डेस्टिनेशन वेडिंग आयोजित करने में दिलचस्पी ले रहे हैं। पर, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील के बाद, यह उम्मीद जताई जा रही है कि आने वाले समय में उत्तराखण्ड 'डेस्टिनेशन वेडिंग के गंतव्य के रूप में अपनी जगह बना सकता है।

देवभूमि उत्तराखण्ड वह पवित्र स्थल है, जो अपने विवाह समारोह के लिए प्रसिद्ध है। उत्तराखण्ड के रुद्रप्रयाग जिले के त्रियुगी-नारायण गांव में स्थित श्री त्रियुगीनारायण मंदिर उनमें से एक है। ऐसी मान्यता है कि यही वह स्थान है, जहां भगवान शिव ने माता पार्वती के साथ सात फेरे लिए थे। यही कारण है कि यहां प्रत्येक वर्ष बड़ी संख्या में जोड़ियां शादी के पवित्र बंधन में बंधते हैं। यह स्थान डेस्टिनेशन वेडिंग के रूप में नई पहचान बना रहा है।

इसी प्रकार, धर्मनगरी हरिद्वार के शांतिकुंज में हर साल बड़ी संख्या में जोड़े विधि-विधान के साथ जन्म-जन्मांतर की डोर में बंधते हैं। तीर्थनगरी ऋषिकेश की बात की जाए तो मौजूदा समय में यह स्थल देश-विदेश के युवाओं के लिए प्रमुख वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में उभर रहा है। मसूरी, नैनीताल और रामनगर सभी आलीशान सुख-सुविधाओं से संपन्न स्थलों में एक हैं, जिसके वेडिंग डेस्टिनेशन का चलन देश-विदेश तक बढ़ रहा है। प्रकृति की गोद में विवाह करने के लिए उत्तराखण्ड में औली जैसे हिल स्टेशन यानी 'मिनी स्विट्जरलैंड' भी हैं।

उत्तराखण्ड में पर्यटन और तीर्थाटन की विकसित सुविधाओं की वजह से यहा वेडिंग डेस्टिनेशन के प्रति आकर्षण बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री के 'वेड इन इंडिया' के नारे के बाद अब यह उम्मीद जताई जा रही है कि धामी सरकार इस मुहिम की दिशा में तेज गति से काम करेगी। 'वेड इन इंडिया आंदोलन आने वाले समय में उत्तराखण्ड को वेडिंग के लिए सबसे परफेक्ट डेस्टिनेशन के रूप में पहचान दिलाएगा। इससे स्थानीय कारोबार में वृद्धि के साथ आजीविका के नए अवसर सृजित होंगे।

तीर्थाटन और पर्यटन का प्रदेश, हर उम्र के लिए कुछ विशेष

इन मनमोहक जगहों पर आप जरूर जाएं: प्रकृति की गोद में बसे ये सुरम्य स्थल आपके दिल को छू लेंगे

उत्तराखण्ड की मनमोहक प्राकृतिक संपदा में कई ऐसे स्थल हैं, जो किसी खजाने से कम नहीं है। आप देवभूमि आएं तो इन स्थलों पर जरूर जाएं। पर्यटकों की चहल-पहल भरी जगह से दूर, कम पहचाने जाने वाले ये डेस्टिनेशन आपकी यात्रा को और रोमांचक बना देते हैं। आप प्रकृति से सीधे जुड़ पाते हैं। सुरम्य कार्तिकेय स्वामी मंदिर से लेकर पेओरा के शांत गांव तक, खिरसू के लुभावने नजारे और मंडल की अनछुई सुंदरता जैसे स्थानों का अनूठा आकर्षण है। चौकोरी के हरे-भरे रमणीय पंगोट में पक्षियों के बीच बर्डवॉच का आनंद लेना न भूलें। ग्वालदमख् एबट माउंट, शीतलाखेत और नागथात के शांतिपूर्ण माहौल मन को शीतलता प्रदान करने वाले स्थल हैं। उत्तराखण्ड के ये छिपे खजाने अनोखी यात्रा पर जाने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं। निश्चित रूप से आप यहां की शांति और प्राकृतिक सुंदरता के कायल हो जाएंगे। सच मानिए आप ऐसे स्थल पर पहुंच सकेंगे, जिनके बारे में आपने पहले कल्पना तक नहीं की होगी। इन स्थलों की यात्रा आपको जीवनभर याद रहने वाला अनुभव देगी। उत्तराखण्ड पर्यटन विकास बोर्ड के सीईओ सचिन कुर्वे कहते हैं कि उत्तराखण्ड के ये कम ज्ञात गंतव्य राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की झलक पेश करते हैं। उदाहरण के लिए कार्तिकेय स्वामी मंदिर, उत्तराखण्ड के सुंदर परिदृश्य में बसा हुआ है। यह पारंपरिक वास्तुकला और आध्यात्मिक महत्व को दर्शाता है। राज्य के कोने-कोने में हम लीक से हटकर ऐसे गंतव्यों को बढ़ावा दे रहे हैं और हमारा उद्देश्य पर्यटकों को अद्वितीय अनुभव प्रदान करना और स्थायी पर्यटन विकास को बढ़ावा देना है।

अनदेखे रोमांच का अद्वितीय संगम

उत्तराखण्ड दुनियाभर के रोमांच खेल प्रेमियों को अनूठा अनुभव प्रदान करता है

देश में जब रोमांच पर्यटन की बात आती है, तो उत्तराखण्ड अपने विविध परिदृश्यों और रोमांच प्रेमियों का पसंदीदा स्थान बन जाता है। यहां रोमांचक गतिविधियों की कोई कमी नहीं है। आपको यहां जोश से भर देने वाले कई खेल खेलने को मिल जाते हैं और यही कारण है कि दुनियाभर के रोमांच प्रेमियों के लिए यह राज्य असाधारण अनुभव प्रदान करता है। कई सैलानी तो केवल इन गतिविधियों में शामिल होने के लिए ही उत्तराखण्ड आते हैं। एडवेंचर के दीवानों के लिए यहां रिवर राफ्टिंग, ट्रेकिंग, हाइकिंग और बंजी जंपिंग समेत कई तरह के रोमांचक खेल और गतिविधियां मौजूद हैं।

ट्रेकिंग और हाईकिंग

ट्रेकिंग और हाइकिंग के माध्यम से आप उत्तराखण्ड के सुदूर जगहों की यात्रा कर सकते हैं। यहां पारंपरिक रूपकुंड ट्रेक पर ट्रेकिंग का आनंद लिया जा सकता है, जहां हरे-भरे जंगल और घास के मैदानों के बीच या फूलों की घाटी के बीच से होकर गुजरना सुखद अहसास दे सकता है। लंबी सैर करने वालों के लिए केदारकांठा और गोमुख-तपोवन ट्रैक जीवन भर के लिए यादगार अनुभव दे जाते हैं।

बंजी जंपिंग

विश्व की योग राजधानी के रूप में भी पहचाना जाने वाला ऋषिकेश अपने जोशीले रोमांच के लिए भी जाना जाता है, क्योंकि यहां पूरे देश में सबसे ऊंची बंजी जंपिंग में साइट है। गुरुत्वाकर्षण को चुनौती देने की इच्छा रखने वाले रोमांच प्रेमी शानदार हिमालय पहाड़ियों के बीच बंजी जंपिंग करने के लिए यहां आते हैं।

स्कीइंग

चमोली जिले में स्थित औली को स्कीइंग प्रेमियों के केंद्र के रूप में जाना जाता है। दूर तक बर्फ से ढकी पहाड़ी ढलानों के साथ रोमांच प्रेमी इसके शीतकालीन वंडरलैंड से रास्ता तय करते हुए औली की यात्रा करते हैं। यह शानदार स्थल राष्ट्रीय शीतकालीन खेलों की मेजबानी के लिए भी प्रसिद्ध है, जहां एथलीटों को अपनी ताकत दिखाने का पूरा मौका मिलता है।

रिवर राफ्टिंग

उत्तराखण्ड की नदियां केवल राज्य की सुंदरता को ही नहीं बढ़ाती हैं, बल्कि व्हाइट वॉटर राफ्टिंग के प्रेमियों में जोश भर देती हैं, जो यहां रोमांच के लिए आते हैं। जब पर्यटक सफेद पानी में राफ्टिंग के माध्यम से रैपिड्स पर विजय प्राप्त करते हैं या गंगा, टोंस और अलकनंदा नदियों में एक शांत कैनोइंग या कयाकिंग के दौरान पानी पर नौका चलाते हैं, तो निश्चित रूप से उन्हें अलग रोमांच का अनुभव मिलता है।

पैराग्लाइडिंग

रोमांच प्रेमी यहां आसमान की सैर भी कर सकते हैं और पैराग्लाइडिंग से उत्तराखण्ड की भव्यता का आनंद ले सकते हैं। नैनीताल, मुक्तेश्वर, या पिथौरागढ़ के मनोरम स्थानों से वह आसमानी उड़ान भरकर शानदार हिमालयी इलाकों का नजारा भी ले सकते हैं। रोमांच के अलावा, उत्तराखण्ड के पर्यटन क्षेत्र ने स्थानीय निवासियों के लिए समृद्धि भी लाई है और यहां रोजगार की संभावनाएं सृजित की हैं। इससे रोमांच पर्यटन बुनियादी ढांचे के विकास को भी बढ़ावा मिला है।

#ExploreUttarkhand

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी | www.uttarainformation.gov.in | DIPR_UK | UttarakhandDIPR | UttarakhandDIPR

आवेश और क्रोध को वश में कर लेने से शक्ति बढ़ती है। आवेश को आत्म बल में रूपांतरित किया जा सकता है। -महात्मा गांधी

आदित्य नारायण चोपड़ा
adityachopra@punjabkesari.com

निज्जर-पन्नू मामला: कूटनीति की परीक्षा

अलगाववादी खालिस्तान समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की गोली मार कर हत्या और पन्नू हत्या की साजिश के मामले में कनाडा-अमेरिका दोनों देशों से भारत का टकराव हो चुका है। भारत और कनाडा में तो राजनयिक युद्ध भी शुरू हो गया है। कनाडा का भारत के विरुद्ध अनर्गल प्रलाप जारी है जबकि अमेरिका ने पन्नू हत्या की साजिश में पूर्व भारतीय रॉ एजैंट के खिलाफ आरोप पत्र भी दायर कर दिया। भारत लगातार अपने राजनयिकों के खिलाफ झूठे आरोपों को खारिज कर रहा है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने पिछले दिनों आरोप लगाया था कि कनाडा ने भारतीय अपराधियों को शरण देने और उन पर कानूनी कार्रवाई के लिए प्रत्यार्पण अनुरोधों को लटका कर रखा हुआ है। प्रत्यार्पण अनुरोधों के लगभग 30 मामले हैं जिन पर कनाडा ने कभी विचार ही नहीं किया। इससे साफ है कि ट्रूडो सरकार कहती कुछ और है और करती कुछ और है। खालिस्तान समर्थक तत्वों को संरक्षण कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के राजनीतिक एजैंडे को ही प्रतिबिंबित करता है। कनाडा ने अब नए आरोप लगाए हैं कि निज्जर की हत्या और पन्नू की हत्या की साजिश में एक समान योजना का इस्तेमाल किया गया और उसने भारत की तुलना रूस तक से कर दी।

कनाडा का एक घरेलू राजनीतिक आयाम है क्योंकि जस्टिन ट्रूडो का कार्यकाल अक्तूबर 2025 तक है। नई दिल्ली की यह उम्मीद कि उनकी अल्पमत सरकार जल्द ही गिर जाएगी, केवल एक इच्छाधारी सोच है। विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी द्वारा लाया गया अविश्वास प्रस्ताव 25 सितंबर को विफल हो गया। 338 सांसदों वाले सदन में, 211 ने इसके खिलाफ मतदान किया। हालांकि जगमीत सिंह के नेतृत्व वाली न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी, जिसके 25 सदस्य हैं, ने सत्तारूढ़ गठबंधन छोड़ दिया था, फिर भी वे सरकार को गिराने के लिए तैयार नहीं हैं। अगर कुछ है तो वह यह कि सिख समुदाय के तत्वों को निशाना बनाने को लेकर भारत के साथ टकराव, श्री ट्रूडो के पीछे चौथी सबसे बड़ी पार्टी को बनाए रखता है। तीसरा, अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव का नतीजा 5 नवंबर के बाद पता चलेगा। कमला हैरिस अपने नागरिकों की रक्षा के लिए कनाडा के समर्थन में अधिक इच्छुक हो सकती हैं। सितंबर में विलमिंगटन, डेलावेयर में क्वाड शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा से पहले व्हाइट हाउस में सिख प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया जाना, भारत के काले-सफेद मामले के रूप में देखे जाने वाले जटिल आयामों को दर्शाता है।

इसमें कोई संदेह नहीं कि ट्रूडो की लोकप्रियता धड़ाम पर है और उनकी राजनीति के भाग्य में एक साल ही बचा है। तनातनी के बाद दिल्ली और ओटावा ने 6-6 राजनयिक निष्कासित कर दिए हैं और दोनों राजधानियों में उच्चायोगों में स्टाफ घटाया जा चुका है। जहां तक अमेरिका का संबंध है आतंकवाद के मुद्दे पर उसका दोमुंहपन पहले ही कई बार सामने आ चुका है। भारत ने आगे की कार्रवाई का अधिकार सुरक्षित रखा है जिसका मतलब कनाडा के वीजा में बड़ी कटौती और सीधे यात्रा सम्पर्कों में कमी आना हो सकता है। बिगड़ते संबंधों के ठोस आकार लेने के साथ, नई दिल्ली को न सिर्फ भारतीय कूटनीति बल्कि भारत की छवि पर अपने अगले कदमों के असर के बारे में सावधानी से सोचना चाहिए। भारतीय राजनयिकों का बचाव करना अनिवार्य है लेकिन इन आरोपों की जांच करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि भारतीय खुफिया एजेंसियों ने इस मामले में कामकाज के लिए तय सीमाओं का उल्लंघन किया है। आरसीएमपी द्वारा भारतीय अंडरवर्ल्ड गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का नाम लिये जाने की भी जांच जरूर की जानी चाहिए। भारत के विरोधी जब पाकिस्तान, यूएई, कनाडा और अमेरिका में भारतीय खुफिया और राष्ट्रीय सुरक्षा गतिविधियों के खिलाफ आरोपों के बीच तार जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं, भारत के करीबी सहयोगी भी उसे संदेह से देख रहे हैं।

अमेरिका और कनाडा के अधिकारियों ने साझा तौर पर भारतीय अधिकारियों से कई दौर की बातचीत की है। अमेरिका और कनाडा फाइव आईज समझौते का हिस्सा हैं जो आपस में सबूत साझा करते हैं। अब भारत को न सिर्फ कूटनीति से बहुत ही सावधानीपूर्वक चलना होगा। यह एक तरह से कूटनीति की अग्नि परीक्षा है। सबसे बढ़कर बात यह है कि भारत को कनाडा की ओर से जवाबदेही सुनिश्चित किए जाने का अभियान अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर तेज करना होगा। या तो कनाडा ठोस सबूत दे या फिर भारत की छवि को धूमिल करने के प्रयास बंद करे। कनाडा में रह रहे भारतीयों के हितों को भी ध्यान में रखना जरूरी है। जस्टिन ट्रूडो की खालिस्तान समर्थक नीति कोई नई नहीं है। भारत को अपनी अन्तर्राष्ट्रीय भूमिका को देखते हुए इन मामलों से निपटना होगा।

आरजे शंकरा नेत्र अस्पताल आधुनिकता का संगम : मोदी

वाराणसी,(पंजाब केसरी): मोदी ने रविवार को कहा कि आरजे शंकरा नेत्र चिकित्सालय एक प्रकार से आध्यात्मिकता और आधुनिकता का संगम है, जो बुजुर्गों की भी सेवा करेगा और बच्चों को भी नई रोशनी देगा। प्रधानमंत्री, अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे। बाद में, प्रधानमंत्री ने सिगरा क्षेत्र में राष्ट्र को समर्पित 6700 करोड़ रुपये की 23 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं में 3,200 करोड़ रुपये से अधिक की 16 विकास परियोजनाएं वाराणसी के लिये हैं।लगभग 2870 करोड़ रुपये की लागत से वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के रनवे के विस्तार, नए टर्मिनल भवन के निर्माण और संबद्ध कार्यों की आधारशिला भी रखी। जहां आरजे शंकरा नेत्र अस्पताल का लोकार्पण किया। उसके बाद उन्होंने

● **यह अस्पताल बुजुर्गों की भी सेवा करेगा और बच्चों को नई रोशनी देगा**

कहा कि मैं अभी इस नेत्र अस्पताल को देखकर आया हूं, एक प्रकार से आध्यात्मिकता और आधुनिकता का संगम है, यह अस्पताल बुजुर्गों की भी सेवा करेगा और बच्चों को भी नई रोशनी देगा।यहां बड़ी संख्या में गरीबों को मुफ्त इलाज मिलने वाला है। यह नेत्र अस्पताल यहां के युवाओं के लिए रोजगार के नये अवसर भी लेकर आया है। यहां मेडिकल कालेजों के छात्र इंटर्नशिप कर पाएंगे, प्रैक्टिस कर पाएंगे। यहां सहयोगी के तौर पर अनेकों लोगों को काम मिलेगा। मोदी ने कहा, इस पावन माह में कांशी आना अपने आप में एक पुण्य अवसर होता है। यहां अपने काशीवासी तो है ही, संतजनों और परोपकारियों का भी संघ है, इससे सुखद संयोग भला क्या हो सकता है। परम पूज्य शंकराचार्य के आशीर्वाद से काशी और पूर्वांचल को एक और आधुनिक अस्पताल मिला है। भगवान शंकर की नगरी में आरजे शंकरा नेत्र अस्पताल आज से जन जन के लिए समर्पित है। मैं काशी के, पूर्वांचल के सभी परिवारजनों को बहुत बहुत बधाई देता हूं। मोदी ने कहा 'साथियों हमारे शास्त्रों में कहा गया है कि 'तमसो मा ज्योतिर्गमय', यानि अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो। यह अस्पताल वाराणसी और अनेक लोगों के जीवन से अंधकार दूर करेगा, उन्हें प्रकाश की ओर ले जाएगा।

पहले घोटाले छाए रहते थे, अब कामों की चर्चा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की पिछली सरकारों पर लाखों करोड़ रुपये के घोटाले करने का आरोप लगाते हुए रविवार को कहा कि 10 साल पहले तक इन घोटालों की चर्चा अखबारों में छाई रहती थी, लेकिन अब उनके नेतृत्व वाली सरकार के नए कार्यकाल के सिर्फ सवा सौ दिन में ही 15 लाख करोड़ रुपये का काम शुरू होने की चर्चा हर घर में हो रही है।

मोदी ने अपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी के सिगरा स्थित स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में एक कार्यक्रम में राष्ट्र को समर्पित 6700 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण करने के बाद अपने सम्बोधन में पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधता। उन्होंने कहा, '10 साल पहले तक सरकार के लाखों करोड़ों रुपये के घोटालों की चर्चा अखबारों में छाई रहती थी। बातचीत का मुद्दा ही लाखों करोड़ों रुपये के घोटाले होते थे। (नए कार्यकाल के) आज सिर्फ सवा सौ दिन में ही 15 लाख करोड़ रुपये का

● **नए कार्यकाल के सवा सौ दिन में 15 लाख करोड़ का शुरू हो चुका है**

काम शुरू होने की चर्चा हर घर में हो रही है। यही तो वह बदलाव है जो देश चाहता है।' उन्होंने कहा कि जनता का पैसा जनता पर खर्च हो, देश के विकास पर खर्च हो और पूरी ईमानदारी से खर्च हो, यह उनकी सरकार की बड़ी प्राथमिकता है। मोदी ने कहा, 'बीते 10 सालों में हमने देश में बुनियादी ढांचे के निर्माण का एक बहुत बड़ा अभियान शुरू किया है और इस अभियान के दो सबसे बड़े लक्ष्य हैं। पहला लक्ष्य, निवेश से नागरिकों की सुविधा बढ़ाने का और दूसरा लक्ष्य निवेश से नौजवानों को नौकरी देने का। आज देश में नए-नए राजमार्ग बन रहे हैं। नए-नए मार्गों पर रेल की पटरियां बिछाई जा रही हैं, नए-नए हवाई अड्डे बन रहे हैं।"

ज्यादा बच्चे पैदा करो : चंद्रबाबू

हैदराबाद, (पंजाब केसरी): आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने बढ़ती बुजुर्ग आबादी को लेकर गंभीर चिंता जताते हुए लोगों से अधिक संख्या में बच्चों को जन्म देने की अपील की है। सीएम ने खास तौर पर दक्षिणी राज्यों के परिवारों से अधिक बच्चे पैदा करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि जनसंख्या में गिरावट और युवाओं का पलायन राज्य के लिए खतरा बन सकता है।"जनसंख्या प्रबंधन" के तहत कानून लाने पर भी

विचार किया जा रहा है। इसमें बड़े परिवारों को प्रोत्साहन दिया जाएगा। उन्होंने स्वीकार किया कि राज्य ने पहले एक कानून लागू किया था, जिसके तहत दो से अधिक बच्चों वाले व्यक्तियों को स्थानीय चुनाव लड़ने से रोका गया था। उन्होंने कहा कि इस कानून को निरस्त कर दिया गया है। उन्होंने कहा, "हम अब इसे बदलने पर विचार कर रहे हैं। सरकार अधिक बच्चों वाले परिवारों को अधिक लाभ दे सकती है।" इस कानून से बड़े परिवारों को चुनाव लड़ने का मौका मिलेगा, और इससे जनसंख्या बढ़ाने को को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में प्रजनन दर घटकर 1.6 हो गई है, जो राष्ट्रीय औसत 2.1 से काफी कम है। यह स्थिति दक्षिणी राज्यों को बूढ़ी होती आबादी की समस्या में धकेल सकती है।नायडू ने चेताया कि अगर इस दिशा में कदम नहीं उठाए गए तो आंध्र प्रदेश को जापान और यूरोप की तरह बुजुर्गों की बड़ी संख्या से जूझना पड़ेगा। नायडू ने बताया कि आंध्र प्रदेश के कई गांवों में केवल बुजुर्ग लोग बचे हैं, जबकि युवा आबादी बेहतर अवसरों की तलाश में शहरों की ओर चली गई है।

एनडीए का मतलब नरेंद्र दामोदरदास का अनुशासन

वाराणसी,(पंजाब केसरी): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने संसदीय क्षेत्र काशी को करोड़ों की सौगात दी। सबसे पहले आर जे शंकरा आई हॉस्पिटल का उद्घाटन किया। इस दौरान कांची के शंकराचार्य स्वामी विजयेंद्र सरस्वती ने अपने संबोधन में पीएम मोदी की जमकर तारीफ की। साथ ही शंकराचार्य ने एनडीए का नया मतलब भी बता दिया। शंकराचार्य ने कहा कि हमारे देश में जो एनडीए सरकार चल रही है, जिसका अर्थ है नरेंद्र दामोदरदास का अनुशासन। यह सुनते ही शंकराचार्य के बगल में बैठे पीएम मोदी भी हंस पड़े। गौरतलब है कि पीएम मोदी का पूरा नाम नरेंद्र दामोदरदास मोदी है। शंकराचार्य ने आगे मोदी की तारीफ में कहा कि अच्छा नेता मिलना बहुत मुश्किल काम है। देश के इस समय एक बढ़िया नेता मिला है। हमें एक ऐसा नेता मिला है जो सबको जोड़ने

● **कांची के शंकराचार्य स्वामी विजयेंद्र सरस्वती ने की जमकर पीएम मोदी की तारीफ**

वाला है। हमारा बहुत बड़ा प्रजातंत्र है। इसके लिए बहुत शानदार काम हो रहा है। नरेंद्र मोदी ने कोरोना के समय भी सभी को अन्न खिलाया है। उन्हें पता है कि लोगों का कष्ट क्या है, उस कष्ट को दूर करने का काम हो रहा है।

उन्होंने जो भी कल्पना की थी वह साकार हो रहा है। देश में जितना बौद्धिक विकास जरूरी है, उतना ही धर्म का भी जरूरी है। यह सब मोदी जी कर रहे हैं। उनके सहयोगी यूपी में योगी जी भी इसी तरह का कार्य कर रहे हैं।

कंगना रनौत ने समझाया चुड़ैल का असल मतलब

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): कंगना रनौत अपनी अगली फिल्म 'इमरजेंसी' की रिलीज को लेकर सुर्खियों में हैं। इसी कड़ी में अभिनेत्री सोशल मीडिया पर भी काफी ज्यादा एक्टिव नजर आती हैं। कंगना को अपनी पोस्ट के जरिए बॉलीवुड इंडस्ट्री के कई राज खोलते देखा जा चुका है। साथ ही कंगना सितारों पर कटाक्ष करने का भी कोई मौका हाथ से नहीं जाने देती हैं। इसी कड़ी में अभिनेत्री ने चुड़ैल का असल अर्थ समझाया है। उन्होंने एक्स पर एक लंबा नोट लिखा है। जॉन कॉलिन्स नाम के एक यूजर ने एक्स पर लिखा, 'चुड़ैलों से मत डरो, उन लोगों से डरो जिन्होंने उन्हें जलाया।' इस ट्वीट को शेयर करते हुए कंगना ने लिखा, 'चुड़ैलें वे महिलाएं होती हैं जो अपने उच्च स्व से जुड़ी होती हैं।

बहराइच में बुलडोजर कार्रवाई पर 15 दिनों के लिए रोक

लखनऊ, (पंजाब केसरी): इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने रविवार को बहराइच में बुलडोजर की कार्रवाई पर 15 दिनों के लिए रोक लगा दी है। इस मामले में अगली सुनवाई बुधवार को होगी। दरअसल, बहराइच में हिंसा के बाद पीडब्ल्यूडी की तरफ से 23 लोगों के घरों पर नोटिस चिपकाया गया था। इस मामले में आरोपी पक्ष की तरफ से हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। उन्होंने पीडब्ल्यूडी की कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की थी। बुलडोजर की कार्रवाई पर रोक को लगाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट में भी एक याचिका दायर की गई है। इसी सिलसिले में इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने रविवार को बुलडोजर की कार्रवाई पर रोक लगाने का आदेश दिया। साथ ही हाई कोर्ट ने उनको जवाब दाखिल करने के लिए 15 दिनों का समय दिया है। कोर्ट इस मामले में 23 अक्टूबर को सुनवाई करेगा। ज्ञात हो कि बहराइच में 13 अक्टूबर को मां दुर्गा प्रतिमा के विसर्जन जुलूस के दौरान डीजे पर गाना बजाने को लेकर विवाद शुरू हुआ था। बाद में एक 22 वर्षीय युवक की गोली लगने से मौत हो गई। युवक की मौत के बाद भीड़ ने

● **पीडब्ल्यूडी की तरफ से 23 लोगों के घरों पर नोटिस चिपकाया गया था**

● **कोर्ट इस मामले में 23 अक्टूबर को सुनवाई करेगा**

जमकर उत्पात मचाया। इस दौरान घरों, दुकानें, अस्पतालों, बाइक और कारों में आग लगा दी गई। पुलिस के अनुसार, 13 से 16 अक्टूबर के बीच छह नामजद समेत लगभग 1000 अज्ञात लोगों के खिलाफ 11 मुकदमे दर्ज किए गए। इन मामलों में आरोपियों की गिरफ्तारी की गई है, ताकि शांति व्यवस्था बहाल की जा सके।

उल्लेखनीय है कि बहराइच के महाराजगंज क्षेत्र में हुई इस हिंसा के संबंध में पुलिस ने शुक्रवार को 26 और आरोपियों को गिरफ्तार किया। अब तक 87 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इससे पहले बृहस्पतिवार की रात को पुलिस ने राम गोपाल मिश्रा हत्या मामले में छह अभियुक्तों समेत 61 लोगों को हिरासत में लिया था। इनमें सरफराज और तालिम, पुलिस मुठभेड़ में घायल भी हो गए थे।

महाराष्ट्र चुनाव के लिए भाजपा की 99 कैंडिडेट्स की पहली सूची जारी

नई दिल्ली,(पंजाब केसरी): भाजपा ने रविवार को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए 99 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। भाजपा की पहली सूची में 13 महिलाएं हैं, जबकि अनुसूचित जनजाति से छह और अनुसूचित जाति से चार उम्मीदवार हैं। जबकि, देवेंद्र फडणवीस नागपुर दक्षिण-पश्चिम सीट से चुनाव लडेंगे। पार्टी ने उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस को नागपुर दक्षिण-पश्चिम और पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले को कामठी से उम्मीदवार बनाया है। भाजपा की ओर से जारी उम्मीदवारों की इस सूची को पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति की 16 अक्टूबर को हुई बैठक में अंतिम रूप दिया गया। महाराष्ट्र की 288 सदस्यीय विधानसभा के लिए एक चरण में 20 नवंबर को मतदान होगा, जबकि मतों की गिनती 23 नवंबर को होगी। पार्टी ने राज्य सरकार में मंत्री सुधीर मुनगंटीवार को बल्लारपुर और पूर्व मुख्यमंत्री व वरिष्ठ नेता अशोक चव्हाण की बेटी श्रीजया चव्हाण को नांदेड़ जिले की भोकर विधानसभा सीट से टिकट दिया है। चव्हाण लोकसभा चुनाव से पहले इस साल फरवरी में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। वह फिलहाल भाजपा के राज्यसभा सदस्य हैं। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा करीब 160 सीट पर अपने उम्मीदवार उतार सकती है। बाकी सीटों पर उसके सहयोगी दलों शिवसेना (शिंदे गुट) और अजित पवार नीत राकांपा अपने उम्मीदवार उतारेगी। केंद्रीय मंत्री रावसाहेब दानवे के बेटे संतोष दानवे को भोकरदन से उम्मीदवार बनाया गया है, जबकि पार्टी की मुंबई इकाई के प्रमुख आशीष शेलार वांद्रे पश्चिम से और राज्य सरकार में मंत्री चंद्रकांत पाटिल कोथरुड से चुनाव लड़ेंगे।

एकता और शोभा कपूर के खिलाफ पोस्को एक्ट के तहत मामला दर्ज

मुंबई, (पंजाब केसरी): प्रोड्यूसर एकता कपूर और उनकी मां शोभा कपूर के खिलाफ पोस्को एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह मामला फरवरी और अप्रैल 2021 के बीच एएलटी बालाजी पर स्ट्रीम हुई वेब सीरीज 'गंदी बात' के सीजन 6 में दिखाए गए नाबालिग लड़कियों से जुड़े कुछ आपत्तिजनक सीन से जुड़ा है। मुंबई पुलिस ने बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड, एकता कपूर और उनकी मां शोभा कपूर के खिफाफ मामला दर्ज किए जाने की पुष्टि की है। चर्चित प्रोड्यूसर के खिलाफ आईपीसी की धारा 295-ए, आईटी एक्ट की धारा 13, और पोस्को एक्ट की धारा 15 के तहत मामला दर्ज किया गया है। एकता कपूर और उनकी मां पर आरोप है कि उनकी कंपनी ने नाबालिग बच्चियों के कुछ आपत्तिजनक सीन फिल्माए थे। शिकायत में लिखा गया है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म एएलटी बालाजी की वेब सीरीज 'गंदी बात' के सीजन 6 में इन बच्चियों के सीन शूट किए गए थे। आरोप के मुताबिक ये सीन फरवरी 2021 से लेकर अप्रैल 2021 के बीच फिल्माए गए। हालांकि यह विवादित एपिसोड अभी एप्लिकेशन पर स्ट्रीम नहीं हो रहा है। शिकायत में महापुरुषों और संतों का अपमान करने की भी बात कही गई है।

बम ब्लास्ट की घटना के बाद दिल्ली में हाई अलर्ट सुरक्षा एजेंसियां जांच में जुटीं, मौके से जुटाए गए साक्ष्य फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी में भेजे गए, त्योहारों को देखते हुए दिल्ली के चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात

सीआरपीएफ स्कूल बम ब्लास्ट दिल्ली को फिर दहलाने की साजिश!

वसीम सैफी

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): रोहिणी डिस्ट्रिक्ट के प्रशांत विहार स्थिति सीआरपीएफ स्कूल की दीवार के साथ हुए बम धमाके के मामले में पुलिस ने एक्सप्लोसिव एक्ट समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। दरअसल जांच एजेंसियों को घटनास्थल से सफेद रंग का पाउडर और तार के छोटे-छोटे टुकड़े मिले हैं। ये पाउडर किसी तरह का केमिकल है, जिसका इस्तेमाल ब्लास्ट में हुआ है। सूत्रों की मानें तो मौके से बैटरी सेल एलिमेंट भी मिले हैं। जिसके आधार पर कहा जा रहा है कि यह एक कम क्षमता वाला कंट्रोल बम ब्लास्ट था। इस घटना के बाद से देश की तमाम सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। अंदेशा है कि पूर्व की तरह एक बार फिर असामाजिक तत्व त्योहार के मौके पर देश की राजधानी दिल्ली का दहलाने की साजिश रच रहे हैं। सीआरपीएफ स्कूल की बाउंड्री वॉल के पास हुआ यह बम धमाका एक चेतावनी है। यही वजह कि सेल की टीम आतंकी एंगल से भी मामले की जांच कर रही हैं। शुरुआती जांच के आधार पर पुलिस सूत्रों का भी कहना है कि यह एक कम क्षमता वाला बम धमाका था। संभवता इससे किसी तरह की चेतावनी के तौर पर किया गया है। क्योंकि अगर बड़ी वारदात करनी होती तो दिन और समय ऐसा नहीं चुना जाता। कम क्षमता का धमाका कर चेतावनी के लिए रविवार का दिन और सुबह का वक्त जानबूझकर चुना गया। सूत्रों का कहना है कि इसके पीछे किसी आतंकी संगठन का हाथ है या फिर किसी असामाजिक तत्व ने इसे अंजाम दिया। जांच एजेंसियां इसकी जांच कर रही हैं। बहुत जल्द ही यह केस प्रशांत विहार थाने से स्पेशल सेल को ट्रांसफर कर दिया जाएगा।

प्रशांत विहार में घटनास्थल पर मौजूद पुलिस व जमा लोगों की भीड़।

रोहिणी के स्कूल में हुए ब्लास्ट के बाद दुकान के टूटे कांच।

स्कूल में पढ़ते हैं सुरक्षाबल अफसरों के बच्चे

सूत्र ने बताया कि, सीआरपीएफ स्कूल में पांच केटेगरी में छात्र-छात्राओं को सिलेक्ट किया जाता है। स्कूल में सीआरपीएफ ऑफिसर्स के बच्चों को, सीआरपीएफ के रिटायर्ड और हैंडीकैप अफसरों के बच्चों को, दूसरी पैरामिलिट्री फोर्स (आईटीबीपी, बीएसएफ आदि) के जवानों के बच्चों को, डिफेंस फोर्स में तैनात अफसरों के बच्चों को और अगर सीट बचती है तो नॉन सर्विस वाले लोगों के बच्चों को प्रवेश दिया जाता है। सीआरपीएफ स्कूल आईजी सीआरपीएफ एडमिन के सुपरविजन में चलता है।

विभिन्न केमिकल मिलाकर बनाया था बम

जांच एजेंसियों को मौके से जो सफेद पाउडर मिला है, शक है कि यह देसी बम है। जिसे क्रूड बम कहा जाता है। अमोनियम फॉस्फेट और कुछ केमिकल मिलाकर यह बम बनाया गया होगा। जांच के बाद केमिकल का सटीकता से पता लग पाएगा कि उसका कंपाउंड कौन सा था। इस केमिकल की कंपोजिशन भी चेक की जाएगी। मौके से जो तार के टुकड़े मिले, उनकी भी जांच होगी कि वे पहले से मौके पर थे या धमाके में इसका इस्तेमाल हुआ।

घटना स्थल से एकत्र किए गए साक्ष्य

सुरक्षा एजेंसियों ने करीब आठ घंटे तक घटनास्थल पर मौजूद रहीं और घटनास्थल समेत सौ मीटर के दायरे साक्ष्य एकत्र किए। जिसमें सफेद रंग का पाउडर, छोटी-छोटी बिजली की तारें, मिट्टी आदि शामिल है। बम ब्लास्ट की घटना के बाद दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल, बम व डॉग स्क्वायड टीम, एनआईए, सीआरपीएफ, एफएसएल, एनएसजी आदि सुरक्षा एजेंसियों की टीमों ने घटनास्थल की घेराबंदी कर मैपिंग की और हर एक छोटे-से छोटे साक्ष्य को जांच के लिए एकत्र किया। पुलिस आस-पास की दुकानों के सीसीटीवी भी खंगाल रही हैं, ताकि बम रखने वाले की पहचान की जा सके। डीसीपी (रोहिणी) अमित गोयल ने कहा कि धमाके की वजह जानने के लिए एक्सपर्ट्स को बुलाया गया है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि धमाका किस प्रकार का था। उन्होंने आगे कहा कि विशेषज्ञ की टीम घटना की विस्तृत जांच कर रही है और जल्द ही स्थिति स्पष्ट होगी।

स्कूल धमाके के आरोपियों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): त्योहारों के मौसम में दिल्ली को धमाके से दहलाने की नाकाम कोशिश को एलजी वीके सक्सेना ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने दिल्लीवालों को भरोसा देते हुए कहा कि दिल्ली में धमाके के जरिए दहशत फैलाने के आरोपियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। उन्हें सख्त से सख्त सजा दी जाएगी। एलजी ने सोशल मीडिया पर कहा कि रोहिणी के स्कूल में हुए धमाके की जांच कई एजेंसिया मिलकर कर रही हैं। मैं स्वय इस जांच में हुई प्रगति की लगातार निगरानी कर रहा हूं। उन्होंने दिल्लीवालों को आश्वासन देते हुए कहा कि इस घटना के दोषियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्होंने लोगों से अपील की कि संयम बनाए रखें और किसी प्रकार अफवाह व भय फैलाने की कोशिश से बचें। यहां बता दें कि रोहिणी के प्रशांत विहार इलाके में रविवार सुबह सी आ र पी ए फ स्कूल के पास एक जोरदार धमाका हुआ। जिसने सबको डरा दिया। इस धमाके से आसपास की बिल्डिंग व कारों के शीशे तक टूट गये। राहत की बात यह रही कि इस बम धमाके में कोई हताहत नहीं हुआ। ब्लास्ट से स्कूल की दीवार, पास की दुकानें और एक कार को नुकसान पहुंचा है। फिलहाल पुलिस व अन्य एजेंसियां इस इस धमाके की मिलकर जांच कर रही हैं।

चरमराती कानून-व्यवस्था के लिए भाजपा व आप जिम्मेदार: यादव

देवेन्द्र यादव

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने दिल्ली की चरमराती कानून व्यवस्था के लिए भाजपा व आप दोनों को बराबर का जिम्मेदार ठहराया हैं। उन्होंने कहा कि त्योहारी सीजन में धमाका होना दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल रहा है। चौकाने वाली बात यह है कि फोरेंसिक विभाग ने अपनी शुरुआती जांच में क्रूड बम जैसा मैटीरियल पाया है।यादव रविवार को बल्लीमारान विधानसभा क्षेत्र की कार्यकारिणी बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने जनता से अपील की कि भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में जाने से पहले अपने आसपास का ध्यान रखें कि कहीं कोई संदिगध गतिविधि तो नही हो रही। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता ने भाजपा और आम आदमी पार्टी को कुछ उम्मीदों और अपने सपने पूरे होने के लिए चुना था परंतु दोनों सरकार की नीति और नीयत पूरी तरह उजागर हो चुकी है। पूर्व मंत्री हारुन यूसूफ ने कहा कि आम आदमी पार्टी को अलविदा कहने का वक्त आ गया है। बल्लीमारान क्षेत्र में पिछले 10 वर्षों से विकास लगभग रुक सा गया है। लोगों की सामाजिक और व्यावहारिक जरूरतें भी पूरी नही हो पा रही हैं। कार्यकारिणी बैठक में पूर्व मंत्री हारुन यूसूफ, पूर्व विधायक अनिल भारद्वाज, एआइसीसी सचिव जितेन्द्र बघेल, पूर्व पार्षद सुलक्षणा सिन्धी सहित अन्य पदाधिकारी भी मौजूद थे।

कानून-व्यवस्था पर आप ने भाजपा की केन्द्र सरकार को घेरा

रोहिणी स्कूल बम ब्लास्ट की घटना दिल्ली की सुरक्षा-व्यवस्था की खोल रही पोल: सीएम आतिशी

मुख्यमंत्री आतिशी

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली की कानून-व्यवस्था को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) ने भाजपा की केन्द्र पर निशाना साधा है। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि रोहिणी के एक स्कूल के बाहर बम ब्लास्ट की घटना दिल्ली की चरमराती सुरक्षा-व्यवस्था की पोल खोल रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में लॉ एंड ऑर्डर की जिम्मेदारी भाजपा की केंद्र सरकार के पास है लेकिन भाजपा शासित केंद्र सरकार का ट्रैक रिकॉर्ड देखे तो वो अपना 99% समय दिल्ली की चुनी हुई सरकार के कामों को रोकने में लगाती है। शायद 1% समय भी पुलिस सुरक्षा-व्यवस्था ठीक करने, दिल्ली की महिलाओं,बुजुर्गों व बच्चों को सुरक्षित रखने में नहीं लगाती है। सीएम आतिशी ने कहा कि आज दिल्ली में ऐसा हाल हो गया है जो एक समय में मुंबई में होता था, वहां अंडरवर्ल्ड व गैंगस्टर्स का राज था। शनिवार को दिल्ली के वेलकम इलाके में 60 राउंड गोलियां चली है। रोज खबरें आती है कि गैंगस्टर्स उगाही कर रहे है, लोगों को धमकियां दे रहे हैं और रविवार को एक स्कूल के बाहर एक छोटा बम धमाका हो गया।

सीएम ने कहा कि अरविंद केजरीवाल के जेल से बाहर आने के बाद लगातार पूरी गति से दिल्ली में काम हो रहे है लेकिन जो काम भाजपा शासित केंद्र की जिम्मेदारी है, दिल्ली के लोगों को सेफ्टी और सिक्योरिटी देने की जिम्मेदारी है, मेरी अपील है कि भाजपा शासित केंद्र उस पर ध्यान दे। वहीं इस घटना पर दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कि भाजपा दिल्ली के लॉ एंड ऑर्डर गैंगस्टर के हाथों में सौंप दिया है। भाजपा ने लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति खराब कर के रख दी है। आज हम सभी खतरे में है। कानून व्यवस्था ठीक करने की बयाज भाजपा का सारा ध्यान दिल्ली में आप सरकार के काम रोकने पर है। सिसोदिया ने कहा कि भाजपा केवल दिल्ली के काम रोकने पर लगी हुई है। भाजपा अपनी पूरी मेहनत, सारा ज्ञान केवल इस बात पर लगा रही है कि अरविंद केजरीवाल ने जो स्कूल व अस्पताल ठीक किए हैं, उन्हें कैसे खराब किया जाए। तीर्थयात्रा कैसे बंद की जाए, मोहल्ला क्लीनिक कैसे खराब किए जाएं, सड़कें व सीवर कैसे खराब किए जाएं। आप नेता और दिल्ली सरकार में मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली में भाजपा की केंद्र सरकार के आधीन पुलिस और ट्रैफिक पुलिस दो ही काम हैं। दोनों का ही दिल्ली में बुरा हाल है। दिल्ली में लंबे-लंबे जाम लग रहे हैं।

सुरक्षा के मुद्दों पर भी राजनीति करना आम आदमी पार्टी की फितरत: गुप्ता

विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं रोहिणी के विधायक विजेंद्र गुप्ता ने रविवार को रोहिणी के प्रशांत विहार में हुए बम धमाके पर दिल्ली के मुख्यमंत्री आतिशी के बयान की कड़ी निंदा की है, जिसमें आतिशी ने दिल्ली की कानून व्यवस्था की स्थिति के लिए केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। गुप्ता ने कहा कि मैं आतिशी के बयान की कड़े शब्दों में निंदा करता हूं। सुरक्षा से जुड़े मुद्दों का भी राजनीतिकरण करना आम आदमी पार्टी की घटिया सोच को उजागर करता है।

संवेदनशील मुद्दों पर आप नेताओं की गंदी राजनीति दुर्भाग्यपूर्ण: सचदेवा

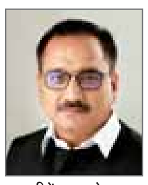

वीरेंद्र सचदेवा

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): रोहिणी स्कूल धमाके पर भाजपा ने आप पर निशाना साधा है। सचदेवा ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आप नेता रोहिणी में एक स्कूल के पास हुए कथित धमाके की घटना जैसे संवेदनशील मुद्दों पर गंदी राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस की मामले की जांच कर रही है। हाल के अधिकांश मामलों को दिल्ली पुलिस ने बेहतरी से सुलझाया है। पुलिस इस घटना की भी जल्द से जल्द जांच पूरी करेगी और दोषियों को अरेस्ट करेगी।

जोरदार धमाके की आवाज सुन नींद से उठे लोग, दूर तक फैली थी रसायन की गंध

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): प्रशांत विहार स्थित सीआरपीएफ स्कूल के पास बम ब्लास्ट हुआ तो इसके पांच सौ मीटर के दायरे में रहने वाले लोग एक जोरदार धमाके की आवाज सुनकर नींद से उठे। स्थानीय लोगों ने बताया कि रविवार अवकाश दिवस होने की वजह से लोग देर तक सुकून से सोए हुए थे। मगर सुबह करीब पौने आठ बजे एक जोरदार धमाका हुआ। जिसकी आवाज से उनकी नींद टूटी। घरों से बाहर निकले तो बाहर हवा में किसी रसायन जैसी दुर्गंध और सफेद धुआं फैल हुआ था। वहीं धमाके की तीव्रता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसकी आवाज करीब डेढ़ किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। घटनास्थल के पास मौजूद कार, घर व दुकानों के शीशे तक टूट गए। घरों में मौजूद लोगों ने धमाके का कंपन भी महसूस किया।

लगा जैसे सिलेंडर हुआ ब्लास्ट फैला था धुएं का गुब्बार

स्थानीय लोगों ने बताया कि धमाके के बाद बाहर घने सफेद धुएं का गुबार था और अजीब सी दुर्गंध थी। इसी वजह से लोगों को लगा कि किसी सिलेंडर में ब्लास्ट हुआ है। उसी की दुर्गंध फैल गई है। मगर जब दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और एनएसजी की टीम मौके पर पहुंची तो लोगों की समझ में आया कि यहां बम ब्लास्ट किया गया है।

घटना के बाद दहशत में लोग... इस घटना के बाद स्थानीय लोग दहशत में हैं। स्थानीय निवासी किरण सचदेवा ने कहा यह (धमाका) पटाखे की तरह नहीं था। आवाज बहुत तेज थी और उसके बाद 15-20 मिनट तक हर जगह सिर्फ धुआं ही धुआं था। उन्होंने कहा उनका घर घटनास्थल से 200-250 मीटर दूर था, लेकिन धमाके का अहसास 'भूकंप जैसा' महसूस हुआ। एक दुकानदार हिमांशु कोहली ने बताया कि इस घटना के बाद लोग डरे हुए हैं।रिता सिंह ने बताया कि उनका बेटा इसी स्कूल में पढ़ता है। घटना के बाद बेटे की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। वहीं स्थानीय निवासी एक महिला ने बताया कि जहां धमाका हुआ, वहां स्कूल बस का बस स्टॉप है। बच्चे स्कूल बस पकड़ने के लिए यहीं खड़े होते हैं। मैं यही सोचकर सहम उठती हूं कि अगर उस वक्त हादसा होता तो क्या होता।

एक घंटे बाद होता ब्लास्ट तो बड़ा नुकसान होता

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि जहां बम ब्लास्ट हुआ आमतौर पर यहां चहल-पहल रहती है। रविवार का दिन और सुबह का वक्त होने की वजह से सड़क पर चहल पहल नहीं थी।

सदर बाजार: भीड़ का वीडियो वायरल, 12 पुलिसकर्मियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : नॉर्थ डिस्ट्रिक्ट में स्थित सदर बाजार में त्योहार के सीजन पर उमड़ी भीड़ के बीच धक्का-मुक्की के वीडियो वायरल होने के बाद डीसीपी राजा बांठिया ने 12 पुलिसकर्मियों पर सख्त कार्रवाई की। डीसीपी ने सदर बाजार थाने में तैनात दो बीट के पुलिसकर्मियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की। डीसीपी द्वारा शनिवार शाम को यह आदेश दिया गया है। डीसीपी की इस कार्रवाई के बाद पूरे जिले में हड़कंप मच गया है। इस एक्शन के बारे में हर कोई बात कर रहा है। वहीं, इस एक्शन के बाद बाजार में आने वाले लोगों को चेहरे पर मुस्कान देखने को मिली। उनका कहना है कि अब बाजार में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिसकर्मी मौजूद रहेंगे। बता दें कि नॉर्थ डिस्ट्रिक्ट का सदर बाजार एक भीड़भाड़ वाला इलाका है और देश की सबसे बड़ी थोक मार्केट है। त्योहार के मौके पर पर यहां दिल्ली-एनसीआर, पंजाब, हरियाणा के अलावा अन्य राज्यों के लोग भी खरीदारी करने के लिए आते हैं। फिलहाल यहां पिछले कई दिनों से लाखों की तादाद के लोग खरीदारी करने के लिए पहुंच रहे हैं।

> हमे सबसे पहले लोगों की सुरक्षा के लिए काम करना है। उनकी सुरक्षा को लेकर किसी प्रकार की कोई लापरवाही नहीं बरती जाएगी।
> –राजा बांठिया, डीसीपी नॉर्थ

"आज हमारी हर नीति, हर रणनीति- जन कल्याण से राष्ट्र कल्याण की है।
जन अभियान से राष्ट्र निर्माण की है।"
- नरेन्द्र मोदी

शहरी स्थानीय निकायों तथा पंचायतों में समाधान शिविर

जन सेवाओं से जुड़ी समस्याओं का मौके पर होगा समाधान

प्रॉपर्टी आई-डी
व अन्य समस्याओं के समाधान के लिए नगर निगम कार्यालय / नगर परिषद कार्यालय / नगर पालिका कार्यालय

स्वामित्व
से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित खंड एवं विकास पंचायत अधिकारी कार्यालय

एक माह तक लगातार शिविर होंगे आयोजित

दिनांक - 22 अक्तूबर, 2024 से शुरु | समय - प्रात: 9 से 11 बजे

म्हारा हरियाणा
नॉन-स्टॉप हरियाणा

सूचना, जन सम्पर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा www.prharyana.gov.in | Follow us on @diprharyana

जहांगीरपुरी: दो गुटों के बीच ताबड़तोड़ फायरिंग में एक की मौत

पश्चिमी दिल्ली, (पंजाब केसरी) : नॉर्थ-वेस्ट डिस्ट्रिक्ट के जहांगीरपुरी इलाके में दो गुटों के बीच ताबड़तोड़ फायरिंग हुई। फायरिंग में गोली लगने से तीन लोग घायल हो गए। तीनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने दीपक (35) को मृत घोषित कर दिया। वहीं, घायल नरेंद्र और सूरज का अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया है। सूत्रों का कहना है कि दोनों तरफ से एक दर्जन से अधिक गोलियां चलाई गई है। शुरुआती जांच के बाद पुलिस का कहना है कि रंजिश के चलते वारदात को अंजाम दिया गया है। पुलिस वारदात स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल कर मामले की छानबीन कर रही है।

वहीं पुलिस सूत्रों का कहना है कि वारदात से एक दिन पूर्व भी दोनों ग्रुप के बीच झगड़ा हुआ था। 24 घंटे के दौरान भी पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लगी। लिहाजा इसके बाद शनिवार को हुई दोनों गुटों के बीच फायरिंग में एक की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हो गए। सूत्रों का कहना है कि मरने वाला दीपक उर्फ पत्रकार इलाके में नाबालिग का गैंग चलाता था। उसके खिलाफ भी कई मामले दर्ज हैं। पुलिस के मुताबिक, रविवार शाम को पुलिस को बीजेआरएम अस्पताल से दीपक उर्फ पत्रकार नामक एक युवक को गोली लगने के बाद मृत हालात में भर्ती कराने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस को पता चला कि दो अन्य लोग सूरज व नरेंद्र को भी गोली लगने के बाद अस्पताल लाया गया है।

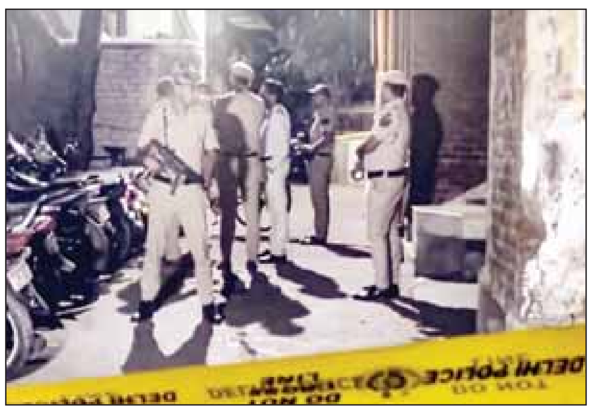

पुलिस को जांच के दौरान पता चला कि दीपक, उसका भाई और उसके कुछ साथी पार्क 900 वाली गली जहांगीरपुरी में खड़े थे। इसी दौरान नरेंद्र और सूरज वहां आए। दोनों के बीच कुछ देर बातचीत हुई। इसी दौरान विवाद बढ़ गया। बाद में दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर फायरिंग शुरू कर दी। गोली चलने पर दीपक को गर्दन, दोनों पैर और पीठ पर चोटें आईं। फायरिंग में नरेंद्र की पीठ में और सूरज के पैर में भी चोटें आईं। पुलिस सूत्रों ने बताया कि पुलिस को मौके से कई कारतूस के खोखे मिले है। शुरुआत में पुलिस रंजिश के चलते वारदात को अंजामदेने की बात कह रही है। लेकिन पुलिस हर एंगल से मामले की छानबीन कर रही है। पुलिस का कहना है कि घायल नरेंद्र और सूरज से पूछताछ कर मामले की छानबीन की जा रही है।

समझौते के लिए गए थे लोग

सूत्रों का कहना है कि गगन नाम के शख्स से विवाद को लेकर समझौता करने के लिए दोनों गुट इकट्ठा हुए थे। मौके पर मौजूद 8-10 लोगों के पास पिस्टल थी। मौके पर बात करते-करते विवाद बढ़ा गया। इसी दौरान दोनों गुटों ने एक दूसरे पर फायरिंग कर दी। फायरिंग एक के बाद एक करके तकरीबन 12-14 राउंड गोलियां चली। गोलियों की आवाज सुनकर मौके पर मौजूद लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। गोली लगने से तीन लोग घायल हो गए।

पत्नी कर रही थी इंतजार

करवाचौथ के मौके पर दीपक की पत्नी सज धज के उसका इंतजार कर रही थी। वह चांद निकलने का इंतजार कर रही थी। इसी बीच उसे पता चला कि किसी ने उसके पति की गोली मारकर हत्या कर दी है। सूचना मिलते ही वह बेहोश हो गई। वारदात के बाद से दीपक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। दीपक के परिवार में पत्नी, भाई के अलावा अन्य सदस्य हैं।

महिला पायलट के साथ दुष्कर्म, डीजीसीए का अधिकारी गिरफ्तार

दक्षिणी दिल्ली, (पंजाब केसरी): पूर्वी दिल्ली में रहने वाली एक महिला पायलट के साथ शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप डीजीसीए के एक अधिकारी पर लगा है। सफदरजंग एन्क्लेव थाना पुलिस ने महिला की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया है। पुलिस ने इस मामले में आरोपी सिराज फारुकी को गिरफ्तार कर लिया है।

आरोपी पहले से विवाहित है। पुलिस को दी गई शिकायत में युवती ने बताया है कि जून 2022 में उसकी मुलाकात सिराज से हुई थी। उस समय वह एक विमानन कंपनी में नौकरी करता था। फिलहाल वह डीजीसीए में सीनियर फ्लाइट ऑपरेशन इंस्पेक्टर है। वह पायलट लाइसेंस के लिए प्रशिक्षण ले रही थी। इस दौरान वह युवती के करीब आने लगा। आरोपी ने उसे बताया कि पहली पत्नी से तलाक लेने के बाद उसने दूसरी शादी की थी, लेकिन वह अब दूसरी पत्नी से भी तलाक ले रहा है, क्योंकि वह उससे शादी करना चाहता है। आरोप है कि वह जुलाई 2022 में युवती को हैदराबाद स्थित एक होटल में ले गया। जहां उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। युवती ने उसे कई बार उसकी पत्नी से तलाक की स्थिति के बारे में पूछा, लेकिन वास्तव में उसने दूसरी पत्नी से तलाक लेने के लिए आवेदन ही नहीं किया था। उसने जानबूझकर युवती को धोखे में रखा और दो साल तक शादी के झांसे में रखकर उसका यौनशोषण करता रहा। इतना ही नहीं आरोपी ने विरोध करने पर धमकी दी कि अगर उसने दूरियां बनाई तो विमानन क्षेत्र में वह उसे नौकरी नहीं करने देगा। युवती का दावा है कि कुछ माह पहले सिराज की पत्नी ने भी दोनों की शादी के लिए सहमति दे दी, लेकिन वास्तव में वह पति को बचाने के लिए ऐसा कर रही है। वहीं, पुलिस ने पीड़िता के बयान पर केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

बहन से बात करने पर नाराज हुए भाई ने युवक को मौत के घाट उतारा

पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार

पूर्वी दिल्ली, (पंजाब केसरी) : शाहदरा डिस्ट्रिक्ट के जगतपुरी इलाके में बहन से बात करने से नाराज एक युवक ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर एक शख्स की बुरी तरह पिटाई कर दी। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के उसकी मौत हो गई। पुलिस ने उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया है। मृतक की पहचान अर्पित उर्फ गोलू (21) के रूप में हुई है। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान ध्रुव उर्फ गोलू, नीशू और रविंद्र कुमार के रूप में हुई है। पुलिस पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है।

डीसीपी प्रशांत गौतम ने बताया कि जगतपुरी थाने में शुक्रवार को झगड़े में एक युवक की जमकर पिटाई के संबंध में एक पीसीआर कॉल मिली। कॉलर ने पुलिस को बताया कि 40 फुटा रोड पर उनके साल की कुछ लड़कों ने जमकर पिटाई कर दी है, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार किया गया। घायल की पहचान जगतपुरी स्थित बी-1 अर्पित उर्फ गोलू (21) के रूप में हुई। उपचार के बाद उसे छुट्टी दे दी गई। इसके बाद परिजन उसे घर ले आए।

शनिवार तड़के करीब चार बजे घायल अर्पित के पेट में दर्द हुआ। परिजन उसे लेकर जीटीबी अस्पताल में गए, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। युवक की मौत के बाद पुलिस ने उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया है। पुलिस ने अर्पित के जीजा व वारदात के चश्मदीद कुलदीप के बयान पर हत्या का केस दर्ज कर लिया। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि अर्पित एक आरोपी ध्रुव की बहन से बात करता था। ध्रुव को ये बिल्कुल पसंद नहीं था। इसी नाराजगी को लेकर उसने अपने दोस्तों के साथ मिलकर उससे बदला लेने की योजना बनाई और पीट-पीटकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस पकड़े गए आरोपी से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है।

वेलकम: ताबड़तोड़ फायरिंग करने वाले पांच अरेस्ट

पूर्वी दिल्ली, (पंजाब केसरी) :नॉर्थ-ईस्ट डिस्ट्रिक्ट के वेलकम इलाके में शनिवार रात फायरिंग के बाद इलाके में दहशत फैल गई। फायरिंग में एक युवती को गोली लग गई थी। इस मामले में पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गये आरोपियों की पहचान समद, शानू, कासिम, हासिम और मोहम्मद नूर के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से पिस्टल के

अलावा दो तमंचे व चार कारतूस किए हैं। पुलिस पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। डीसीपी राकेश पावरिया ने बताया कि वेलकम थाना पुलिस को फायरिंग व एक युवती के गोली लगने से घायल होने के संबंध में पीसीआर कॉल मिली थी। पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुट गई। पुलिस को आठ कारतूस के खोखे, दो कारतूस व अन्य चीजें मिली। जांच में पुलिस को पता चला कि समद, शानू, कासिम, हासिम, मोहम्मद नूर और अन्य लोगों ने उनके जींस के व्यापार में रुपयों को लेकर हुए आपसी विवाद के चलते गोलीबारी की।

गोलीबारी के बीच आने से इफरा नाम नामक एक युवती घायल हो गई। पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुट गई। जांच में पुलिस को पता चला कि कुछ माह पूर्व समद ने फरीदाबाद के मुनीर नामक एक व्यक्ति को अपनी जींस धुलाई के लिए दी थी।

आनंद विहार: प्रेमिका ने काटी नस अस्पताल में देखते ही प्रेमी की मौत

● *युवती ने व्हाट्सएप पर युवक को भेजी थी घटना की वीडियो, जिसके बाद अस्पताल पहुंचा था युवक*

पूर्वी दिल्ली, (पंजाब केसरी) : शाहदरा डिस्ट्रिक्ट के आनंद विहार इलाके में प्रेमिका द्वारा हाथ की नस काटने की खबर सुनते ही प्रेमी अस्पताल पहुंच गया। प्रेमिका को गंभीर हालत में देखकर युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान अरुण (30) के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है।

सूत्रों का कहना है कि अर्जुन और युवती करीब एक वर्ष ऑनलाइन मिले थे। दोनों के बीच दोस्ती हुई और फिर दोस्ती प्यार में बदल गई। इसके बाद दोनों के बीच अक्सर झगड़ा होता था। लड़की पढ़ाई और करियर को लेकर गंभीर थी, जबकि अर्जुन नौकरी पाने को लेकर गंभीर नहीं था। वह दोस्तों के साथ पार्टी करता रहता था। इसको लेकर लड़की उसके साथ झगड़ा करती थी। झगड़े के बाद उसने अपनी नस काट ली और उसका वीडियो अरुण को भेज दिया। युवक अरुण की मौत के मामले में आनंद विहार थाना पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। उधर, युवती द्वारा हाथ ही नस काटने मामले में जगतपुरी थाना की पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

डीसीपी प्रशांत गौतम ने बताया कि शनिवार तड़के 03:34 बजे आनंद विहार थाना पुलिस को एक युवक के बेहोश होने के बाद अस्पताल में भर्ती कराने के संबंध में पीसीआर कॉल मिली। सूचना मिलते ही पुलिस कैलाश दीपक अस्पताल में पहुंच गई। डॉक्टरों ने पुलिस को बताया कि युवक की मौत हो चुकी है। मृतक की पहचान अरुण के रूप में हुई। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि अरुण की प्रेमिका ने अपने हाथ की नस काट ली थी। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। युवती ने अपने हाथ ही नस काटने का वीडियो अरुण को भेज दिया। वीडियो देखने के बाद अरुण युवती के घर गया, वहां से पता चला कि उसे अस्पताल ले जाया गया। अरुण युवती को देखने के लिए तुरंत अस्पताल में पहुंच गया। युवती की हालत देखकर वह वहीं बेहोश होकर गिर गया। उसे तुरंत अस्पताल में भर्ती किया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अरुण, चंदू पार्क, सोम बाजार, सब्जी मंडी कृष्णा नगर में रहता था। जबकि युवती जगतपुरी इलाके में रहती थी।

शरीर पर नहीं है चोट के निशान

पुलिस अधिकारी ने बताया कि युवक के शरीर पर किसी प्रकार के कोई चोट के निशान नहीं है। पोस्टमार्टम के दौरान डॉक्टर ने मृतक का विसरा भी सुरक्षित रख लिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। वहीं, पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आखिर युवती ने हाथ की नस क्यों काटी थी।

पंजाब केसरी क्लासीफाइड

आवश्यकता

चाहिए 51 प्रमोटर्स/ सोशल वैलफेयर आफिसर्स, दिल्ली/यूपी राज्यों हेतु। उम्र 18-60, भत्ता/वेतन 15000/45000, स्त्री/पुरुष बायोडाटा व्हाट्सअप नं. 9266783321 पर भेजें, सम्पर्क : 9818753321 1260414

पोल्ट्री

एनईसीसी दिल्ली क्षेत्र में आज (21.10.2024) के लिए सुझाया गया फार्म-गेट अण्डे का रेट ₹ 545/- रुपये प्रति 100 अण्डे (व्यापार और उद्योग की जानकारी के लिए) है। 1250396

नाम परिवर्तन

I, Pinki Gupta W/o Dinesh Gupta R/o H.No. 331 B, Chopal Wali Gali, Shalimar Village, North West Delhi, Delhi-110088 have changed my name from Pinky to Pinki Gupta for all future purposes. 1260415

I, Mannat Sodhi D/o Sweet Paul Singh R/o 472, West Parmanand Colony, Delhi-9, have changed my name to Mannat Kaur Sodhi. 1260416

I, Jaya Khanna D/o Rohit Khanna R/o D-17/2, Naraina Vihar, Kair, South West Delhi-110028, have changed my name to Urvashi Khanna. 1260417

I, Atul Kumar Pathak S/o Shankar Dutt Pathak, R/o R-2/34, Ramesh Park, Laxmi Nagar, East Delhi-110092, have changed my name to Atul Pathak. 1260420

I, Mahesh Gupta R/o A-3 South Anarkali, Som Bazar, Krishna Nagar Delhi-51, have changed my minor son's name from Manan to Manan Gupta. 1260421

I, Kamal Kumar Sain @ Kamal Kumar S/o Bal Kishan R/o 298, Janta Flat Site-1, Vikaspuri, New Delhi-110018 have changed my name to KAMAL. 1260412

नाम परिवर्तन

I, Mamta Sain W/o Kamal R/o 298, Janta Flat Site-1, Vikaspuri, New Delhi-110018 have changed my name to MAMTA 1260413

I, Ashwini Kumar Arora S/o Ram Ji Dass Arora R/o EL-12A 2nd floor L-Block Hari Nagar South West Delhi-110064 have changed my name to Ashwini Arora S/o Ram Ji Dass. 7000002

I, Ram Murty S/o Indra Deo Singh R/o P-10/12, Tower P-10, Tarapore, Officers Enclave, Rangpuri , Vasant Kunj, Vasant Kunj, PO: Vasant Kunj, Dist: South West Delhi, Delhi -110070, have changed the name of my minor Son namely Prayaan Singh to Pragyaan Singh aged 08 years. 7000003

I, Ishwar Babani S/o Hotu Ram R/ o S-4/39, First Floor, Old Mahavir Nagar, Tilak Nagar, Delhi-110018, have changed my name to Ishwar Kumar. 1260424

I, Deepak Kumar Garg S/o Ved Prakash Garg R/o C - 89, Maharana Pratap Enclave, Pitampura, Delhi Changed Name To Deepak Garg. 1260422

I, Ved Parkash S/o Gian Chand Garg R/o C-89, Maharana Pratap Enclave, Pitampura, Delhi Changed Name To Ved Prakash Garg. 1260423

I hitherto known as Drishti D/o Sh. Sanjay R/o H. No. 687-B, Gali No. 9, Ambedkar Nagar, Haiderpur, Delhi-110088 have changed my name and shall hereafter be known as Drishti Sharma. 7000004

I, Devinder Singh S/o Manjeet Singh R/o S-2/225 B Old Mahavir Nagar, Tilak Nagar, Delhi-18 have changed my name from Devinder Singh to Davinder Singh for all purposes. 7000001

नाम परिवर्तन

I, hitherto known as Hitesh Bhardwaj S/o Shri Ravinder Singh R/o H.No. 236 Village Dhaka Dr. Mukherjee Nagar Delhi-110009 have changed my name and shall hereafter be known as Hitesh Singh Chauhan. 7000005

It is for general information that I, Shashi Vashisht S/o Shri Jai Prakash R/o H.No. 392 Tajpur Kalan, Delhi-110036 declare that name of mine has been wrongly written as Shashi Kumar in my Passport No. M5423851. The actual name of mine is Shashi Vashisht, which may be amended accordingly. 7000006

I hitherto known as Mandakini Sharma D/o Ram Prasad Sharma W/o Vivek Dhyani R/o-1/162 Rashmi Khand Badrukh, Sharda Nagar, VTC, Lucknow Cantonment, PO Dilkusha, Sub District : Bakshi Ka Talab, District : Lucknow, State : Uttar Pradesh-226002, have changed my name and shall hereafter be known as Priyanshi Dhyani. 7000007

पाठकों को परामर्श

पाठकों को परामर्श दिया जाता है कि वे विज्ञापनों के सम्बन्ध में कोई कार्रवाई करने से पहले तथ्यों की समुचित जांच स्वयं ही अवश्य कर लें, क्योंकि 'पंजाब केसरी' विज्ञापनदाताओं द्वारा किए गए किसी भी दावे की सच्चाई का न तो कोई आश्वासन देता है और न ही समर्थन करता है। इसलिए पाठकों को स्वयं ही अपने आधार पर सभी तथ्यों की जांच करनी चाहिए। किसी भी प्रकार के लेन-देन के लिए यह समाचार पत्र उत्तरदायी नहीं होगा।

सार्वजनिक सूचना

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुवक्किल विजय कुमार पुत्र ओम प्रकाश निवासी 31, वी०पी०ओ०, सांहटी, सहोती(14-R), सोनीपत, हरियाणा - 131402, ने अपने पुत्र प्रिन्स को उसके गलत आचरण / दुर्व्यहार के कारण अपनी चल-अचल संपति से बेदखलकर सम्बन्ध-विच्छेद कर लिए हैं, उसके किसी कृत्य/लेन-देन हेतु मेरे मुवक्किल व परिवारवाले जिम्मेदार नहीं होंगे

ANKIT SINGH ADVOCATE Chamber No-T-51, C-A Tis Hazari Courts Near SBI Bank Delhi-110054

कोर्ट नोटिस

COURT NOTICE

(U/o 5 Rule 20 CPC) IN THE COURT OF Sh. Deepak Yadav Civil Judge (Junior Division), Gurugram

GAGANDEEP Vs. GENERAL PUBLIC

CNR No. HRGR02-003098-2018

Next Date :- 25.11.2024

PUBLICATION ISSUED TO : GENERAL PUBLIC INDIA

In above titled case, the defendant(s)/ respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s)/ respondent(s) should appear in person or through counsel on 25.11.2024 at 10:00 a.m. For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?trs=district Notice & district=Gurugram

-Sd./-, Civil Judge (Junior Division), Gurugram

Seal

Dated this day of 18.10.2024

COURT NOTICE

(U/o 5 Rule 20 CPC) IN THE COURT OF Ms. Manjot Kaur Civil Judge (Junior Division), Gurugram

BHUSHAN DIWAN Vs. G P

CNR No. HRGR02-001307-2024

Next Date :- 25.11.2024

PUBLICATION ISSUED TO : GENERAL PUBLIC GURUGRAM

In above titled case, the defendant(s)/ respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s)/ respondent(s) should appear in person or through counsel on 25.11.2024 at 10:00 a.m. For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?trs=district Notice & district=Gurugram

-Sd./-, Civil Judge (Junior Division), Gurugram

Seal

Dated this day of 19.10.2024

अवैध शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

दक्षिणी दिल्ली, (पंजाब केसरी): साउथ-वेस्ट डिस्ट्रिक्ट के एएटीएस स्टाफ ने अवैध शराब की सप्लाई करने वाले तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान कुलदीप के रूप में हुई है। इसके पास से 10 कार्टून शराब और कार बरामद की है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी हरियाणा में बिक्री के लिए उपलब्ध अंग्रेजी शराब और बियर दिल्ली में सप्लाई करता था। डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि गत 18 अक्टूबर को महिपालपुर क्षेत्र में

अवैध अंग्रेजी शराब से भरी एक कार के बारे में गुप्त सूचना मिली। टीम ने महिपालपुर बाईपास के पास पहुंच जाल बिछा लिया। टीम ने एक आरोपी को मौके पर आते ही दबोच लिया।

क्राइम ब्रांच के हत्थे चढ़ा हथियार सप्लायर

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच ने एक हथियार सप्लायर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके कब्जे से दो पिस्टल और तीन कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने आरोपी के पास से हथियारों की सप्लाई में इस्तेमाल कार भी बरामद कर ली है। डीसीपी विक्रम सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान 31 वर्षीय हमीद अली के तौर पर हुई है। आरोपी गाजियाबाद यूपी का रहने वाला है। आरोपी को एसीपी पंकज अरोड़ा की देखरेख में इंस्पेक्टर सुनील कुमार के नेतृत्व में सब इंस्पेक्टर सुभाष चंद, बीरपाल, हेड कांस्टेबल विजय, राहुल कुमार, जय सिंह, अनूप आदि की टीम ने गिरफ्तार किया है।

दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच द्वारा गिरफ्तार हथियार सप्लायर।

डीसीपी ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि एसआई सुभाष चंद को दिल्ली-एनसीआर में हथियारों की आपूर्ति करने वाले एक व्यक्ति के बारे में गुप्त सूचना मिली थी। उन्होंने तुरंत अधिकारियों को इससे अवगत कराया। जिसके बाद हथियार सप्लायर को पकड़ने के लिए क्राइम ब्रांच सेंट्रल रेंज की टीम गठित की गई। तकनीकी निगरानी के बाद टीम ने आरोपी की गतिविधि को ट्रैक किया। टीम ने राजघाट में बस डिपो के पास एक जाल बिछाया और हुंडई वर्ना कार सवार आरोपी हमीद अली को दबोच लिया। इसके कब्जे से दो अवैध पिस्टल और तीन जिंदा कारतूस बरामद हुए। इसके लिखलाफ क्राइम ब्रांच थाने में आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। फिलहाल पुलिस इस नेटवर्क में शामिल अन्य आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। पुलिस के मुताबिक आरोपी मूल लोनी, गाजियाबाद का रहने वाला है। वह हाई स्कूल ड्रॉपआउट है। वह पहले से ही हत्या के प्रयास, चोरी, शस्त्र अधिनियम आदि सहित चार आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। फिलहाल पुलिस उससे पूछताछ कर आगे की जांच कर रही है।

साइबर ठगों को बैंक अकाउंट देने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

दक्षिणी दिल्ली, (पंजाब केसरी) : साउथ-वेस्ट डिस्ट्रिक्ट के साइबर थाना पुलिस ने साइबर ठगों को बैंक अकाउंट उपलब्ध कराने वाले चार आरोपियों को पकड़ा है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान चेतन सिंह राणावत, निकुंज अश्विनभाई मकवाना, सुमित और आदित्य सोनकर के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से पांच मोबाइल बरामद किए हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ गृह मंत्रालय के पोर्टल पर 72 एनसीआरपी शिकायतें दर्ज मिली है।

साइबर थाना पुलिस की गिरफ्त में ठग।

डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि अर्जुन सेठी नामक एक शख्स ने अपने साथ हुई 42 लाख रुपये की ठगी की शिकायत दी। उन्होंने बताया कि गत 10 जनवरी को इंस्टाग्राम पर एक विज्ञापन देखा। विज्ञापन पर क्लिक पर करते ही वह एक व्हाट्स एप ग्रुप वैनगार्ड ग्रुप-249 में जोड़ गए। ठगों ने उन्हें शेयर बाजार में पैसे निवेश करने के लिए कहा। झांसे में आकर उन्होंने 42 लाख रुपए निवेश कर दिए। आरोपियों को पकड़ने के लिए इंस्पेक्टर विकास कुमार के नेतृत्व में एसआई जगदीप नारा, हेड कांस्टेबल हरेंद्र की टीम ने पकड़ लिया।

दिवाली मिलन समारोह में सुविधा केन्द्र की शुरुआत, मिलेंगी सुविधाएं

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : दिल्ली छावनी विकास समिति के अध्यक्ष मेजर डॉ. टीसी राव ने दिवाली मिलन कार्यक्रम के अवसर पर दिल्ली छावनी विधानसभा के स्थानीय समुदाय के लिए कई महत्वपूर्ण सेवाओं का शुभारंभ किया। इस विशेष कार्यक्रम का आयोजन अशोका बारात घर, गोपीनाथ बाजार में किया गया, जहां मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू और करोल बाग भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील कक्कड़ उपस्थित रहे। उन्होंने दिल्ली छावनी के विकास और वहां के निवासियों के जीवन को सुविधाजनक बनाने के लिए कई नई पहलों की शुरुआत की। कार्यक्रम में फ्री मिनी बस सेवा का शुभारंभ किया गया, जो रोजाना दुर्गाबाई देशमुख मेट्रो स्टेशन से मोती बाग मेट्रो स्टेशन तक चलेगी। इस कार्यक्रम के दौरान मेजर डॉ. टीसी राव द्वारा लिखित एक महत्वपूर्ण पुस्तक का विमोचन भी किया गया, जिसका शीर्षक है 'भाजपा के स्तंभः दूरदर्शी और रणनीतिकारों की उल्लेखनीय यात्रा।" इस समारोह में जिला महामंत्री मालती वर्मा, देवराज आहूजा, रविंद्र लोहिया, कमांडो सुरेंद्र सिंह, मंडल अध्यक्ष अनिल तंवर, मंडल अध्यक्ष प्रेम पाठक, मंडल अध्यक्ष मनोज कुमार आदि लोग भी शामिल हुए।

घरेलू सहायकों ने बंधक बनाकर की लूटपाट, गिरफ्तार

दक्षिणी दिल्ली, (पंजाब केसरी) : साउथ-वेस्ट डिस्ट्रिक्ट के ग्रीन पार्क इलाके में एक बुजुर्ग महिला को दो घरेलू सहायकों ने बंधक बना लिया। बंधक बनाने के बाद वे घर में रखी जूलरी, कैश, महंगी घड़ी समेत अन्य सामान लेकर फरार हो गए। महिला का पति घर लौटा तो अपने पत्नी को छुड़ाया और मामले की सूचना पुलिस को दी। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने पीड़ित सुरेंद्र कुमार (77) की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया है। केस दर्ज करने के बाद कुछ ही घंटे के बाद स्पेशल स्टाफ ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान अजीत कामत और धर्म कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से लूट का सारा सामान बरामद कर लिया है। पुलिस पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि पीड़ित सुरेंद्र कुमार जैन, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, सफदरजंग एन्क्लेव में अपनी पत्नी के साथ रहते हैं।

टूटी सड़क से संगम विहार का मुख्य मार्ग हुआ जाम, लोग हो रहे परेशान

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : संगम विहार रतिया मार्ग की टूटी सड़क से यहां हमेशा जाम लगा रहता है, जिससे लोग काफी परेशान हैं। सुबह-शाम पीक टाइम में तो लोगों का बुरा हाल हो जाता है। ऐंबुलेंस में फंसी रह जाती है। दरअसल, यहां सीवर का पाइप डाला जा रहा है, जिसके कारण अच्छी-खासी बनी सड़क को तोड़ दिया गया है। यह सड़क अब पहले जैसी उबड़-खाबड़ हो गई है। हर दिन यहां पर ऐसी ही स्थिति पैदा होती है। इसकी वजह से पूरा रतिया मार्ग जाम में फंस जाता है। स्थानीय लोगों का मानना है कि थ्री व्हीलर और ई -रिक्शा की वजह से रतिया मार्ग हमेशा जाम रहता है। ऊपर से बीच-बीच में भारी वाहनों के आ जाने से लंबा जाम लग जाता है। यह किसी एक दिन की समस्या नहीं है। स्थानीय भाजपा नेता रंजीत सिंह ने बताया कि संगम विहार दरअसल संकट विहार है। यहां किसी भी समय आइए आपको जाम मिलेगा। खासकर सुबह और शाम के समय स्थिति बेहद खराब हो जाती है। एक बार लोग यहां जाम में फंसते हैं तो घंटे 2 घंटे भर के लिए फंसे रह जाते हैं। रतिया मार्ग साल में कई बार टूटती है और बनती है।

हाफ मैराथन में जमकर दौड़ी दिल्ली

लंबी दूरी के धावक युगांडा के जोशुआ चेप्टेगी ने दिल्ली हाफ मैराथन जीती, ट्रैक से रिटायर होने के बाद उनका पहला खिताब

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : लंबी दूरी के धावक युगांडा के जोशुआ चेप्टेगी ने दिल्ली हाफ मैराथन जीत ली जो ट्रैक से रिटायर होने के बाद उनका पहला खिताब है। वहीं पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़ में मौजूदा विश्व चैंपियन और ओलंपिक चैंपियन चेप्टेगी ने 59 मिनट 46 सेकंड का समय लिया। भारत में 2014 में बेंगलुरू में हाफ मैराथन के जरिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदार्पण करने वाले चेप्टेगी उस समय दूसरे स्थान पर रहे थे। कीनिया के एलेक्स मटाटा (59 . 53) दूसरे और किपकोरिर (59.59) तीसरे स्थान पर रहे। महिला वर्ग में इथियोपिया की एलेमाडिस इयायु ने खिताब अपने नाम किया। इयायु ने एक घंटे 8 मिनट और 17 सेकंड का समय लिया। इथियोपिया की सिंथिया लिमो (1:08.27) दूसरे और टिरूये मेसफिन (1:09.42) तीसरे स्थान पर रही। एम्स दिल्ली के मेडिकल सोशल वेलफेयर अधिकारी राजीव मैखुरी ने इस मैराथन को समय 2:13.34 में पूरा किया। इसके लिए उन्हें मेडल देकर सम्मानित किया गया।

राजीव मैखुरी

सावन बरवाल और लिली दास भारतीयों में शीर्ष पर

सावन बरवाल ने (एक घंटा, दो मिनट और 46 सेकंड) और लिली दास (एक घंटा 18 मिनट और 12 सेकंड) ने क्रमशः भारतीय पुरुष और महिला वर्ग के शीर्ष खिताब जीते। पुरुष वर्ग में पुनीत यादव दूसरे और किरण तीसरे स्थान पर रहे जबकि महिला वर्ग में कविता यादव दूसरे और प्रीति तीसरे स्थान पर रही। पुरुषों और महिलाओं की रेस में पोडियम पर रहने वाली तीनों धाविकाओं को क्रमशः 27000, 20000 और 13000 अमेरिकी डॉलर मिलेंगे। भारतीय प्रतियोगियों में दोनों वर्गों में शीर्ष तीन रहने वालों को क्रमशः चार, दो और एक लाख रुपये मिलेंगे। दिल्ली हाफ मैराथन विश्व एथलेटिक्स की गोल्ड लेबल रेस है। इसकी पुरस्कार राशि 260000 डॉलर है और इसे जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया था। **–फोटो : मिहिर सिंह/नीरज**

फोरम ने शिक्षा मंत्रालय से की ईडब्ल्यूएस सीटों की मांग

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध विभागों व कॉलेजों में पिछले दो साल से सहायक प्रोफेसर के पदों पर स्थायी नियुक्ति की प्रक्रिया जारी है। अभी तक कॉलेजों में शिक्षकों के 80 फीसदी पदों को भरा जा चुका है, लेकिन शिक्षा मंत्रालय ने अभी तक ईडब्ल्यूएस सीटें डीयू के विभागों/कॉलेजों को आबंटित नहीं की है। जबकि शिक्षा मंत्रालय ने पिछले दिनों डूटा को यह आश्वासन दिया था कि डीयू में शिक्षकों के 75 फीसदी पदों पर स्थायी नियुक्ति के बाद ईडब्ल्यूएस सीटें दी जाएंगी। जबकि कॉलेजों से ईडब्ल्यूएस की सीटें कितनी बढ़ेंगी उसके आंकड़े मंगवा लिए गए। यह कहना है फोरम ऑफ एकेडेमिक्स फॉर सोशल जस्टिस के चेयरमैन डॉ. हंसराज सुमन का। डीयू में ईडब्ल्यूएस कोटे की लगभग 3000 सीटें बनती है। डीयू को जल्द से जल्द ईडब्ल्यूएस सीटों को आबंटित करें जिससे कि कॉलेजों को ईडब्ल्यूएस सीटों का लाभ मिल सके।

डूसू चुनाव परिणाम मामले में दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई आज

27 सितंबर को चुनाव हुआ था संपन्न | **चुनाव प्रचार के दौरान लिंगदोह सिफारिशों का हुआ था उल्लंघन**

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनाव के परिणामों की घोषणा पर फिलहाल दिल्ली हाई कोर्ट की तरफ से रोक लगाई गई है। इस पर अहम सुनवाई आज (सोमवार) को होनी है। जिसके बाद यह तय हो जाएगा कि कब डूसू चुनाव परिणामों की घोषणा होगी। दरअसल दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) की जिन दीवारों, दिल्ली मेट्रो स्टेशनों और सार्वजनिक क्षेत्रों में डूसू चुनाव के प्रत्याशियों व संभावित प्रत्याशियों द्वारा पोस्टर से पाट दिया गया था।

हाईकोर्ट के दखल के बाद उन सारे पोस्टर को साफ करके दीवारों की रंगाई का काम किया गया। सिर्फ कॉलेज और विश्वविद्यालय परिसर की दीवारें ही नहीं बल्कि विश्वविद्यालय के आसपास स्थित पीजी और हॉस्टल की दीवारों को भी पेंट करने का काम किया गया। कोर्ट विवि के कार्य से संतुष्ट है की नहीं। बता दें कि डूसू चुनाव 27 सितंबर को संपन्न हुए थे। अगले ही दिन यानी 28 सितंबर को रिजल्ट आना था, लेकिन लिंगदोह की सिफारिशों की उल्लंघन की वजह से हाईकोर्ट ने मतगणना पर रोक लगा दी थी। अब इस मामले पर हाईकोर्ट 21 अक्टूबर को अहम सुनवाई करने जा रहा है। माना जा रहा है कि 21 अक्टूबर को मतगणना को लेकर कोई फैसला हो जाएगा और उसके बाद रिजल्ट जारी करने की आधिकारिक तारीख की भी पुष्टि हो जाएगी।

हाईकोर्ट ने दिया था गलती सही करने का मौका

हाई कोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए वोटों की गिनती और नतीजे घोषित करने पर रोक लगा दी थी। कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा था कि जब तक सार्वजनिक संपत्तियों पर लगे उम्मीदवारों के पोस्टर, बैनर, होर्डिंग्स आदि हटा नहीं लिए जाते तब तक रिजल्ट जारी नहीं किए जाएंगे। बता दें कि दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस मनमोहन और जस्टिस तुषार राव गेडेला की पीठ ने कहा था कि चुनाव प्रक्रिया जारी रह सकती है।

21 प्रत्याशियों का भविष्य ईवीएम में बंद.. डूसू चुनाव 2024-25 के लिए अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव और संयुक्त सचिव के पद के लिए मतदान हुआ था और कुल 21

उम्मीदवार चुनावी मैदान में थे। 52 कॉलेजों के छात्रों ने वोट डाला था। अब इन 21 उम्मीदवारों की भविष्य ईवीएम में बंद है।

बम की धमकियों से एयरलाइंस को हुआ करोड़ों का नुकसान, यात्रियों में भी दहशत का माहौल

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : भारतीय एयरलाइंस को एक के बाद एक बम से जुड़ी कई धमकियां मिल चुकी हैं। सोमवार से शनिवार तक 6 दिन के भीतर 70 से ज्यादा विमानों में बम होने की चेतावनी दी गई है। इसकी वजह से कई फ्लाइटों का रूट डायवर्ट हुआ, कुछ की इमरजेंसी लैंडिंग करवाई गई और कई फ्लाइटों ने देर से उड़ान भरी। सभी एयरलाइंस ने पैसेंजर्स की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हर मुमकिन कदम उठाए। मगर यह सब करना आसान नहीं था। एयरलाइन कंपनियों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। अब सवाल यह है कि बॉम्ब की धमकी से किस एयरलाइन का सबसे ज्यादा घाटा हुआ है? कई भारतीय और विदेशी एयरलाइंस में बम की सूचना मिली थी। 70 फ्लाइट्स की इस लिस्ट में एयर इंडिया, इंडिगो, अकासा, विस्तारा और एयर एशिया समेत कई एयरलाइंस का नाम शामिल है। एक रिपोर्ट के मुताबिक बम धमाके की वजह से प्लाइट का रूट डायवर्ट होता है या इमरजेंसी लैंडिंग करवाई जाती है। ऐसे में ईंधन से लेकर लैंडिंग चार्ज, पैसेंजर्स के ठहरने का खर्चा, क्रू मेंबर्स को बदलने और एयरक्राफ्ट को नीचे उतारने में लगभग 360,000 डॉलर यानी 3 करोड़ तक का खर्चा आता है।

एयर इंडिया को मिली सबसे अधिक धमकियां... बता दें कि भारतीय एयरलाइंस में सबसे ज्यादा बम की धमकियां एयर इंडिया एक्सप्रेस को मिली हैं। एयर इंडिया एक्सप्रेस के 7 विमानों में बम होने की खबर मिली थी और एयर इंडिया के 2 विमानों में भी बम की खबर सामने आई थी। ऐसे में 9 फ्लाइट्स में बॉम्ब थ्रेट की सूचना से कंपनी को 27 करोड़ तक का नुकसान उठाना पड़ा होगा।

दूसरे नंबर पर विस्तारा का नाम... इस लिस्ट में दूसरा नाम विस्तारा एयरलाइंस का है। बम की धमकी से विस्तारा के 6 विमानों की उड़ाने प्रभावित हुई हैं। इसमें सिंगापुर, फ्रैंकफुर्ट और कोलंबो से आने वाली फ्लाइट्स भी शामिल हैं। इससे विस्तारा कंपनी को लगभग 18 करोड़ के आसपास का नुकसान होने का अनुमान है। शेयर मार्केट के मुताबिक इंडिगो देश की सबसे बड़ी एयरलाइंस है। इंडिगो की 2 इंटरनेशनल फ्लाइट समेत 5 फ्लाइटों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इससे इंडिगो को 15 करोड़ रुपयों का नुकसान हुआ होगा। अकासा एयरलाइंस की भी 5 फ्लाइट्स को बॉम्ब थ्रेट दिए गए थे। वर्तमान में बम की धमकियों से निपटने के लिए भारतीय एयरलाइंस के पास कोई सॉल्युशन मौजूद नहीं है। एयरलाइंस को वीपीएन नेटवर्क और डार्क वेब के जरिए बॉम्ब थ्रेट दिए गए थे।

राहत देने के लिए कांग्रेस दिल्ली में राजीव गांधी सेवा केन्द्र खोलेगी: यादव

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने जनता से सीधे जुड़कर उनके लिए काम करने की दिल्ली कांग्रेस नई पहल के तहत बादली विधानसभा में चार राजीव गांधी सेवा केन्द्रों का उद्घाटन किया। दिल्ली में आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार की जनता से दूरी और हर काम कराने के लिए दलालों और बिचौलियों की फौज के कारण दिल्ली की जनता परेशान है व सरकार के अंतर्गत होने वाले अपने काम नहीं करा पा रही है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार के भ्रष्टाचार के कारण 10 वर्षों से जनता बेहाल है, कांग्रेस पार्टी बादली विधानसभा की तरह प्रायोजित योजना के तहत दिल्ली भर में राजीव गांधी सेवा केन्द्रों को जनता की फ्री सेवा के लिए खोलेगी। देवेन्द्र यादव ने बादली विधानसभा में पहला राजीव गांधी सेवा केन्द्र मैन चौक, समयपुर, दूसरा वीर बाजार चौक, राणा चौक, तीसरा जहांगीरपुरी सी-965 और चौथा सेवा केन्द्र गुर्जर चौक, भलस्वा डेयरी में उदघाटन किया। यादव ने कहा कि मुझे विश्वास है कि जनससमयाओं के समाधान के लिए कांग्रेस पार्टी द्वारा बनाए गए राजीव गांधी सेवा केन्द्र क्षेत्रवासियों के लिए सहायक सिद्ध होंगे। राजीव गांधी सेवा केन्द्र के उदघाटन के मौके पर मौजूद क्षेत्रीय लोगों से कहा कि कांग्रेस पार्टी सेवा केन्द्रों के माध्यम से दिल्ली की जनता को उनके आधार कार्ड, पैन कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र सहित दिल्ली के गरीब, जरुरतमंद, प्रवासी सभी के आवश्यक दस्तावेज बनाने में मदद में हर संभव मदद करेंगे।

एमसीडी ने करवाया गलियों का निर्माण

पश्चिमी दिल्ली, (पंजाब केसरी): बवाना गांव में दिल्ली नगर-निगम द्वारा गलियों का निर्माण कराया जा रहा है। इसी क्रम में किसान भवन वाली गली व अंबेडकर चौपाल वाली गली के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। इस बारे में वार्ड 30 बवाना के निगम पार्षद एवं नरेला जोन के चैयरमेन पवन सहरावत ने बताया कि बवाना गांव में पिछले कई वर्षों से गलियों का निर्माण न होने के कारण लगभग सभी गालियां जर्जर अवस्था में है।

डीडीए के असिता पार्क में बना टेंट कैफे, जल्द होगी शुरुआत

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली के लोगों को दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) जल्द बड़ी सौगात देने जा रहा है। डीडीए ने अपने जैव विविधता पार्क असिता में लगभग 60-70 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता वाला टेंट कैफे स्थापित किया है। यह कैफे पूरी तरह से अस्थायी होगा, जिसमें यहां आने वालों को भोजन और पेय पदार्थ परोसा जाएगा।

सर्दियां की शुरुआत से पहले ही यह कैफे चालू हो जाएगा। डीडीए के अधिकारी ने बताया कि असिता एलजी द्वारा लोगों को सार्वजनिक हरित स्थानों पर बेहतर सुविधाएं दिए जाने के प्रयासों के अनुरूप यहां हर दिन बड़ी संख्या में लोग आते हैं। यमुना के बाढ़ के मैदान की पारिस्थितिकी को ध्यान में रखते हुए इस कैफे को पूरी तरह से पर्यावरण के अनुकूल सामग्री से बनाया गया है। इसको बनाने में कहीं भी कंक्रीट का इस्तेमाल नहीं किया गया है। कैफे में एक बड़ा लोहे का कंटेनर है, जिसका उपयोग रसोई के रूप में किया जाएगा। कैफे को इस तरह से डिजाइन और बनाया गया है कि मानसून के दिनों बाढ़ आने पर इसे तुरंत हटाया जा सके और पानी कम होने पर इसे फिर से स्थापित किया जा सके। यह टेंट कैफे असिता पार्क में एक टीले के ऊपर बनाया गया है, जो पार्क के सौंदर्य को और बढ़ाएगा। टेंट क्षेत्र के अंदर और बाहर अस्थायी रूप से बैठने की व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी। अधिकारी ने कहा कि असिता पार्क यमुना के बाढ़ के मैदानों में हरा-भरा क्षेत्र होने के अलावा, प्रवासी पक्षियों और सरीसृपों के लिए एक प्राकृतिक आवास के रूप में भी काम करता है। सर्दियों में असिता में प्रवासी और यहां रहने वाले पक्षियों की 70 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना संख्याः ए.जी.सी.-ई.एल.जी.-टी-22-2024-25 दिनांकः 18.10.2024

निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (सामान्य), आगरा द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु केवल ऑन लाईन (E-Tendering) द्वारा खुली निविदा आमन्त्रित की जाती है।

क्रम संख्या : 1, टेन्डर संख्या : AGC-ELG-T-22-2024-25	
कार्य का नाम लोकेशन सहित एवं कार्य पूर्ण करने की अवधि : ईदगाह-बांदीकुई खंड में बिवाई, खेरली, नदबई, हेलक और अछनेरा स्टेशनों पर कर्मचारी क्वार्टरों के सुधार के लिए विद्युतीकरण कार्य।	
कार्य की अनुमानित लागतः ₹ 44,46,196.33	**कार्य पूर्ण करने की अवधि :** 08 माह

पूरी जानकारी एवं टेन्डर में भाग लेने हेतु Indian Railways Website www.ireps.gov.in देखें। टेंडर्स केवल बेव पोर्टल Indian Railways website www.ireps.gov.in पर 15:00 बजे तक दिनांक 14.11.2024 तक टेन्डर डाल सकते है। 1828/24 (MG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

अयोध्या विवाद समाधान के लिए ईश्वर से प्रार्थना की थी : सीजेआई

पुणे, (पंजाब केसरी): देश के प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने रविवार को कहा कि उन्होंने राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद के समाधान के लिए ईश्वर से प्रार्थना की थी और कहा कि यदि आस्था हो तो ईश्वर कोई भी रास्ता निकाल देते हैं। वह खेड़ तालुका में अपने पैतृक गांव कन्हेरसर के निवासियों को संबोधित कर रहे थे, जहां उनका अभिनंदन किया गया। उन्होंने कहा, 'अक्सर हमारे पास मामले (निर्णय के लिए) आते हैं, लेकिन हम समाधान पर नहीं पहुंच पाते। अयोध्या (राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद) के दौरान भी कुछ ऐसा ही हुआ था, जो तीन महीने तक मेरे सामने था। मैं ईश्वर के सामने बैठा और उनसे कहा कि उन्हें इसका समाधान ढूंढना होगा।' प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) ने कहा, "मेरा विश्वास करें, यदि आपको भरोसा है, तो ईश्वर हमेशा कोई रास्ता निकाल देंगे।" देश के तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली उच्चतम न्यायालय की पांच-न्यायाधीशों की पीठ ने नौ नवंबर, 2019 को अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करके उस विवादास्पद मुद्दे का निपटारा किया था जो एक सदी से भी अधिक पुराना था। पीठ ने यह भी फैसला दिया था कि अयोध्या में ही वैकल्पिक पांच एकड़ के भूखंड पर मस्जिद बनाई जाएगी।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ऐतिहासिक फैसला सुनाने वाली पीठ का हिस्सा थे। प्रधान न्यायाधीश इस वर्ष जुलाई में अयोध्या में राम मंदिर गये थे और पूजा-अर्चना की थी। राम मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह इस वर्ष 22 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में आयोजित हुआ था।

ईपीएफओ के नए सदस्यों की संख्या 18.53 लाख हुई

नई दिल्ली,(पंजाब केसरी) सेवानिवृत्ति कोष निकाय ईपीएफओ के नए सदस्यों की संख्या अगस्त में सालाना आधार पर 9.07 प्रतिशत बढ़कर 18.53 लाख हो गई है। रविवार को जारी पेरोल आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। श्रम मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि ईपीएफओ ने अगस्त 2024 में लगभग 9.30 लाख नए सदस्यों को जोड़ा, जो अगस्त, 2023 से 0.48 प्रतिशत की वृद्धि है।

इसमें कहा गया है कि नए सदस्यों में यह उछाल रोजगार के बढ़ते अवसरों, कर्मचारी लाभों के बारे में बढ़ती जागरूकता और ईपीएफओ के सफल पहुंच कार्यक्रमों के कारण है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) द्वारा जारी अगस्त, 2024 के अस्थायी पेरोल आंकड़ों के अनुसार, अगस्त 2024 में 18.53 लाख सदस्यों की शुद्ध वृद्धि हुई, जो सालाना 9.07 प्रतिशत की वृद्धि है।

आंकड़ों का एक उल्लेखनीय पहलू 18-25 आयु वर्ग का प्रभुत्व है, जो अगस्त, 2024 में कुल नए सदस्य जुड़ने का 59.26 प्रतिशत है।

अर्थजगत

त्योहारी मांग से खाद्य तेलों में तेजी, चीनी-गुड़ महंगा

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): विदेशी बाजारों में गिरावट के बावजूद स्थानीय स्तर पर त्योहारी मांग बरकरार रहने से बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में 620 रुपये प्रति क्विंटल तक की तेजी रही जबकि दाल-दलहन में मिलाजुला रुख रहा वहीं चीनी और गुड़ के भाव चढ़ गए।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का नवंबर वायदा सप्ताहांत पर 133 रिंगिट लुढ़ककर 4317 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। इसी तरह नवंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 1.36 सेंट की गिरावट के साथ 42.53 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

इस दौरान सरसों तेल 620 रुपये, सूरजमुखी तेल 72 रुपये, सोया रिफाइंड 147 रुपये, पाम ऑयल 366 रुपये और वनस्पति तेल 182 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हो गया। वहीं, मूंगफली तेल में 18 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट रही। सप्ताहांत पर सरसों तेल 16116 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल 18314 रुपये प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 14358 रुपये प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 15018 रुपये प्रति क्विंटल, पाम ऑयल 12454 रुपये प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 15677 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा।

दाल-दलहन : बीते सप्ताह दाल-दलहन बाजार में मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान चना 150 रुपये और दाल चना 150 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हो गई जबकि मसूर दाल 200 रुपये, उड़द दाल 100 रुपये और अरहर दाल 100 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गई। वहीं, मूंग दाल के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

सप्ताहांत पर चना 7650-7750, दाल चना 8650-8750, मसूर काली 7650-7750, मूंग दाल 9500-9600, उड़द दाल 10700-10800, अरहर दाल 10500-10600 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

अनाज : अनाज मंडी में टिकाव रहा। इस दौरान गेहूं और चावल के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़ रहे। इस दौरान (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2700-2800 रुपये और चावल 2900-3000 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

चीनी-गुड़ : बीते सप्ताह मीठे के बाजार में तेजी रही। इस दौरान चीनी 50 रुपये और गुड़ के भाव 200 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गए।

साप्ताहांत पर चीनी एस 3590-3690, चीनी एम। 4250-4350, मिल डिलीवरी 3470-3570 और गुड़ 4800-4900 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये।

कल क्या होगा?

नई दिल्ली (एनएनएस) मंगलवार कार्तिक बदी षष्ठी को मसूर, उड़द, तुअर, गेहूं, जौ, जई, ग्वार, ग्वार गम, बाजरा, तिल, देशी चना, मोठ, मटर, चीनी, लौंग, अमचूर, मखाना, हल्दी, इमली, कालीमिर्च, रीठा, टिटेनियम डाइऑक्साइड, धनिया, कलौंजी, चिरौंजी, जावित्री, गुड़, पारा, सीसा, निकिल, कॉपर, सोयाबीन, सरसों, बिनौला एवं इनके तेल, अड़दी तेल में लाभ तथा बासमती चावल, राजमा चित्रा, काबुली चना, अजवायन, मक्की, जावित्री, जायफल, पोस्तादाना, जीरा, मगज तरबूज, किशमिश, राई, दालचीनी, कपास, मोम, मैंथा ऑयल, सोडाश, टिन, निकिल, कॉपर, पीतल में हानि हो सकती है। भाग्यांक 1-2-8-9 है। यात्रा विचार- दक्षिण दिशा की ओर 11.07 बजे पूर्वाहन के बाद यात्रा शुभ होगी।

उड़ान योजना से एविएशन क्षेत्र में आया बड़ा बदलाव

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) योजना से देश के एविएशन क्षेत्र में बड़ा बदलाव आया है। इस योजना के कारण देश में एयरपोर्ट की संख्या दोगुनी होकर 157 हो गई है, जो कि 2014 में 74 थी। सरकार का लक्ष्य 2047 तक इसे बढ़ाकर 350 से 400 करना है। यह जानकारी केंद्र सरकार की ओर से रविवार को दी गई। बीते एक दशक में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या दोगुनी हुई है। भारतीय एयरलाइंस की ओर से भी अपनी फ्लीट को बढ़ाया जा रहा है।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय (एमओसीए) की ओर से कहा गया कि 'उड़ान' का उद्देश्य रीजनल एयर कनेक्टिविटी को बढ़ाना है। किफायती दामों पर ऐसी जगह सर्विसेज उपलब्ध कराना है, जहां उड़ान सेवाएं कम हैं या फिर उपलब्ध नहीं हैं।

खैरात नहीं यह लोगों का हक है : सुक्खू

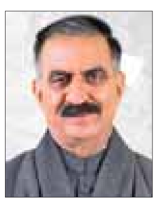

शिमला, (विक्रांत सूद): मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने आज जिला हमीरपुर के नादौन विधानसभा क्षेत्र के जोल सप्पड़ में डॉ राधाकृष्णन राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय के नए परिसर में सभागार की आधारशिला रखी। सभागार का निर्माण 37 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। उन्होंने महाविद्यालय में प्रधानाचार्य आवास की आधारशिला भी रखी। मुख्यमंत्री ने चिकित्सा महाविद्यालय के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया और प्रशासन को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि 31 मार्च 2026 तक चिकित्सा महाविद्यालय का निर्माण पूरा करने का लक्ष्य है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार विकास परियोजनाओं के लिए उचित बजट आवंटन सुनिश्चित कर रही है और बजट आवंटन के बाद ही सभी शिलान्यास किए जा रहे हैं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने नेता प्रतिपक्ष द्वारा की जा रही बेतुकी और आधारहीन बयानबाजी की आलोचना की। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश भारत के संघीय ढांचे का अभिन्न अंग है और केंद्र सरकार राज्य के लोगों से कर वसूल करती है जिसमें हिमाचल प्रदेश को उसका हिस्सा मिलता है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार कोई खैरात नहीं बांट रही बल्कि यह प्रदेश के लोगों का हक है।

सड़क हादसे में आठ बच्चों सहित 12 की मौत

● पीड़ित एक ही परिवार के थे और शादी समारोह से लौट रहे थे, प्रधानमंत्री ने संवेदना व्यक्त की

जयपुर, (पंजाब केसरी): राजस्थान के धौलपुर जिले के बाडी थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात बस और टेंपो के बीच हुई टक्कर में आठ बच्चों समेत 12 लोगों की मौत हो गई और एक बच्चा घायल हो गया।

बाडी थानाधिकारी शिवलहरी मीणा ने बताया कि हादसा उस समय हुआ जब ग्वालियर से जयपुर जा रही तेज रफ्तार स्लीपर कोच बस ने सुमीपुर के पास टेंपो को टक्कर मार दी। यह दुर्घटना धौलपुर जिले में करौली-धौलपुर राजमार्ग पर हुई।

उन्होंने बताया कि हादसे में एक दंपति और आठ बच्चों समेत 12 लोगों की मौत हो गई। पीड़ित एक ही परिवार के थे और शादी समारोह से लौट रहे थे।

मीणा ने बताया कि मृतकों की पहचान इरफान उर्फ बंटी (38), उसकी पत्नी जूली (34), बेटी आसमा (14), बेटा सलमान (8), परवीन (32), जरीना (35), शाकिर (6), सनीफ (9), अजान (5), आशियाना (10), सूफी (7) और दानिश (10) के रूप में हुई है।

वे बाड़ी के करीम गुमवत कॉलोनी के निवासी थे और बरौली गांव में आयोजित कार्यक्रम से घर लौट रहे थे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. हरि किशन ने बताया कि घायलों को अस्पताल ले जाया गया, जहां 11 लोगों को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि एक की मौत जिला अस्पताल में उपचार के दौरान हुई।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सड़क हादसे में 12 लोगों की मौत पर रविवार को दुख जताया और पीड़ित परिवारों के लिए अनुग्रह राशि की घोषणा की। मोदी ने प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने "एक्स" अकाउंट पर कहा, राजस्थान के धौलपुर में हुआ हादसा हृदयविदारक है। इसमें मासूम बच्चों सहित जान गंवाने वालों के शोकाकुल परिजनों के प्रति मेरी संवेदनाएं। ईश्वर उन्हें इस पीड़ा को सहने की शक्ति प्रदान करे।

इसके साथ ही मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

जमीन को लेकर बेटे ने कर दी पिता की हत्या

उन्नाव, (पंजाब केसरी) : उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में रिश्तों को शर्मसार करने वाली एक घटना प्रकाश में आयी है जहां जमीन को लेकर एक बेटे ने अपने पिता की हत्या कर दी है। उन्नाव जिले के अजगैन कोतवाली क्षेत्र के भांडी गांव में एक बेटे द्वारा जमीन को लेकर अपने पिता की हत्या कर दी गई है। अपर पुलिस अधीक्षक प्रेम चंद, ने बताया भांडी गांव निवासी 92 वर्षीय शिवनारायण दीक्षित, जिनके पांच बेटे हैं, को उनके छोटे बेटे संदीप ने अपने हिस्से की जमीन के विवाद के चलते ईंट से वार कर मार डाला। उन्होंने बताया घटना के बाद संदीप ने पुलिस को सूचित किया और बड़ भाई पर हत्या का आरोप लगाया था।

सांसद जिंदल की भतीजी वसुंधरा युगांडा जेल में बंद

लुधियाना, (पंजाब केसरी): हरियाणा के कुरुक्षेत्र से BJP सांसद नवीन जिंदल की पत्नी शालू जिंदल की भतीजी और पंजाब के ओसवाल ग्रुप के मालिक पंकज ओसवाल की बेटी वसुंधरा 3 अक्टूबर से युगांडा की जेल में बंद है। वसुंधरा पर करोड़ों रुपए की हेराफेरी का आरोप है।

पंकज ओसवाल पिछले 17 दिनों से बेटी को ढूंढ रहे थे। परिवार ने बेटी को अवैध हिरासत में रखने के आरोप लगाए थे। पारिवारिक सूत्रों का कहना है कि पंकज ने भारत सरकार के अलावा यूनाइटेड नेशंस वर्किंग ग्रुप से मदद मांगी थी।

मामला सामने आने के बाद युगांडा सरकार ने वसुंधरा को कानूनी सहायता देने का भरोसा दिया है। वसुंधरा मंगलवार (22 अक्टूबर) तक जेल से बाहर आ सकती है। युगांडा में रह रहे भारतीयों को मीडिया रिपोर्ट्स से जब वसुंधरा के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने और गैरकानूनी ढंग से हिरासत में रखे जाने के बारे में पता चला तो उन्होंने वहां के प्रधानमंत्री से संपर्क साधने की कोशिश की। उन्होंने सरकार से वसुंधरा के बारे में डिटेल मांगी। जिसके बाद युगांडा सरकार की तरफ से भारत सरकार को बताया कि वसुंधरा युगांडा के कपाला शहर की नाकासोंगोला जेल मे बंद है।

बंबीहा-कौशल गिरोह के पांच गुर्गे गिरफ्तार

● पुलिस ने आठ पिस्तौल और एक रिवॉल्वर समेत नौ हथियार और 15 जिंदा कारतूस भी बरामद किए हैं

चंडीगढ़, (पंजाब केसरी): पंजाब पुलिस ने रविवार को कहा कि उसने बंबीहा-कौशल गिरोह के पांच प्रमुख गुर्गों की गिरफ्तारी के साथ तीन संभावित लक्षित हत्याओं को विफल कर दिया है।

पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने कहा कि गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान जालंधर के गांव बोपाराय कलां के जसप्रीत सिंह उर्फ जस्सा, होशियारपुर के गांव गैराज महदूद के हर्षदीप सिंह, तरनतारन के गांव मुरादपुर के शेखर, जालंधर के न्यू मॉडल हाउस के गगनदीप सिंह उर्फ गिन्नी बाजवा और जालंधर के गांव बाम्बियां वाल के अमित सहोता के रूप में हुई है।

पुलिस ने उनके कब्जे से आठ पिस्तौल और एक रिवॉल्वर समेत नौ हथियार और 15 जिंदा कारतूस भी बरामद किए हैं। डीजीपी यादव ने कहा कि आरोपी पंजाब के कई जिलों में जबरन वसूली, हत्या और हथियारों की तस्करी समेत कई गंभीर अपराधों में शामिल रहे हैं। उन्होंने बताया कि इन आरोपियों के खिलाफ पहले ही कई मामले दर्ज किए जा चुके हैं। डीजीपी ने कहा कि उनके व्यापक नेटवर्क का पता लगाने और गिरोह को पूरी तरह से खत्म करने के लिए आगे की जांच जारी है।अभियान का विवरण साझा करते हुए, पुलिस आयुक्त स्वप्न शर्मा ने कहा कि बंबीहा-कौशल गिरोह के सदस्यों के राज्य में एक बड़ी आपराधिक गतिविधि की साजिश रचने की सूचना मिली थी।

डीएम ने आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों को किया सम्मानित

नोएडा, (पंजाब केसरी) : रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (फोनरवा) की वार्षिक आम बैठक रविवार को सेक्टर-52 स्थित फोनरवा कार्यालय में हुई। आम बैठक के बाद डीएम के साथ फोनरवा और विभिन्न आरडब्ल्यूए की बैठक हुई। इस दौरान डीएम ने आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों और सदस्यों को समुदाय के प्रति उनकी समर्पित और निस्वार्थ सेवाओं के लिए सम्मानित किया।फोनरवा की आम बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा ने की। बैठक के दौरान महासचिव केके जैन ने पिछले वर्ष की गतिविधियों और उपलब्धियों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि 7 जनवरी 2024 को वर्तमान कार्यकारिणी का चुनाव दो वर्ष के कार्यकाल के लिए किया गया है।

महाकुंभ 2025 के दौरान कोई भी श्रद्धालु नहीं सोएगा भूखा

● मुफ्त राशन उपलब्ध कराएगी योगी सरकार

प्रयागराज, (पंजाब केसरी): उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में होने जा रहे महाकुंभ 2025 के दौरान यहां आने वाला कोई भी श्रद्धालु, कल्पवासी भूखे पेट नहीं सोएगा। योगी सरकार की ओर से इसके लिए मेला क्षेत्र में व्यापक तैयारियां की गई हैं। पूरे मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं के लिए भंडारों का तो आयोजन किया ही जाएगा। साथ ही उन्हें मुफ्त राशन की सुविधा का भी लाभ मिलेगा। कई-कई दिनों तक महाकुंभ में रहने वाले कल्पवासियों और श्रद्धालुओं के राशन कार्ड बनाए जाएंगे और उन्हें राशन की सुविधा प्राप्त होगी। पहले से राशन कार्ड धारण करने वालों को भी राशन कार्ड दिखाने पर राशन प्रदान किया जाएगा। इसके लिए खाद्य एवं रसद विभाग द्वारा पूरे मेला क्षेत्र के सभी सेक्टर्स में कुल 160 उचित दर वाली राशन की दुकानों की स्थापना की जाएगी, जहां से दो बार (जनवरी-फरवरी) में राशन प्रदान किया जाएगा। राशन के भंडारण के लिए 5 गोदाम भी स्थापित होंगे। इस पूरी परियोजना पर 43 करोड़ से ज्यादा की धनराशि खर्च की जाएगी। एडीएम मेला विवेक चतुर्वेदी के अनुसार, महाकुंभ के दौरान कई ऐसे श्रद्धालु आते हैं, जो कई-कई दिनों तक मेला में प्रवास करते हैं। इन्हें कल्पवासी कहा जाता है। ये अपना भोजन स्वयं पकाते हैं। इनकी सुविधा के लिए खाद्य एवं रसद विभाग की ओर से पूरे मेला क्षेत्र के सभी सेक्टर्स में उचित दर वाली कुल 160 राशन की दुकानें स्थापित की जा रही हैं।

महाराष्ट्र में भाजपा को जीत दिलाने के लिए सक्रिय हुआ संघ

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में सिर्फ एक महीने का समय बचा है, ऐसे में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले गठबंधन के पक्ष में जनमत तैयार करने के लिए बड़े पैमाने पर संपर्क कार्यक्रम शुरू किए हैं। सूत्रों ने बताया कि संघ ने अपने सभी सहयोगी संगठनों के साथ समन्वय कर लोगों से बातचीत करना शुरू कर दिया है। ''पूरे राज्य में टोलियां बनाई गई हैं और उन्होंने अपने-अपने इलाकों में लोगों तक संदेश पहुंचाना शुरू कर दिया है।''

मेकाथलॉन में छात्रों ने अपने कौशल का प्रदर्शन किया

मुंबई, (पंजाब केसरी) : मुंबई सिटी संस्करण मेकाथलॉन 2024, द्वारा आयोजित एक प्रमुख स्टेम उत्सव राष्ट्रमंडल युवा परिषद, राष्ट्रमंडल छात्र संघ और सतत विकास के लिए वैश्विक समझ (जीयूएसडी)के सहयोग से, एक शानदार सफलता थी। 8 वर्ष से 18 वर्ष आयु वर्ग के 2000 से अधिक छात्र रोबोटिक्स और सतत विकास परियोजनाओं में अपने कौशल और नवीनता का प्रदर्शन किया। श्लोक श्रीवास्तव, ऑर्किड इंटरनेशनल स्कूल में ऑर्किड करियर फाउंडेशन प्रोग्राम (ओसीएफपी) के प्रमुख ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा,,"मेकाथलॉन 2024 मुंबई संस्करण के दौरान विकसित की गई नवीन परियोजनाओं ने एसटीईएम शिक्षा और नवीन सोच के बीच अविश्वसनीय तालमेल का प्रदर्शन किया।

पंजाब के होशियारपुर में एक व्यक्ति और उसके बेटे की गोली मारकर हत्या

होशियारपुर, (पंजाब केसरी) पंजाब के होशियारपुर जिले में रविवार की शाम यहां एक गांव में स्थित स्वास्थ्य केंद्र के बाहर दो अज्ञात मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने एक व्यक्ति और उसके बेटे की हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि तलवंडी अराईयां निवासी कश्मीरी लाल अपने बेटे अमरजीत सिंह के साथ अपनी पुत्रवधू से मिलने के लिए चकोवाल ब्राह्मणा गांव के सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्र गए थे। यहां उनकी पुत्रवधू ने एक बच्चे को जन्म दिया था। उन्होंने बताया कि जब वे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से बाहर निकले तो मोटरसाइकिल पर सवार दो लोग आए और उन पर गोलियां चला दीं।

मुंबई में दिखी ओडिशा के औद्योगिक विकास की झलक

मुंबई, (पंजाब केसरी) :ओडिशा की औद्योगिक विकास और निवेश की महत्वाकांक्षी योजनाओं पर मुंबई में हुए सफल रोड शो में प्रकाश डाला गया। ओडिशा की बढ़ती औद्योगिक ताकत पर विचार करते हुए, माननीय मुख्यमंत्री श्री मोहन चरण माझी ने कहा, "ओडिशा अपने व्यापार-अनुकूल वातावरण के साथ अपार अवसर प्रदान करता है जो ब्रेप 2022 में मान्यता के माध्यम से प्रदर्शित होता है। सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम और जीओ -स्विफ्ट जैसी पहलों के साथ, हमारा राज्य सुव्यवस्थित निवेश प्रक्रियाओं को सुनिश्चित करता है। भारत के पूर्वी तट पर इसका रणनीतिक स्थान, मज़बूत इन्फ्रास्ट्रक्चर और वैश्विक बाज़ारों तक पहुंच ने ओडिशा को औद्योगिक विकास का केंद्र बनाया है।

सलमान खान ने कहा, जीवन के अहम दौर से गुजर रहा हूं

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): राकांपा नेता और अपने करीबी दोस्त बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद अपनी पहली सार्वजनिक टिप्पणी में बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान ने कहा कि उन्हें 'बिग बॉस 18' के प्रतियोगियों के बीच झगड़े को ऐसे समय में संभालना पड़ रहा है जब वह अपने जीवन के एक अहम दौर से गुजर रहे हैं।'बिग बॉस 18' के शनिवार के 'वीकेंड का वार' एपिसोड में खान ने कहा कि वह लोकप्रिय रियलिटी शो के सेट पर नहीं आना चाहते थे। खान को यह कहते हुए देखा जा सकता है, ''यार, कसम खुदा की, मैं अपनी जिंदगी में किन हालातों से गुजर रहा हूं और मुझे आकर ये सब संभालना है।

नायब शिकायतों की खुद करेंगे मॉनिटरिंग

चंडीगढ़/गुरुग्राम, (पंजाब केसरी): शपथ ग्रहण करने के बाद ही सीएम नायब सैनी एक्शन मोड में आ चुके हैं। शपथ ग्रहण के साथ ही 24 हजार युवाओं को जॉइनिंग लेटर जारी करने के बाद उन्होंने जनहित में एक और बड़ा कदम उठा दिया है। अब शहरी नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए विशेष तौर पर समाधान शिविर आयोजित किए जाएंगे।

खास बात यह है कि इन समाधान शिविरों में आने वाली शिकायतों की मॉनिटरिंग खुद मुख्यमंत्री नायक सिंह सैनी करेंगे। सीएम के फैसले के बाद प्रॉपर्टी आईडी में डिफॉल्ट झेल रहे शहरों में बसने वाले लाखों नागरिकों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। इसके साथ ही सीवर जाम, जलभराव, टूटी सड़कें, कूड़ा उठान, साफ सफाई से संबंधित शिकायतों का भी टार्बेट निपटारा हो सकेगा। काबिले गौर है कि प्रदेश में प्रॉपर्टी आईडी को लेकर शहरी नागरिकों को खासी परेशानी उठानी पड़ी है। पूरे प्रदेश में 40 लाख से अधिक शहरी नागरिक प्रॉपर्टी आईडी में त्रुटियों को लेकर परेशान हैं। हालांकि शहरी स्थानीय निकाय विभाग की ओर से इस समस्या के समाधान के प्रयास किए गए, लेकिन कुछ अधिकारियों और कर्मचारियों की मनमानी तथा भ्रष्टाचार इन प्रयासों को पलीता लगाते रहे।

प्रॉपर्टी आईडी के साथ ही रोजमर्रा की समस्याओं से भी लोगों को हर दिन दो-चार होना पड़ता है। लोगों की यही शिकायत है कि समस्याओं की शिकायत बार-बार करने के बाद भी अधिकारी उन पर ध्यान नहीं देते। जिस कारण समस्या दिनों दिन बढ़ रही है। गुरुग्राम की ही बात करें तो पूरे गुरुग्राम में करीब 5:30 लाख प्रॉपर्टी आईडी है। इनमें से 80 फीसदी प्रॉपर्टी आईडी डिफॉल्ट है। लोग प्रॉपर्टी आईडी ठीक करने के लिए नगर निगम के चक्कर कटते हैं। प्रॉपर्टी आईडी ठीक करने के नाम पर लोगों से मोटी वसूली की जा रही है। बताया जाता है कि यही हाल पूरे प्रदेश का है।

हम एम्स ब्रांड को कमजोर नहीं होने देंगे : नड्डा

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी.नड्डा ने रविवार को कहा कि वह नये अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थानों (एम्स) में पढ़ाई और शिक्षण कर्मियों की गुणवत्ता में कोई कमी नहीं आने देंगे और इस ब्रांड की रक्षा करेंगे। नड्डा ने दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में सेवाएं दे रहे बिहार और झारखंड के चिकित्सकों के मंच द्वारा आयोजित बीजेएमएफकॉन-2024 को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली एम्स की स्थापना 60 के दशक में हुई और 80 के दशक में ही यह एक ब्रांड के रूप में उभर पाया।

उन्होंने कहा, "किसी भी संस्थान को विकास करने और पूरी क्षमता से काम करने में 10 से 20 साल का समय लगता है। मैं एम्स के मानकों को कमजोर नहीं होने दूंगा और ब्रांड नाम की रक्षा करूंगा।" नड्डा ने कहा कि शिक्षण कर्मियों की भर्ती में कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि एम्स-दरभंगा के लिए जल्द ही भूमिपूजन समारोह आयोजित किया जाएगा और एम्स-देवघर का काम शुरू हो चुका है और कर्मियों की भर्ती प्रक्रिया चल रही है।

12 राशियां और आपका दिन

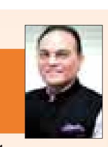

Forecast for 21 October, 2024
By: Dr. Prem Kumar Sharma
(Astrologer, Palmist, Numerologist & Vastu Consultant)
Email: psharma@premastrologer.com,
Url: http://www.premastrologer.com
Contact: Panchkula: +91-172-2562832, 2572874
Delhi: +91-11-47033152/40532026

मेष ARIES (21 मार्च- 20 अप्रैल) एक्सरसाइज़ से फिटनेस हासिल करने में हेल्प होगी। धनलाभ होने पर सेविंग्स पर भी ध्यान दें। कुछ नई प्रोफेशनल स्किल्स सीख सकते हैं। छुट्टियां मनाने के लिए मजेदार डेस्टिनेशन सिलेक्ट करेंगे।
लकी नंबर- 22, लकी कलर- स्काई ब्लू

वृषभ TAURUS (21 अप्रैल- 20 मई) छुट्टियों पर जाने से हेल्थ पर पॉजिटिव असर होगा। उधार लिया पैसा चुकाने में कोई दिक्कत नहीं होगी। वर्क प्लेस पर दूसरों को मदद के लिए मना मत करें।
लकी नंबर- 9, लकी कलर- ब्राउन

मिथुन GEMINI (21 मई- 21 जून) हेल्थ फ्रंट पर लिए गए स्टेप्स से लाभ होगा। आर्थिक स्थिति फिलहाल सामान्य बनी रहेगी। वर्कप्लेस पर सहकर्मी के साथ विवाद हो सकता है। घर के शांत वातावरण को एन्जॉय करेंगे।
लकी नंबर- 2, लकी कलर- व्हाइट

कर्क CANCER (22 जून- 22 जुलाई) अस्पताल में भर्ती लोगों को छुट्टी मिल सकती है। फाइनेंशियल फ्रंट पर भाग्य आपका साथ देगा। वर्कप्लेस पर लापरवाही के कारण गलतियां हो सकती हैं।
लकी नंबर- 1, लकी कलर- गोल्डन

सिंह LEO (23 जुलाई- 23 अगस्त) अच्छी शेप पाने में सफलता मिलेगी। इन्वेस्टमेंट में उम्मीद के मुताबिक रिटर्न नहीं मिलेगा। ऑफिस का काम घर पर न लेकर आए। फैमिली मेंबर के साथ चल रही अनबन दूर होगी।
लकी नंबर- 5, लकी कलर- ग्रीन

कन्या VIRGO (24 अगस्त- 23 सितंबर) दोस्त की दी सलाह स्वास्थ्य के मामले में काम आएगी। सामाजिक कार्यों के लिए फंड इकट्ठा करना चुनौती पूर्ण होगा। मन लगाकर काम करने से काफी टास्क निपटा लेंगे। आउटिंग के दौरान अधिक खर्चा हो सकता है।
लकी नंबर- 3, लकी कलर- येलो

तुला LIBRA (24 सितंबर- 23 अक्टूबर) फिट और एक्टिव रहने के लिए हेल्दी फूड ही खाएं। इनकम में थोड़ा उतार-चढ़ाव संभव है। वर्कप्लेस पर झगड़े के कारण मूड खराब हो सकता है।
लकी नंबर- 4, लकी कलर- मैरून

वृश्चिक SCORPIO (24 अक्टूबर-22 नवंबर) रेगुलर एक्सरसाइज़ करना हेल्थ के लिए अच्छा होगा। अतिरिक्त खर्चों पर लगाम लगाने की जरूरत है। वर्कप्लेस पर भाग्य आपके पक्ष में रहेगा।
लकी नंबर- 6, लकी कलर- ऑरेंज

धनु SAGITTARIUS (23 नवंबर- 21 दिसंबर) वजन कम करने से अच्छी हेल्थ एन्जॉय करेंगे। लोन चुकाने के लिए अतिरिक्त पैसों की जरूरत पड़ सकती है। बिज़नेस डील से बड़ा मुनाफा होने की उम्मीद है।
लकी नंबर- 7, लकी कलर- सिल्वर

मकर CAPRICORN (22 दिसंबर-21 जनवरी) रेगुलर वर्कआउट से स्वास्थ्य अच्छा बना रहेगा। बाहर खाना खाते समय क्वालिटी से समझौता न करें। हॉस्पिटैलिटी सेक्टर से जुड़े लोगों के लिए दिन शुभ है।
लकी नंबर- 17, लकी कलर- सैफ्रॉन

कुंभ AQUARIUS (22 जनवरी- 19 फरवरी) परफेक्ट हेल्थ पाने के लिए मेहनत करनी होगी। पेमेंट मिलने में थोड़ा समय लग सकता है। ऑफिस में सीनियर्स के मुताबिक काम नहीं कर पाएंगे। नई जगह पर नए लोगों से मुलाकात संभव है। होममेकर्स के लिए दिन थोड़ा बोरिंग साबित होगा।
लकी नंबर- 18, लकी कलर- मैजेंटा

मीन PISCES (20 फरवरी- 20 मार्च) रेगुलर रूटीन फॉलो करने से फिट और एनर्जेटिक रहेंगे। नया काम शुरू करने से पहले आर्थिक स्थिति पर भी ध्यान दें। अधूरे टास्क की वजह से ऑफिस में ज्यादा व्यस्त रहेंगे। होममेकर्स अपने सभी कामों को पूरा अवश्य करें।
लकी नंबर- 3, लकी कलर- बेज

ईशावास्यमिदं सर्वं यत्किञ्च जगत्यां जगत्

भगवान इस जग के कण-कण में विद्यमान हैं।

पंजाब केसरी संपादकीय

संस्थापक: शहीद शिरोमणि लाला जगतनारायण जी, अमर शहीद रमेश चन्द्र जी एवं कलम के योद्धा अश्विनी कुमार जी

सर्वोच्च 'जनता की अदालत'

भारत के लोकतन्त्र में न्यायपालिका की भूमिका को हमारे संविधान निर्माताओं ने इस प्रकार निरुपित किया कि यह सरकार का अंग न होकर स्वतन्त्र रूप से देश में संविधान के शासन की गारंटी करती रहे। आजादी के बाद से हमारी न्यायपालिका यही भूमिका बहुत सफलता के साथ निभा रही है। इसमें सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण रही है क्योंकि यह समय-समय पर सरकारी फैसलों की समीक्षा संविधान की भावना के अनुरूप जनहित की रोशनी में करता रहा है परन्तु इसका मतलब यह नहीं है कि सर्वोच्च न्यायालय संसद की भूमिका में आ जाये और उसमें भी विपक्ष की भूमिका निभाने लगे। न्यायालयों को किसी भी मुद्दे पर जन अवधारणाओं से निरपेक्ष रहते हुए संविधान की रुह के मुताबिक ही फैसला करना होता है। अत: भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी.वाई. चन्द्रचूड़ का यह कहना पूरी तरह सामयिक है कि सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका जनता की अदालत के रूप में निर्दिष्ट रहनी चाहिए और इसका यह स्वरूप भविष्य के लिए भी संरक्षित रहना चाहिए। सामान्य नागरिक के लिए भी सर्वोच्च न्यायालय के दरवाजे खुले रहते हैं और उसे न्याय मिलता है, यह अवधारणा भी स्थायी रहनी चाहिए जिसे विकसित करने में पिछले 75 साल लगे हैं। इस दिशा को हमें कभी भी भूलना नहीं चाहिए।

सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका को केवल इसके फैसलों के आधार पर नहीं परखा जा सकता बल्कि उसके काम के आधार पर ही परखा जा सकता है। क्योंकि अदालत में न्यायाधीश प्रत्येक मुकदमे का फैसला गुण-दोष के आधार पर करते हैं और जिस तरफ भी पलड़ा झुकता है वही फैसले में तब्दील होता है। इसके बावजूद न्यायालयों के फैसले की आलोचना की जा सकती है मगर दिक्कत तब आती है जब कुछ लोग फैसला उनके पक्ष में आने पर सर्वोच्च न्यायालय की तारीफ करने लगते हैं और कहने लगते हैं कि न्यायालय एक विशेष दिशा की तरफ जा रहा है मगर जब फैसला उनके विरुद्ध आता है तो वे लोग ही न्यायालय की बखियां उधेड़ना शुरू कर देते हैं।

श्री चन्द्रचूड़ के मतानुसार समाज बदलता रहता है और इसका उत्तरोत्तर विकास होता रहता है। इसमें समृद्धि आती रहती है अत: सर्वोच्च न्यायालय को केवल बड़े दर्जे के मुकदमों पर ही निगाह नहीं रखनी चाहिए बल्कि सामान्य समझे जाने वाले मामलों पर भी निगाह रखनी चाहिए। क्योंकि हमारे न्यायालय जनता के न्यायालय हैं। अत: इसका यह स्वरूप बरकरार रहना चाहिए। न्यायमूर्ति चन्द्रचूड़ ने ये उद्गार प्रकट करके साफ कर दिया है कि लोकतन्त्र में कोई भी संवैधानिक संस्थान अभिजात्य नहीं होता विशेषकर न्यायपालिका, क्योंकि इसे अन्तत: जनता के हितों की रक्षा ही करनी होती है परन्तु न्यायपालिका संसद में विपक्ष की तरह की भूमिका में कभी नहीं आ सकती। अत: जब फैसला किसी के पक्ष में आता है तो कुछ लोग न्यायपालिका की तारीफ करने लगते हैं और जब उनकी अपेक्षाओं के विरुद्ध आता है तो वे ही लोग उसकी कटु आलोचना करने लगते हैं। समाज में इस तरह के विभाजन को उचित नहीं कहा जा सकता क्योंकि न्यायालय को अपना फैसला विधि के अनुसार ही करना पड़ता है। सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका को केवल इसके फैसलों के आधार पर नहीं परखा जा सकता बल्कि उसके काम के आधार पर ही परखा जा सकता है। क्योंकि अदालत में न्यायाधीश प्रत्येक मुकदमे का फैसला गुण-दोष के आधार पर करते हैं और जिस तरफ भी पलड़ा झुकता है वही फैसले में तब्दील होता है। इसके बावजूद न्यायालयों के फैसले की आलोचना की जा सकती है मगर दिक्कत तब आती है जब कुछ लोग फैसला उनके पक्ष में आने पर सर्वोच्च न्यायालय की तारीफ करने लगते हैं और कहने लगते हैं कि न्यायालय एक विशेष दिशा की तरफ जा रहा है मगर जब फैसला उनके विरुद्ध आता है तो वे लोग ही न्यायालय की बखियां उधेड़ना शुरू कर देते हैं। किसी भी मुकदमे का फैसला न्यायाधीश पूरी तरह स्वतन्त्र रहते हुए देते हैं जिसका हमेशा सम्मान किया जाना चाहिए। उनका फैसला किसी के पक्ष में या विरुद्ध आ सकता है। सारे फैसले कानूनी स्थिति को देख कर ही होते हैं। अत: जब इस शर्त को लागू करते हुए हम फैसलों की समीक्षा करेंगे तो न्यायपालिका की भूमिका का सही आंकलन करेंगे और इसके भविष्य को सुरक्षित रखेंगे।

न्यायालय अपने समक्ष पेश किये गये तथ्यों के अनुसार ही कानून दायरे में फैसला सुनाते हैं फिर यह फैसला किसी भी पक्ष की तरफ हो सकता है। मुख्य न्यायाधीश ने सर्वोच्च अदालत की कार्यवाही सीधे टीवी चैनल पर दिखाये जाने पक्ष में अपना मत प्रकट किया है। उनका कहना है कि अदालत की कार्यवाही का सीधा प्रसारण होने से आम लोगों को पता चलेगा कि यह किस तरह काम करती है। इससे आम जनता कानूनी दांव-पेंचों और इन्हें खेलने वाले वकीलों व न्यायाधीशों के बारे में ज्यादा से ज्यादा शिक्षित होगी क्योंकि अब यह मसला अदालत के कमरे में कुछ वकीलों व जज के बीच का नहीं रहा है बल्कि पूरे नजारे से टीवी चैनल के दो करोड़ उपभोक्ता भी वाकिफ होंगे। इससे समाज में अदालतों व कानून के बारे में नई चेतना जागृत होगी। न्यायमूर्ति चन्द्रचूड़ के अनुसार सर्वोच्च न्यायालय को समाज में हो रहे परिवर्तनों के प्रति भी संवेदनशील रहना होगा क्योंकि सर्वोच्च न्यायालय केवल विवाद निपटाने की सबसे ऊंची संस्था ही नहीं है बल्कि इसे समाज में हो रहे बदलावों के प्रति संवेदनशील रहते हुए फैसले करने होंगे जिससे समूचे राष्ट्र को दिशा मिल सके। भारत में सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका अमेरिका, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया आदि देशों जैसी नहीं है बल्कि न्याय पाने की उच्चतम सीढ़ी जैसी है। अत: जब भी सर्वोच्च न्यायालय में सामान्य जन के मुकदमे पर कोई फैसला दिया जाता है तो वह राष्ट्रीय स्तर सभी निचली अदालतों के लिए एक उत्प्रेरक का काम करता है जिससे पूरे देश में आ रहे सामाजिक बदलाव से उपजी समस्याओं का निदान हो सके और समाज विकसित होता रहे। श्री चन्द्रचूड़ के इस बयान से साफ है कि वह बदलते सामाजिक समीकरणों को भी अदालतों के संज्ञान में लाना चाहते हैं। इसलिए आम भारतवासी को न्यायमूर्ति चन्द्रचूड़ ने दिशा दिखाने का काम किया है। ऐसा मानना संविधान निर्माता बाबा साहेब अम्बेडकर का भी था जिन्होंने संविधान में न्यायपालिका को पूरी तरह स्वतन्त्र व निरपेक्ष रहने का किरदार दिया।

आदित्य नारायण चोपड़ा
Adityachopra@punjabkesari.com

काश अपनी इच्छा से हेलमेट लगाते

गीता पाढा

"काश! हम पुलिस के डर से नहीं अपनी इच्छा से हेलमेट लगाते,
तो कितने युवा यूं न सड़क हादसों में अपना जीवन गंवाते,,
बेवजह न लाल बत्ती पर भी बार-बार हौरन बजाते,
काश! यातायात के नियम हम केवल पढ़ते नहीं, बल्कि अपने जीवन में आत्मसात कर पाते...।।"

भारत-पाक: खिड़कियां तो खोलनी होंगी

डा. चन्द्र त्रिखा
chandertrikha@gmail.com

भारत व पाक के बीच लम्बी खामोशी के बाद एक खिड़की थोड़ी सी खुली है। संभावना है कि इस छोटी सी खिड़की के माध्यम से ताजा हवा के कुछ झोंके आ सकते हैं। भारतीय विदेश मंत्री और पाक प्रधानमंत्री के मध्य बातचीत के समय वहां के क्रिकेट बोर्ड के एक उच्चाधिकारी का चले आना महज कोई संयोग नहीं था। 'सिंगल-रन' की मशक्कत हुई है तो चौके-छक्के भी जड़े जा सकते हैं। वैसे भी आगामी फरवरी में चैम्पियन-ट्राफी में दोनों देशों की टीमों के आमने-सामने होने की संभावनाएं कायम हैं।

दरअसल यह भी एक हकीकत है कि जब से दोनों देशों के बीच व्यापार ठप्प हुआ है, तब से हमारा यह पड़ौसी भी संकट में है और मजा हमें भी नहीं आ रहा। श्रीकरतारपुर साहब-गलियारे के बाद उम्मीद थी कि कटासराज, श्री ननकाना साहब और सिंध वाली हिंगलाज माता के गलियारे भी खुल जाएंगे। मगर बात सिर्फ कुछ अरदासों तक सीमित रह गई।

दोनों देशों के सामान्य जन तो सहमत हैं कि 77 वर्ष पूर्व वाले विभाजन का बेताल अब तक हमारे कंधों से नहीं उतर पाया। कभी लाहौर की दरगाहों, गुरुद्वारों के बहाने तो कभी पुरानी दिल्ली की चंद संकरी हवेलियों के हवाले से या अज़मेर शरीफ की दरगाह के बहाने पुरानी यादें चहकने लगती हैं। लाहौर का अलहमरा थियेटर अब भी उसी तर्ज पर चलता है, जिस तर्ज पर चंडीगढ़ टैगोर थियेटर या दिल्ली का 'त्रिवेणी' या 'कमानी' ओडिटोरियम चलते हैं। कभी अमृता के बहाने, कभी मंटो के बहाने तो कभी इकबाल, फैज़, गालिब के बहानों से बातें चल निकलती हैं। सरायकी व ठुमरी भी अक्सर कहरवा बजाने लगती हैं।

इन ताज़ा हवाओं के रास्ते में बांधा है तो सिर्फ चंद आतंकी संगठन, जिन्हें भारत बर्दाश्त नहीं करता और पाकिस्तानी आवाम भी उन्हें निरा सरदर्द मानते हैं। उनसे मुक्ति पाना पाकिस्तानी शासकों के लिए आसान न होने के बावजूद बेहद ज़रूरी है।

यह भी एक हकीकत है कि खिड़कियां जब भी खुलेंगी, किताबों व क्रिकेट के बहाने खुलेंगी। जयपुर का 'लिट फैस्ट', कसौली का 'खुशवंत सिंह फेस्टिवल' या चंडीगढ़ का 'लिट फैस्ट' ऐसे खूबसूरत बहाने हैं जिनके माध्यम से 'बंद अलमारी के शीशों से झांकने वाली किताबों' को भी 'सुकून' मिलेगा। इन किताबों का ब्यौरा जानने के लिए आपके 'गुलज़ार साहब' के घर तक दस्तक देनी होगी। उनकी एक लोकप्रिय नज़्म है-

'किताबें, झांकती हैं/
बंद अलमारी के शीशों से/'

वैसे भी यह सुकून भरी बात है कि पहली बार इस बार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने एससीओ शिखर सम्मेलन के अपने भाषण में कश्मीर का राग नहीं अलापा। इस बात को लेकर उनके देश में हाय तौबा तो मची है, मगर उसका लाभ यह हुआ कि उसी मंच पर मौजूद भारतीय विदेश मंत्री को भी कश्मीर के बारे में भारतीय स्टेंड दोहराने की ज़रूरत महसूस नहीं हुई फिर भी श्री जयशंकर ने यह तो स्पष्ट कर ही दिया 'घात' और 'बात' या छुरे-छर्रे और संवाद साथ-साथ नहीं चल सकते।

इधर, एक नया सुखद बहाना भी उभरा है। पंजाब विश्वविद्यालय इन दिनों अपना 142वां स्थापना दिवस मना रहा है। इसका मूल लाहौर में है, जबकि 1947 में वहां से उखड़ने, उजड़ने के बाद एक विश्वविद्यालय (उसी नाम से) पहले सोलन व बाद में चंडीगढ़ में स्थापित हो गया।

पंजाब यूनिवर्सिटी लाहौर की स्थापना वर्ष 142 वर्ष पूर्व हुई थी। भारत-विभाजन के बाद भारतीय क्षेत्र में इसकी स्थापना 'ईस्ट पंजाब यूनिवर्सिटी' के नाम से सोलन (हिमाचल) के छावनी क्षेत्र में की गई थी। बाद में इसे चंडीगढ़ लाया गया और वही पुराना नाम 'पंजाब यूनिवर्सिटी' ही बहाल कर दिया गया। इसके वर्तमान स्वरूप का परिसर सेक्टर-14 व सेक्टर-25 में स्थापित किया गया है और पूरा परिसर लगभग 550 एकड़ भूमि में फैला है। इसमें 75 विषयों के अध्ययन-विभाग हैं और पंजाब के आठ जिलों के लगभग 201 महाविद्यालय इससे जुड़े हुए रहे। इन विषयों में शोध के भी प्रावधान हैं। यह बात भी कम दिलचस्प नहीं है कि शुरुआती दौर में विभाजन के लिए गठित परिषद (पार्टीशन काउंसिल) ने विभाजन की अनुमति देने से इन्कार कर दिया था। दलील यह दी गई कि जब तक संस्थान के लिए अपना निजी विशाल परिसर भी नहीं हो, तब तक यह संभव नहीं हो सकता। उसके लिए विश्वविद्यालय-प्रशासन ने विकल्प के रूप में होशियारपुर, जालंधर, अमृतसर और दिल्ली में सभी विषयों के क्षेत्रीय शिक्षण विभाग खोले गए। वर्ष 1950 में यह विश्वविद्यालय, ला-कार्बूजिए और पियरे जैनरे के बनाए डिजाइन पर नवनिर्मित परिसर में स्थापित हो गया। इसका मुख्य परिसर 550 एकड़ भूमि में फैला हुआ है। इसमें अत्याधुनिक केन्द्रीय पुस्तकालय, 19 छात्रावास (8 छात्रों के लिए और 11 छात्राओं के लिए) और साथ ही सेक्टर-25 में दक्षिणी परिसर भी है। इसका पूरा ढांचा ही अद्भुत है और इसकी अपनी डिस्पेंसरी व स्टाफ के लिए आवास भी बने हुए हैं। उत्तर भारत का यह एक विलक्षण शिक्षक संस्थान माना जाता है। इसका गांधी-भवन निर्माण कला का अद्भुत नमूना है। इधर, लाहौर स्थित पंजाब विश्वविद्यालय के शैक्षणिक स्टाफ में नियमित रूप में 1006 प्राध्यापक हैं और 300 अंशकालीन हैं। यूनिवर्सिटी कैम्पस में 45678 छात्र प्रात:कालीन व 16552 छात्र-छात्राएं सांध्यकालीन कक्षाओं में शिक्षारत हैं। इनके अतिरिक्त विभिन्न कॉलेजों के तीन लाख 63 हज़ार 416 छात्र भी इसी विश्वविद्यालय से जुड़े हुए हैं। इसका वर्तमान कैम्पस, जिसे कायदे आज़म-कैम्पस भी कहा जाता है, कैनाल रोड़ पर स्थित है। ब्रिटिश काल में इसके गुजरांवाला, जेहलम व खानपुर में भी कैम्पस थे। शिमला में इसी विश्वविद्यालय का उच्चशिक्षा केंद्र अक्तूबर 1882में स्थापित किया गया। लेकिन अब स्थितियां और भी बदल चुकी हैं। नए-नए केंद्र खुल गए हैं। अल्लामा इकबाल के नाम से भी 1800 एकड़ में एक कैम्पस स्थापित हो चुका है।

क्या विकास के पैसे सही दिशा में खर्च होते हैं ?

विनीत नारायण
www.vineetnarain.net

बन्जर भूमि, मरूभूमि व सूखे क्षेत्र को हरा-भरा बनाने के लिए केंद्र सरकार हजारों करोड़ रुपया प्रान्तीय सरकारों को देती आई है। जिले के अधिकारी और नेता मिली भगत से सारा पैसा डकार जाते हैं। झूठे आंकड़े प्रान्त सरकार के माध्यम से केन्द्र सरकार को भेज दिये जाते हैं पर इस विषय के जानकारों को कागजी आंकड़ों से गुमराह नहीं किया जा सकता। आज हम उपग्रह कैमरे से हर राज्य की जमीन का चित्र देख कर यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि जहां-जहां सूखी जमीन को हरी करने के दावे किये गये, वो सब कितने सच्चे हैं। दरअसल यह कोई नई बात नहीं है। विकास योजनाओं के नाम पर हजारों करोड़ रुपया इसी तरह वर्षों से प्रान्तीय सरकारों द्वारा पानी की तरह बहाया जाता है। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का यह जुमला अब पुराना पड़ गया कि केन्द्र के भेजे एक रुपये में से केवल 14 पैसे जनता तक पहुंचते हैं। सूचना का अधिकार कानून भी जनता को यह नहीं बता पायेगा कि उसके इर्द-गिर्द की एक गज जमीन पर, पिछले 70 वर्षों में कितने करोड़ रुपये का विकास किया जा चुका है। सड़क निर्माण हो या सीवर, पौधारोपण हो या कुण्डों की खुदाई, नलकूपों की योजना हो या बाढ़ नियन्त्रण, स्वास्थ्य सेवाएं हों या शिक्षा का अभियान की अरबों-खरबों रुपया कागजों पर खर्च हो चुका है। पर देश के हालात कछुए की गति से भी नहीं सुधर रहे। जनता दो वक्त की रोटी के लिए जूझ रही है और नौकरशाही, नेता व माफिया हजारो गुना तरक्की कर चुके हैं, जो भी इस क्लब का सदस्य बनता है, कुछ अपवादों को छोड़कर, दिन दूनी रात चौगुनी तरक्की करता है। केन्द्रीय सतर्कता आयोग, सीबीआई, लोकपाल व अदालतें उसका बाल भी बाकां नहीं कर पाते। जिले में योजना बनाने वाले सरकारी कर्मी योजना इस दृष्टि से बनाते हैं कि काम कम करना पड़े और कमीशन तगड़ा मिल जाये। इन्हें हर दल के स्थानीय विधायकों और सांसदों का संरक्षण मिलता है, इसलिए यह नेता आए दिन बड़ी- बड़ी योजनाओं की अखबारों में घोषणा करते रहते हैं, अगर इनकी घोषित योजनाओं की लागत और मौके पर हुए काम की जांच करवा ली जाये तो दूध का दूध और पानी का पानी सामने आ जायेगा। यह काम मीडिया को करना चाहिए था। अफ़सरों और निर्माण कम्पनियों का भांडा तब फूटता है जब लोकार्पण के कुछ ही दिनों बाद अरबों रुपए की लागत से बने राजमार्ग या एक्सप्रेस-वे गुणवत्ता की कमी के चलते या तो धंस जाते हैं या बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। ऐसा नहीं है कि ऐसी धांधली केवल सड़क मार्गों पर ही होती है। ऐसा भी देखने को मिला है जब रेल की पटरियां भी धंस गई और रेल दुर्घटना हुई।

उधर जिले से लेकर प्रान्त तक और प्रान्त से लेकर केन्द्र तक प्रोफेशनल कन्सलटेन्ट का एक बड़ा तन्त्र खड़ा हो गया है। यह कन्सलटेन्ट सरकार से अपनी औकात से दस गुनी फीस वसूलते है और उसमें से 90 फीसदी तक काम देने वाले अफसरों और नेताओं को पीछे से कमीशन मे लौटा देते हैं। बिना क्षेत्र का सर्वेक्षण किये, बिना स्थानीय अपेक्षाओं को जाने, बिना प्रोजैक्ट की सफलता का मूल्यांकन किये केवल ख़ानापूर्ति के लिए डीपीआर (विस्तृत कार्य योजना) बना देते हैं। फिर चाहे जे.एन.आर.यू.एम. हो या मनरेगा, पर्यटन विभाग की डीपीआर हो या ग्रामीण विकास की सबमें फ़र्ज़ीवाड़े का प्रतिशत काफी ऊंचा रहता है। यही वजह है कि योजनाएं खूब बनती हैं, पैसा भी खूब आता है, पर हालात नहीं सुधरते। आज की सूचना क्रान्ति के दौर में ऐसी चोरी पकड़ना बाएं हाथ का खेल है। उपग्रह सर्वेक्षणों से हर परियोजना के क्रियान्वयन पर पूरी नजर रखी जा सकती है और काफी हदतक चोरी पकड़ी जा सकती है पर चोरी पकड़ने का काम नौकरशाही का कोई सदस्य करेगा तो अनेक कारणों से सच्चाई छिपा देगा। निगरानी का यही काम देशभर में अगर प्रतिष्ठित स्वयंसेवी संगठनों या व्यक्तियों से करवाया जाये तो चोरी रोकने में पूरी नहीं तो काफी सफलता मिलेगी। ग्रामीण विकास के मंत्री ही नहीं बल्कि हर मंत्री को तकनीकी क्रान्ति की मदद लेनी चाहिए। योजना बनाने में आपाधापी को रोकने के लिए सरल तरीका है कि जिलाधिकारी अपनी योजनाएं वेबसाइट पर डाल दें और उनपर जिले की जनता से 15 दिन के भीतर आपत्ति और सुझाव दर्ज करने को कहें। जनता के सही सुझावों पर अमल किया जाये। केवल सार्थक, उपयोगी और ठोस योजनाएं ही केन्द्र सरकार व राज्य को भेजी जाये। योजनाओं के क्रियान्वयन की साप्ताहिक प्रगति के चित्र भी वेबसाइट पर डाले जायें, जिससे उसकी कमियां जागरूक नागरिक उजागर कर सकें। इससे आम जनता के बीच इन योजनाओं पर हर स्तर पर नजर रखने में मदद मिलेगी और अपना लोकतन्त्र मजबूत होगा। फिर बाबा रामदेव या अन्ना हजारे जैसे लोगों को सरकारों के विरुद्ध जनता को जगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। आज हर सरकार की विश्वसनीयता, चाहें वो केन्द्र की हो या प्रान्तों की, जनता की निगाह में काफी गिर चुकी है और अगर यही हाल रहे तो हालत और भी बिगड़ जायेगी। देश और प्रान्त की सरकारों को अपनी पूरी सोच और समझ बदलनी पड़ेगी। देशभर में जिस भी अधिकारी, विशेषज्ञ, प्रोफेशनल या स्वयंसेवी संगठन ने जिस क्षेत्र में भी अनुकरणीय कार्य किया हो, उसकी सूचना जनता के बीच, सरकारी पहल पर, बार-बार प्रसारित की जाये। इससे देश के बाकी हिस्सों को भी प्रेरणा और ज्ञान मिलेगा। फिर सात्विक शक्तियां बढ़ेंगी और देश का सही विकास होगा। अभी भी सुधार की गुंजाइश है। लक्ष्य पूर्ति के साथ गुणवत्ता पर ध्यान दिया जाए। यह तो आने वाला समय ही बताएगा कि इन घोषणाओं के चलते किए गए ये दावे गुणवत्ता के पैमाने पर कितने खरे उतरते हैं? चूंकि ऐसी योजनाओं में भ्रष्टाचार तो अपने पांव पसारता ही है? ऐसे में जनहित का दावा करने वाले नेता क्या वास्तव में जनहित करे पाएंगे?

घरेलू रोबोट विकसित किये जाने में अभी लग सकता है लंबा समय

हाल ही में टेस्ला की प्रदर्शनी में चलते-फिरते, बोलते-नाचते 'ऑप्टिमस' रोबोट ने काफी उत्साह पैदा किया था। लेकिन लोगों का उत्साह तब ठंडा पड़ गया जब यह जाहिर हुआ कि जो कुछ भी हो रहा था, वह वास्तव में मानव द्वारा दूर से नियंत्रित किया जा रहा था। भले ही यह अब भी भविष्य की एक आकर्षक झलक हो, लेकिन ऐसा पहली बार नहीं हुआ है कि रोबोट उम्मीद से बेहतर साबित हुए हैं।

उदाहरण के लिए, 'सोफिया' को ही लें, जिसे 2016 में टेक्सास स्थित हैनसन रोबोटिक्स ने बनाया था। कंपनी ने उसे अनिवार्य रूप से एक बुद्धिमान प्राणी के रूप में प्रस्तुत किया था, जिसे कई तकनीकी विशेषज्ञों ने इसे उस समय हमारी क्षमताओं से परे बताया था। इसी तरह हमने बोस्टन डायनेमिक्स के 'एटलस' जिमनास्टिक्स, ब्रिटेन निर्मित अमेका रोबोट ''वेकिंग अप'' और हाल ही में टेस्ला के 'ऑप्टिमस' के सावधानीपूर्वक तैयार किये गए वीडियो देखे हैं। जाहिर है कि ये अभी अलग-अलग तरीकों से प्रभावशाली हैं, लेकिन वे पूर्ण 'पैकेज' के करीब नहीं पहुंचे हैं। ऑप्टिमस या एटलस को किसी गैर पूर्व निर्धारित स्थान पर छोड़ दें और आप बहुत कुछ अलग देखेंगे।

हमारे घरों में काम करने में सक्षम एक मानव रोबोट को कई अलग-अलग कार्य करने, हमारे उपकरणों का उपयोग करने, हमारे वातावरण में गतिविधियां करने और मानव की तरह हमसे संवाद करने में सक्षम होना चाहिए। अगर आपको लगता है कि यह केवल एक या दो साल में सच हो सकता है, तो आपको निराशा हाथ लगने वाली है।

परदे के पीछे : टेस्ला की प्रदर्शनी की ''विजार्ड ऑफ ओज़'' रिमोट ऑपरेशन तकनीक इस क्षेत्र में आम तौर पर इस्तेमाल की जाने वाली नियंत्रण विधि है, जो शोधकर्ताओं को एक मानक देती है जिसके आधार पर वे अपनी वास्तविक प्रगति का परीक्षण कर सकते हैं। टेलीमेट्रिक्स नियंत्रण के रूप में जाना जाने वाला यह कुछ समय से मौजूद है, और अधिक उन्नत होता जा रहा है। इस लेख को लिखने वालों में से एक, कार्ल स्ट्रैथर्न, इस साल की शुरुआत में जापान में एक सम्मेलन में शामिल हुए थे। वहां शीर्ष रोबोटिक्स प्रयोगशालाओं में से एक के मुख्य वक्ता ने एक उन्नत टेलीमेट्रिक्स प्रणाली का प्रदर्शन किया। स्पष्ट रूप से, यह बहुत उपयोगी तकनीक है। टेलीमेट्रिक प्रणाली का उपयोग खतरनाक वातावरण, दिव्यांगता स्वास्थ्य सेवा और यहां तक कि बाहरी अंतरिक्ष में काम करने वाले रोबोट को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है। लेकिन इस मामले में मानव के अब भी शीर्ष पर होने का कारण यह है कि एटलस जैसे सबसे उन्नत मानवीकृत रोबोट भी अभी तक वास्तविक दुनिया में पूरी तरह से स्वतंत्र रूप से काम करने के लिए पर्याप्त रूप से विश्वसनीय नहीं है।

एक और बड़ी समस्या सामाजिक एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) है। डीपमाइंड के जेमिनी और ओपनएआई के जीपीटी-4 विजन जैसे अग्रणी जेनरेटिव एआई कार्यक्रम भविष्य में मानवीकृत रोबोट के लिए रचनात्मक स्वायत्त एआई प्रणाली की नींव रख सकते हैं। लेकिन हमें यह विश्वास करके गुमराह नहीं होना चाहिए कि ऐसे मॉडल का मतलब है कि रोबोट अब वास्तविक दुनिया में अच्छी तरह से काम करने में सक्षम है।

डेटा की कमी : दूसरी मुख्य चुनौती एआई प्रणाली को प्रशिक्षित करने के लिए वास्तविक दुनिया के डेटा की कमी है, क्योंकि ऑनलाइन डेटा हमेशा हमारे रोबोट को अच्छी तरह से प्रशिक्षित करने के लिए आवश्यक वास्तविक दुनिया की स्थितियों का सटीक रूप से प्रतिनिधित्व नहीं करता है। हमें अभी तक इस वास्तविक दुनिया के डेटा को पर्याप्त मात्रा में एकत्र करने का कोई प्रभावी तरीका नहीं मिला है, ताकि अच्छे परिणाम मिल सकें। हालांकि, अगर हम इसे एलेक्सा और मेटा रे-बैन जैसी तकनीकों से जोड़ सकें तो यह स्थिति जल्द ही बदल सकती है। फिर भी, वास्तविकता यह है कि हम उन्नत सामाजिक एआई के साथ मल्टीमॉडल मानवीकृत रोबोट विकसित करने से शायद दशकों दूर हैं जो घर के कामकाज में मदद करने में सक्षम हों। हो सकता है कि इस बीच हमें दूर से नियंत्रित किये जाने वाले रोबोट की पेशकश की जाए। लेकिन क्या हम उन्हें चाहेंगे? इस बीच, यह भी अधिक महत्वपूर्ण है कि हम अपने प्रयासों को उन भूमिकाओं के लिए रोबोट निर्मित करने पर केंद्रित करें जो उन लोगों की सहायता कर सके जिन्हें अभी तत्काल मदद की आवश्यकता है। इनमें स्वास्थ्य सेवा शामिल की जा सकती है, जहां मरीजों की प्रतीक्षा सूची लंबी है और अस्पतालों में कर्मचारियों की कमी है। शिक्षा क्षेत्र को भी शामिल किया जा सकता है, जहां अशक्त बच्चों को कक्षाओं में दूरस्थ माध्यम से शामिल किया जा सकता है। हमें बेहतर पारदर्शिता, कानून और सार्वजनिक रूप से उपलब्ध परीक्षण की भी आवश्यकता है, ताकि हर कोई तथ्य को कल्पना से अलग कर सके और जब रोबोट अंतत: विकसित हो जाएंगे, तो लोगों का विश्वास बनाने में मदद मिलेगी। **(द कन्वरसेशन)**

'डिजिटल इंडिया' दुनिया के लिए मिसाल

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): भारत आए नोबेल पुरस्कार विजेता प्रोफेसर पॉल माइकल रोमर ने देश की 'डिजिटल क्रांति' की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि देश में 'डिजिटल क्रांति' ने लोगों की वित्तीय स्थिति को बेहतर बनाने में मदद की है। प्रोफेसर रोमर ने भारत के हर कोने में 'डिजिटल क्रांति' को आगे बढ़ाने में सरकार की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की 'डिजिटल क्रांति' की कहानी बाकी दुनिया के लिए एक उदाहरण बन गई है। 'डिजिटल इंडिया' को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 1 जुलाई 2015 को लॉन्च किया था। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों को हाई-स्पीड इंटरनेट नेटवर्क से जोड़ना और डिजिटल साक्षरता में सुधार करना था। यह तीन प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित है - प्रत्येक नागरिक के लिए उपयोगिता के रूप में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, गवर्नेंस एंड सर्विस ऑन डिमांड और नागरिकों का डिजिटल सशक्तिकरण।

दिल्ली आर.एन.आई. नं. 40474/83
पंजाब केसरी
दिल्ली कार्यालय :
फोन आफिस: 011-30712200, 45212200,
प्रसार विभाग: 011-30712224
विज्ञापन विभाग: 011-30712229
सम्पादकीय विभाग: 011-30712292-93
मैगजीन विभाग: 011-30712330
फैक्स : 91-11-30712290, 30712384, 011-45212383, 84
Email: Editorial@punjabkesari.com

स्वत्वाधिकारी दैनिक समाचार लिमिटेड, 2-प्रिंटिंग प्रैस कॉम्पलैक्स, नजदीक वजीरपुर डीटीसी डिपो, दिल्ली-110035 के लिए मुद्रक, प्रकाशक तथा सम्पादक अनिल शारदा द्वारा पंजाब केसरी प्रिंटिंग प्रैस, 2-प्रिंटिंग प्रैस कॉम्पलैक्स, वजीरपुर, दिल्ली से मुद्रित तथा 2, प्रिंटिंग प्रैस कॉम्पलैक्स, वजीरपुर, दिल्ली से प्रकाशित।

करवाचौथ उत्सव में शामिल हुईं एक हजार से अधिक महिलाएं

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : जनकपुरी में भव्य 'करवा चौथ उत्सव और मेहंदी कार्यक्रम' का सफल आयोजन किया गया। इस अद्वितीय कार्यक्रम का आयोजन अनुपम सूद (आशीष सूद, प्रभारी भाजपा, गोवा एवं सह प्रभारी भाजपा, जम्मू कश्मीर की पत्नी) द्वारा किया गया, जिसमें 1000 से अधिक स्थानीय महिलाओं ने भाग लिया और इसे एक यादगार आयोजन बना दिया। उत्सव में विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा सांसद कमलजीत सहरावत, मल्लिका नड्डा (केन्द्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा की पत्नी), मृदुला प्रधान (केन्द्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की पत्नी), मंजू सिंह (केन्द्रीय राज्यमंत्री मंत्री जितेंद्र सिंह की पत्नी) और नीता मांडविया (केन्द्रीय मंत्री मनसुख मांडविया की पत्नी) भी शामिल हुईं। कार्यक्रम में खान-पान लोकगीतों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं ने उत्साहपूर्वक नृत्य और गायन में भाग लिया, जिससे पूरे वातावरण में उत्सव का माहौल था। इस आयोजन में कैंसर को मात देने वाली वीरांगनाओं ने भी भाग लिया, जिन्होंने अपने साहस और जिजीविषा से सभी को प्रेरित किया। कार्यक्रम में सभी महिलाओं के हाथ मेहंदी से सुसज्जित थे और सभी के चेहरे पर रौनक थी। आशीष सूद ने सभी महिलाओं को शुभकामनाएं दीं और कहा कि 'महिलाओं की दृढ़ इच्छाशक्ति वंदनीय है

भाजपा के नेता यमुना साफ कराने नहीं केवल फोटोशूट कराने जाते हैं

जब भाजपा को लगा यमुना साफ हो जाएगी तो मुझे और केजरीवाल को अरेस्ट करा दिया: जैन

● *यमुना में इसीलिए झाग बन रहें क्योंकि भाजपा शासित राज्य इसमें डाल रहे प्रदूषित पानी: सीएम आतिशी*

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली में यमुना की सफाई के नाम पर लगातार राजनीति हो रही है। आम आदमी पार्टी (आप) सरकार का कहना है कि भाजपा शासित हरियाणा की इंडस्ट्री का 165 एमजीडी प्रदूषित पानी यमुना में छोड़ा जाता है, वहीं यूपी भी 55 एमजीडी गंदा पानी यमुना में छोड़ती है, जो यमुना को गंदा करता है। यमुना नदी से झाग को खत्म करने के लिए 'आप' सरकार सिलीकॉन बेस्ड फूड ग्रेड डीफॉमर का छिड़काव शुरू करवा रही है, जिससे यमुना का प्रदूषण कम होता है।इस मुद्दे पर रविवार को दिल्ली की सीएम आतिशी और आप के वरिष्ठ नेता व पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि वायु-प्रदूषण के साथ-साथ यमुना में भी पिछले कुछ दिनों में प्रदूषण का स्तर बढ़ा है। सीएम आतिशी ने कहा कि दिल्ली में हवा में पानी में प्रदूषण बढ़ने का असली कारण भाजपा की गंदी राजनीति है। भाजपा के नेता कालिंदी कुंज में जाकर फोटो खिंचवा रहे है कि यहां झाग बन रहें हैं। लेकिन सच्चाई ये है कि ये झाग यमुना में इसलिए बनते हैं क्योंकि हरियाणा के औद्योगिक क्षेत्र 165 एमजीडी प्रदूषित पानी बादशाहपुर ड्रेन, मुंगेरपुर ड्रेन, डीडी 6 से यमुना में छोड़ती है। दूसरी तरफ भाजपा की ही उत्तर प्रदेश सरकार साहिबाबाद ड्रेन और इंद्रपुरी ड्रेन से 55 एमजीडी प्रदूषित पानी छोड़ती है। वहीं आप नेता और दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि यमुना की सफाई के नाम पर भाजपा नेता केवल फोटोशूट कराने के लिए जाते हैं और उन फोटो को इधर-उधर दिखाते हैं। अरविंद केजरीवाल ने कहा था कि हम यमुना का प्रदूषण साफ कर देंगे और यमुना को साफ करने के लिए युद्धस्तर पर काम शुरू हो गया था। जब काम शुरू हुआ तो भाजपा को लगने लगा कि अगले चुनाव से पहले यमुना साफ हो जाएगी। तो भाजपा ने पहले मुझे अरेस्ट किया क्योंकि अरविंद केजरीवाल ने यमुना साफ करवाने की जिम्मेदारी मुझे दी थी। बाद में अरविंद केजरीवाल को भी गिरफ्तार कर लिया गया था।

अगले तीन दिन तक दिल्ली की हवा होने वाली है बेहद खराब

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण की परेशानी कम होने की बजाय बढ़ने वाली है। रविवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 'खराब' श्रेणी में दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में सुबह नौ बजे 24 घंटे का औसत एक्यूआई 265 रहा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि दिल्ली में रविवार सुबह न्यूनतम तापमान 20.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। दिल्ली में सुबह साढ़े आठ बजे आर्द्रता का स्तर 91 प्रतिशत रहा। वहीं प्रदूषण को लेकर वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली का अनुमान है कि अगले तीन दिनों तक दिल्ली की हवा बेहद खराब श्रेणी में पहुंच सकती है। दरअसल, हवा की रफ्तार सुस्त पड़ने से प्रदूषण के स्तर में वृद्धि होने का अंदेशा है। वैसे तो दिल्ली के लोग पिछले सप्ताह से ही प्रदूषित हवा में सांस ले रहे हैं। बता दें कि दिल्ली की हवा दशहरे के बाद से ही खराब श्रेणी में चल रही है, लेकिन अब यह परेशानी और बढ़ने वाली है। दिल्ली में अगले तीन दिनों के बीच हवा की रफ्तार ज्यादातर समय 12 किलोमीटर प्रति घंटे से नीचे रहने की संभावना है। धीमी गति से चलने वाली इस हवा के चलते प्रदूषक कण ज्यादा समय तक वायुमंडल में बने रहेंगे और उनका बिखराव धीमा हो जाएगा। खासतौर पर रात के समय हवा शांत पड़ रही है।

इतिहास के झरोखे से...

21 अक्टूबरः नेताजी सुभाष चन्द्र बोस ने स्वतंत्र भारत की प्रांतीय सरकार बनाई

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) :अतीत के झरोखे में झांकने पर पता चलता है कि 21 अक्टूबर को अनेक ऐसी घटनाएं हुई जो इतिहास में दर्ज है। आज ही के दिन 1296 में अलाउद्दीन खिलजी ने दिल्ली की गद्दी पर कब्जा किया। 1797 में अमेरिकी नौसेना के लिए बनाए गए पहले मालवाहक जहाजों में से एक द कंस्टीट्यूशंस का बोस्टन में जलावतरण किया गया। 1833 में स्वीडन के स्टॉकहोम में अल्फ्रेड नोबेल का जन्म हुआ जिन्हें डायनामाइट के खोजकर्ता के तौर पर जाना जाता है। उनके नाम पर कुल 355 पेटेंट हैं। नोबेल पुरस्कार के नाम से दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान स्थापित करने का श्रेय उन्हें जाता है। 1934 में जयप्रकाश नारायण ने कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी की स्थापना की। 1943 में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस ने स्वतंत्र भारत की प्रांतीय सरकार बनाई। 1950 में चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी तिब्बत में दाखिल हुई और कुनलुन तथा हिमालय की विशाल पर्वत श्रृंखलाओं के बीच 16000 फुट की ऊंचाई पर स्थित इस आध्यात्मिक और शांतिप्रिय देश पर कब्जा कर लिया। 1954 में भारत और फ्रांस ने पुडुचेरी, कराइकल, और माहे को भारतीय गणतंत्र में शामिल करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता 15 नवम्बर से लागू हुआ।

संक्षिप्त समाचार...

गृहमंत्री शाह के बर्थडे पर अखंड पाठ रखवाया

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): केन्द्रीय गुरु सिंह सभा के अध्यक्ष व दिल्ली कमेटी के सदस्य तरविंदर सिंह मारवाह ने भारत सरकार के गृहमंत्री अमित शाह के जन्मदिन के उपलक्ष्य में गुरुद्वारा बाला साहिब में अखंड पाठ रखवाया। यह अखंड पाठ 48 घंटे तक चलेगा और उसकी समाप्ति 22 अक्टूबर 2024 को दोपहर 1 बजे तक चलेगी। रविवार को अखंड पाठ शुरू होने से पहले गृहमंत्री के अच्छी सेहत के लिए अरदास की गई। मारवाह ने कहा कि जिस तरह से अमित शाह देश की सेवा कर रहे हैं हम उम्मीद करते हैं कि वह इसी तरह की सेवा आगे भी करते रहे। उन्होंने बताया कि अगामी मंगलवार को 12 से 1 बजे तक कीर्तन होगा, उसके बाद लोगों को लंगर चखाया जाएगा।

पद्मश्री वीरेंद्र प्रभाकर की याद में रामलीला

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : भारतीय कला और संस्कृति को समर्पित पद्मश्री वीरेंद्र प्रभाकर की याद में श्रीराम भारतीय कला केन्द्र, मंडी हाउस में "युग युग की सत्य कथा" नामक रामलीला का आयोजन किया गया। भगवान श्री राम को समर्पित श्रीराम भारतीय कला केंद्र की वो मशहूर नृत्य नाटिका है, जो हमेशा से दिल्लीवालों की पसंद रही है। 3 घंटे की इस प्रस्तुति में केंद्र के कलाकार पूरी रामलीला को दर्शकों को बांधे रखते हैं। केंद्र की निदेशक शोभा दीपक सिंह ने इसका निर्देशन किया है। नृत्य नाटिका में युद्ध के दृश्यों में मयूरभंज छऊ, कलरिपयट्टु नृत्य शैली का इस्तेमाल किया है। इस प्रस्तुति में रामायण के कई दृष्यों को उनके भावों के साथ पेश किया गया है। संस्था के उपाध्यक्ष वरिष्ठ कांग्रेसी नेता और पूर्व पार्षद अशोक जैन एवं रवि जैन ने बताया कि पद्मश्री वीरेन्द्र प्रभाकर की कला और फोटोजर्नलिज्म में योगदान को सम्मानित करते हुए चित्र कला संगम प्रतिवर्ष इस रामलीला का आयोजन करता है, जिससे उनकी समृद्ध धरोहर और यादों को जीवित रखा जा सके।

प्रदूषण कंट्रोल के लिए ग्राउंड जीरो पर उतरीं मुख्यमंत्री आतिशी

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली में प्रदूषण रोकथाम के लिए अपनाए जा रहे उपायों का निरीक्षण करने के लिए सीएम आतिशी रविवार ग्राउंड जीरो पर उतरी। उन्होंने पर्यावरण मंत्री गोपाल राय के साथ दिल्ली में प्रदूषण के हॉटस्पॉट बने आनंद विहार बस अड्डे के आसपास के क्षेत्रों का दौरा किया और यहां प्रदूषण को रोकने के लिए उठाए जा रहे कदमों का जायजा लिया। सीएम आतिशी ने कहा कि आनंद विहार प्रदूषण का हॉटस्पॉट बना है लेकिन यहां प्रदूषण कम करने के लिए दिल्ली सरकार सख्ती से कदम उठा रही है। इसके लिए आनंद विहार बस अड्डे और आसपास में बड़ी संख्या में एंटी स्मोग गन तैनात किए गए है, यहां आसपास की सभी सड़कों को रिपेयर किया गया है और सड़कों से अतिक्रमण भी हटाया गया है ताकि ट्रैफिक जाम न लगे। दिल्ली में इस समय प्रदूषण बढ़ रहा है। एक्यूआई का स्तर बढ़ रहा है। इसलिए सरकार द्वारा दिल्ली में बहुत सख्ती से प्रदूषण को रोकने के लिए कदम उठाए जा रहे है। प्रदूषण रोकथाम के लिए सरकार 99 टीमों के जरिए डस्ट कंट्रोल ड्राइव चला रही है। ये टीमें पूरी दिल्ली में अलग-अलग जगह निर्माण साइटों पर जाकर निरीक्षण कर रही हैं। साथ ही शहर में 325 एंटी स्मोग गन लगाने की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। दिल्ली में सभी एजेंसी चाहे पीडब्ल्यूडी हो या एमसीडी युद्धस्तर पर प्रदूषण रोकने के लिए काम कर रही है।

आप सरकार की अपरिपक्वता अकर्मण्यता से दिल्ली बनी गैस चैंबर: वीरेन्द्र सचदेवा

वीरेंद्र सचदेवा

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) :दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने राजधानी दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण को लेकर आम आदमी पार्टी व दिल्ली सरकार को एक बार फिर कटघरे में खड़ा किया है। उन्होंने कहा कि, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, वर्तमान मुख्य मंत्री आतिशी एवं पर्यावरण मंत्री गोपाल राय की अपरिपक्वता, अकर्मण्यता एवं पंजाब सरकार के प्रति धृतराष्ट्र जैसे लगाव का नतीजा है की आज दिल्ली वायु एवं जल दोनों के प्रदूषण की भयंकर मार झेल रही है। सचदेवा ने कहा कि दस साल तक गहरी नींद में सोती रही आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार के नेता अब चुनाव के ठीक पहले दिल्ली पर दोहरे प्रदूषण की मार से हार की संभावनाओं से विचलित हैं कि दिल्ली की भौगोलिक स्थिति को नजरंदाज कर थोथी ब्यानबाजी कर रहे हैं। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि आतिशी एवं गोपाल राय बतायें कौन से स्कूल से भूगोल पढ़े थे जो कह रहे हैं कि हरियाणा एवं उप्र के इंडस्ट्रीयल वेस्ट से दिल्ली में यमुना प्रदूषित होती है।

पटवारी ने प्रदूषणकारी निर्माण के एवज में मांगी 15 हजार की रिश्वत सीबीआई ने दर्ज किया मामला

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): रिश्वत के बदले प्रदूषणकारी निर्माण गतिविधियों की अनुमति देने के एक मामले में सीबीआई ने दिल्ली सरकार के राजस्व विभाग के एक पटवारी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। आरोप है कि पटवारी ने कथित तौर पर ओखला के पास शाहीन बाग के एक निवासी से प्रतिबंधित निर्माण कार्य करने के एवज में रिश्वत मांगी थी। लाजपत नगर में उप-विभागीय मजिस्ट्रेट कार्यालय में तैनात पटवारी अनिल चौधरी और नितिन नामक एक निजी व्यक्ति को अन्य लोगों के साथ सीबीआई की प्राथमिकी में नामजद किया गया है। उन्होंने कथित तौर पर शाहीन बाग निवासी मुहम्मद वसीम से जुर्माने से बचने के लिए 25 हजार रुपये मांगे थे, लेकिन 15 हजार में बात बनी। उल्लेखनीय है कि राजधानी में बढ़ते प्रदूषण के कारण सरकार ने फिलहाल निर्माण गतिविधियों पर रोक लगा रखी है। संदिग्धों पर भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 61(2) और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत आपराधिक साजिश से निपटने के दंडात्मक प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है। वसीम ने अपनी शिकायत में कहा कि खुद को पटवारी अनिल चौधरी बताने वाला एक व्यक्ति उनके घर आया और उसने प्रतिबंधों के बावजूद निर्माण कार्य करने के लिए एक लाख रुपये तक का जुर्माना लगाने की धमकी दी।

आप सरकार के विधायक मस्त झुग्गी झोपड़ीवासी त्रस्त : जेपी

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : झुग्गी बस्ती विस्तारक अभियान के तहत सदर विधानसभा के किशनगंज मंडल की दया बस्ती की झुग्गी बस्ती में क्षेत्रीय विधायक सोमदत्त और केजरीवाल सरकार के खिलाफ जन आक्रोश रैली निकाली। प्रदर्शन में शामिल लोगों ने सत्तारूढ़ आप सरकार और विधायक सोमदत्त के खिलाफ नारेबाजी की। भाजपा के नेता जयप्रकाश ने बताया केजरीवाल की सरकार जो दिल्ली में यह कह कर आई थी हम झुग्गी झोपड़ियो के जनजीवन में सुधार लाएंगे लेकिन बड़े दुख की बात है पिछले 11 वर्षों में केजरीवाल सरकार ने झुग्गी वासियों के लिए कुछ नहीं किया। जयप्रकाश ने बताया रविवार को प्रदर्शन के दौरान महिलाएं और युवाओं ने सदर बाजार से अरविंद केजरीवाल सरकार और उसके विधायकों उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया। इस दौरान मंडल अध्यक्ष संजय गहलोत, चरण सेठी, अलाउद्दीन मंसूरी, चंद्र शर्मा, नितेश राजपूत, बिशम्बर वशिष्ठ, अतुल जैन सहित अन्य कई उपस्थित रहे।

मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने में विफल रहे केजरीवाल : बिधूड़ी

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) :भाजपा दिल्ली प्रदेश द्वारा दिल्ली में चलाए जा रहे झुग्गी-बस्ती विस्तारक अभियान के तहत दिल्ली की झुग्गी-बस्तियों में जन आक्रोश प्रदर्शन किया गया। इस कड़ी में दक्षिणी दिल्ली के पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी कालकाजी विधान सभा स्थित नवजीवन कैम्प गोविन्दपुरी में जाकर झुग्गी वासियों से मिले और उनकी समस्याओं व दिल्ली सरकार द्वारा उन्हें मिलने वाली सुविधाओं पर बात की।इस दौरान पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी ने झुग्गी वासियों की समस्याओं को विस्तार से जाना कि दिल्ली की वर्तमान केजरीवाल सरकार पिछले 10 वर्षों में झुग्गी-बस्तियों में निवास कर रहे गरीबों लोगों को मूलभूत सुविधाएं मुहैया करा पाई है या नहीं? इस दौरान पता चला कि पिछले 10 वर्षों में केजरीवाल सरकार झुग्गी-बस्तियों में रह रहे लोगों को मूलभूत सुविधाएं प्रदान करने में विफल रही है। लोगों को पानी की बून्द-बून्द के लिए काफी जद्दोजहद करनी पड़ती है। दिल्ली जलबोर्ड में टैंकर माफियाओं के कारण लोगों को पर्याप्त मात्रा में पेयजल नहीं मिल पाता।

यमुना विहार: मनोज तिवारी ने घर-घर चलाया सदस्यता अभियान

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) :भाजपा प्रदेश की ओर से चल रहे प्राथमिक सदस्यता अभियान के तहत उत्तर पूर्वी दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी ने यमुना विहार स्थित अपने निवास बूथ पर घर-घर जाकर लोगों की सहमति से उन्हें भारतीय जनता पार्टी से जोड़ा। इस अवसर पर विधायक अजय महावर, शाहदरा नॉर्थ जोन के चेयरमैन व निगम पार्षद प्रमोद गुप्ता, ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष मोहित नागर सांसद प्रतिनिधि मुकेश गोयल मंडल अध्यक्ष पुनीत गाबा मौजूद रहे। स्थानीय लोगों में भाजपा के प्रति स्नेह और समर्पण की भावना है और भाजपा से जुड़ने में स्वेच्छा से आगे बढ़कर सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं। भाजपा की कार्य संस्कृति से प्रभावित होकर लोक पार्टी में विश्वास व्यक्त कर रहे हैं। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के सिद्धांत पर चलकर भाजपा का एक-एक कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि समाज के आखिरी पायदान पर खड़े व्यक्ति के हितों की चिंता समर्पण भाव से समाज के सृजन में दिन-रात लगे रहते हैं।

स्वच्छता को लेकर यमुना ट्राफी का आयोजन

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : इंडियन डेवलपमेंट फॉर हूमेन केयर, और इंडियन मीडिया वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव निशाना के संयुक्त तत्वावधान में यमुना की स्वच्छता को लेकर आयोजित यमुना ट्राफी 2024-25 के 10वें संस्करण का आयोजन सीडब्ल्यूजी ग्राउंड, अक्षरधाम, दिल्ली में शुरू हुआ। पहला मैच दिल्ली पुलिस आफिसर्स इलेवन और डीडीए आफिसर्स इलेवन के बीच खेला गया। दिल्ली पुलिस आफिसर्स इलेवन के कप्तान पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा और डीडीए आफिसर्स इलेवन के कप्तान डीडीए के वाईस चेयरमैन शुभाशीष पांडा के साथ इलाहाबाद हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त जज एवं वर्तमान में एनजीटी के न्यायिक सदस्य न्यायमूर्ति सुधीर अग्रवाल ने टॉस कराकर मैच का शुभारंभ किया। इस अवसर पर दिल्ली पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा ने कहा कि यमुना की सफाई का कार्य प्रत्येक नागरिक को समझना होगा। उन्होंने कहा कि खेल के साथ-साथ हम सभी को यमुनाकी स्वच्छता के लिए संकल्प लेना होगा। डीडीए के वाईस चेयरमैन शुभाशीष पांडा ने कहा कि हमारा विभाग यमुना की सफाई के लिए कटिबद्ध है, समय-समय पर हम घाटो को साफ स्वच्छ बनाने में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं।

झुग्गी बस्तियों में 'खराब' जीवन स्थितियों को लेकर भाजपा का आप पर हमला

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राष्ट्रीय राजधानी की झुग्गी-झोपड़ियों तक अपनी पैठ बनाने के अभियान के तहत रविवार को दिल्ली भर में 245 झुग्गी-झोपड़ियों में विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा ने आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के शासनकाल में खराब जीवन परिस्थितियों और विकास की कमी का आरोप लगाया।

भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने अभियान का नेतृत्व करते हुए दावा किया कि 'आप" के कुप्रबंधन के कारण पीड़ित झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले लोग राष्ट्रीय राजधानी में आप की सरकार को खत्म करने के लिए दृढ़ संकल्प हैं। इस अभियान के तहत पार्टी के वरिष्ठ नेता, सांसद, विधायक और पार्षद शामिल हुए। सचदेवा ने कहा कि मध्यम वर्ग और झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले लोग अरविंद केजरीवाल और आतिशी के खंडित वादों से तंग आ चुके हैं। दयनीय परिस्थितियों में रहने को मजबूर ये नागरिक आप को दिल्ली से बाहर करेंगे। विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लेने वालों में दुष्यंत गौतम, रामवीर सिंह बिधूड़ी, योगेंद्र चंदोलिया, कमलजीत सहरावत, विजेंद्र गुप्ता और मीनाक्षी लेखी समेत कई नेता शामिल थे।

केन्द्रीय एजेंसियों ने दो लाख से अधिक झुग्गीवालों को किया बेघर : आप

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): भाजपा के प्रदर्शन को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। एक बयान जारी कर आप ने कहा कि पिछले दो सालों में डीडीए, रेलवे और एलएनडीओ सहित केन्द्र सरकार की एजेंसियों द्वारा 200,000 से अधिक गरीब झुग्गीवालों को बेघर किया गया है। जबकि ये लोग एजेंसियों से लगातार इन बस्तियों को ध्वस्त करने के लिए अदालत के आदेश मांगते रहे। वहीं पुनर्वास की कमी के चलते अराजकता पैदा हो गई जिससे विस्थापित परिवार फुटपाथों या अस्थायी आश्रयों में रहने को मजबूर हैं। इन डेमोलेशन के चलते बेरोजगारी हुई और अनगिनत बच्चों की शिक्षा बाधित हुई।

बिधूड़ी ने की गांवों में 20 करोड़ की योजनाओं की शुरुआत

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : दक्षिण दिल्ली से भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने आज संसदीय क्षेत्र में कई विकास परियोजनाओं की शुरुआत की और इलाके का दौरा भी किया। इन विकास कार्यों पर 20 करोड़ रुपए का खर्च होने का अनुमान है। बिधूड़ी ने नेबसराय में दो बारात घरों का शिलान्यास किया। क्षेत्र के लोग काफी समय से इसकी जरूरत महसूस कर रहे थे। नेबसराय की गलियों और पार्क के सौंदर्यीकरण कार्य की भी शुरुआत की गई। बिधूड़ी ने बताया कि इन कार्यों पर 6.5 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक करतार सिंह तंवर ने की और निगम पार्षद उमेद सिंह फोगाट भी उपस्थित रहे।

भावंजलि में 'एक थी चिड़िया' पर चर्चा

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : साहित्य अकादमी के रवींद्र भवन में कस्तूरी द्वारा आयोजित कार्यक्रम भावंजलि में स्वर्गीय फूलचंद यादव जी को उनकी रचना "एक थी चिड़िया" के माध्यम से याद किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ कस्तूरी की अध्यक्ष दिव्या जोशी ने किया, जिसमें उन्होंने एक पुत्र द्वारा पिता को याद रखने और उनके दिये संस्कारों को पल्लवित करने की बात कही। उसके बाद डॉ. महाशेर हुसैन ने फूलचंद जी की कविता युवा का पाठ किया। भाषा विज्ञानी कमलेश कमल ने फूलचंद की दृष्टि को रामचरितमानस से जोड़ा। मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. संध्या वात्स्यायन ने पुस्तक पर व्याख्यान देते हुए बताया कि फूलचंद की रचनाओं में प्रभु श्री राम के प्रति आस्था दिखाई देती है और उनकी कविताएं देश प्रेम, प्रकृति प्रेम और नैतिक मूल्यों को लेकर आगे चलती हैं। वरिष्ठ बाल साहित्यकार दिविक रमेश ने कहा कि आज बाल साहित्य को ऐसी रचनाओं की आवश्यकता है।

स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज

देश भर में अपनी अमृत धारा से सत्य की अनुभूति देशवासियों को कराने वाले राष्ट्र संत गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज के सौजन्य से लाखों लोग लाभ उठा रहे हैं उनके प्रवचनों पर आधारित यह ज्ञान गंगा पाठकों का कल्याण करेगी ऐसा विश्वास है।

जगत में निरर्थक उम्मीदें छोड़ दो

यदि अंधानुकरण में ही लगे रहे तो आपके कटु अनुभव एवं जीवन की दुखद परिस्थितियां समय पाकर आपको विवश कर देंगे- इसी भाव पर चिंतन करने के लिए।

जगत में निरर्थक आशाएं छोड़ो

क्या लाभ होगा इससे? जब दुखों के कुठाराघात एवं तुषारापात सहन करने के पश्चात आना इसी विचार पर है तो क्या नहीं पहले से ही सचेत हो जाते? संसार का मार्ग कंटकाकीर्ण है, कांटों की तेज नोकें पग-पग पर चुभकर शरीर को छलनी-छलनी कर देंगी। दुनिया के रास्ते ऊबड़-खाबड़ हैं, इन पर चलने से ठोकरें लगना स्वाभाविक ही है। सीधे मार्ग को छोड़कर टेढ़े पर चलें और कहें कि ठोकर न लगे यह कैसे संभव होगा? क्यों नहीं, सीधे-सुखद मार्ग का अनुसरण करते? अपूर्व हिन्दू संस्कृति एवं सभ्यता के अनमोल ग्रंथ यही चेतावनी दे रहे हैं 'अनित्यम सुखम, ब्रह्म सत्यं जगन्मिथ्या' और संत-महापुरुष भी समय-समय पर यही सदुपदेश करते रहते हैं।

वह यही समझाते रहते हैंऌछोड़ो इस मिथ्या जगत से झूठी-निरर्थक आशाएं और अपने इस लघु जीवन में उसे पहचानने का प्रयास करो जो इस असार संसार का एकमात्र सार है, आपके जीवन का आधार है और सच्चे सुख का स्रोत है। इन सबके बावजूद आप अपने को विपरीत पथ का अनुगामी बनाना चाहते हैं, क्या होगा आपका? कृपा हो उस कृपामय प्रभु की आप पर इससे अधिक भला और हम कह ही क्या सकते हैं?

अनित्य से नित्य की आशा-

जिसके पास जितनी क्षमता है, वह उसी मात्रा में आपको कुछ दे पाएगा या उससे अधिक? एक किलो दूध के बर्तन में से आप डेढ़ किलो दूध की मांग करें, कैसे पूरी होगी आपकी यह मांग? संसार के अनित्य एवं अपूर्ण प्राणी-पदार्थों से आप नित्य और पूर्णऍंाति की अभिलाषा रखे हुए हैं, क्या ऐसा हो पाएगा? क्या इस ढंग से आपकी अभिलाषा की पूर्ति हो सकेगी? इच्छा करते हुए आपने कभी सोचा नहीं, कभी इसकी गहराई में गए नहीं कि कैसे-किस आधार पर यह इच्छा की जा रही हैऍंऔर अब दोष देना चाहते हैं संसार को। इन प्राणी-प्रदाथों को दोष दे रहे हैं कि इन्होंने हमारी तृप्ति नहीं की, हमें पूर्णानंद नहीं दिया, सोचें तो सही कहां तक उचित है आपकी यह विचारधारा? यदि न्यायालय में मुकदमा चले तब वे प्राणी-पदार्था बरी हो जाएंगे इसी तर्क पर कि इसमें हमारा क्या दोष है? क्यों नहीं हमारी इच्छा करने से पहले इसने हमारा स्वाभाव जाना? हम तो वही दे सकते हैं जो हमारे पास है। कहिए क्या इसके आगे कोई तर्क, कोई युक्ति बन पाएगी आपसे? क्या कुछ भी बोल सकेंगे आप इस विचार के समक्ष?

सृष्टि में स्थिरता नहीं है-

यह स्वीकार करना होगा कि दोष आपका है, केवल आपका। सृष्टि को सृष्टिकर्ता ने बनाया ही इसी ढंग से है कि इसमें क्षणमात्र की भी स्थिरता नहीं है। यदि किसी को अपना मित्र या जीवनसाथी बनाना होता है तो पहले आप उसका स्वभाव जान लेना चाहते हैं कि कहीं धोखा तो नहीं दे जाएगा, कुछ कालोपरांत? संसार में जिसके साथ आपको आजीवन व्यवहार करना है, क्या, कभी उसके स्वभाव को भी आपने जानने का प्रयास किया? क्या, कभी सोचा कि यदि यह धोखा दे गया तो..? आप संसार के आश्रय से अपनी जीवन रूपी गाड़ी को अंधाधुंध धक्के लगाते जा रहे हैं।

यदि बीच मार्ग में ही यह आश्रय टूट गया तब क्या होगा, आपके जीवन रूपी इस गाड़ी का? सचमुच! अत्यंत खेद एवं निराशा का विषय है यह। इससे बढ़कर किसी अन्य दुर्भाग्य की क्या, कभी कल्पना की जा सकती है? बुद्धि होते हुए भी अपने ही हित-अहित के विषय में विचार न करना।

संसार क्या है, प्राणी-पदार्थ किस स्वभाव वाले हैं, किसी की कैसी प्रकृति है, यह सब तो छोड़ें एक तरफ! काश! इस प्रश्न पर मानव अपने को एकांत के कुछ क्षण स्वतंत्र चिंतन में निमग्न कर देता कि मेरा अपना हित किसमें हैं? सुखी जीवन का क्या रहस्य है? जीवन की सार्थकता कैसे हो सकती है?

(क्रमशः)

व्रत एवं त्योहार अक्तूबर 2024

पर्व	तिथि	वार
सोम पंचमी	21 अक्तूबर	सोमवार
हेमंत ऋतु आरंभ	22 अक्तूबर	मंगलवार
बुध सप्तमी, भद्रा	23 अक्तूबर	बुधवार
अहोई अष्टमी, कालाष्टमी	24 अक्तूबर	गुरुवार
शुक्र नवमी	25 अक्तूबर	शुक्रवार
शनि दशमी	26 अक्तूबर	शनिवार
रमा एकादशी	27 अक्तूबर	रविवार

अहोई

इस बार कार्तिक महीने की कृष्णपक्ष अष्टमी 24 अक्तूबर गुरुवार को पड़ रही है और यह अहोई माता पूजन का दिन है। संतान दीर्घायु के लिए यह व्रत रखा जाता है। अष्टमी के दिन तारों की छांव में शाम को अर्घ्य दिया जाता है और अहोई अष्टमी पूजन किया जाता है। दीवारों पर माता का चित्र और संतान वृद्धि के लिए पूजा की जाती है। अहोई माता बच्चों को बुरी नजर से बचाती है। माता को प्रसाद अर्पित करने के बाद वह प्रसाद बच्चों को उपहारों सहित दिया जाता है। महिलाएं शाम को जल अर्पित करने के बाद ही यह व्रत खोलती है।

आध्यात्मिकता की पवित्र झांकी-श्रीरामशरणम पानीपत

उद्घाटन दिवस 21-10-2024, प्रातः 9.30 से 10.45 बजे तक

आज जब कलयुग अपनी चरम सीमा की ओर अग्रसर है जिसके कारण चारों ओर हाहाकार, अशांति एवं तपिश का वातावरण बना हुआ है ऐसे में एक स्थान ऐसा भी है जिसके स्मरण-मात्र से ही मन शान्त होने लगता है, शीतलता का अनुभव होता है वो स्थान है श्रीरामशरणम् पानीपत,। यह वो आध्यात्मिक आश्रय है जहां माया का दुष्प्रभाव नहीं पड़ता और यहां आने वाले साधक आध्यात्मिक उन्नति की ओर अग्रसर होते हैं। इस स्थान का विशेष आध्यात्मिक बल इसलिए है क्योंकि यह महान संत स्वामी सत्यानन्द जी की महान देन है। सन् 1960 में उन्होंने परमेश्वरीय वाणी सुनकर इसकी स्थापना करवाई। महाराज जी ने इस का संकेत अपने प्रवचनों में भी किया- मैं तो अपनी जीवन-यात्रा समाप्त कर चुका था, पर कोई काम राम ने लेने होंगे, इसके लिए उसने इस देह-दीये में अपनी शक्ति का तेल डाला है। यह शुभ दिन था 1960 की करवाचौथ की अगली प्रातः।

अपनी आयु के अन्तिम पड़ाव पर उनके मन में इतना बड़ा कार्य करने के इस संस्कार को इसलिए बल मिला क्योंकि उनको विश्वास था कि कोई एक दिव्य आत्मा है जो उनके पश्चात् इस स्थान की पवित्रता एवं गौरव को ना केवल सम्भालेगी अपितु इस का प्रकाश चहुं ओर फैलाएगी और वो दिव्य आत्मा थी मां शकुन्तला जी। पूज्य बाबा के विश्वास को अपने निष्काम कर्मों की सुगन्ध से ऐसा माहकाया कि चहुं दिशा से यहीं आने वालों का तान्ता लगने लगा। पूज्य मां के दिव्य दर्शन सबको अपनी ओर इतना आकर्षित करते कि वो यहीं के होकर रह जाते। पूज्य मां का सबसे बड़ा उपकार यह रहा कि उन्होंने मां दर्शी जी को अपना स्वरूप, अपनी दिव्य शक्ति व दिव्य गुणों से मालामाल करके लोगों के कल्याण हेतु समर्पित कर दिया ताकि यह पवित्र धारा यूं ही बहती रहे। पूज्य माँ के विश्वास को पूज्या दर्शी मां ने उसी विश्वास से पूरी तरह निभाया। तप, त्याग, से अपने आपको मिटा कर इसे सुरक्षित ही नहीं रखा अपितु और भी बढ़ाया। इन सन्तों की कृपा के स्वरूप में ढ़ल कर इस स्थान की सकारात्मक तरंगे चारों दिशाओं में फैलने लगी। भक्ति, प्रेम, मैत्री एवं करूणा का सन्देश चहुं ओर गूंजने लगा। श्रीरामशरणम, पानीपत रूपी कल्पवृक्ष को शाखाएं उत्तर-भारत, दक्षिण भारत देश और विदेश कई स्थानों पर फैल गई तथा इस प्रकार हजारों लाखों लोग इस से जुड़कर मानव जीवन के वास्तविक लक्ष्य को पाने में अपनी आत्मा को जागृत करने में लगे हुए हैं। यहां वर्ष-भर होने वाले अनेकों कार्यक्रमों में साधकों को भक्ति के विभिन्न स्वरूपों के दर्शन होते हैं। जहां रामनवमी के अवसर पर दो महीने रामायण के सुमधुर पाठ से प्रभु राम के प्रभुत्व, मर्यादा एवं सुन्दर चरित्र के दर्शन होते हैं। वहां जन्माष्टमी पर 18 दिन श्रीमद्भगवगीता के पाठ द्वारा ज्ञान सागर में डुबकियां लगाकर सुख के वास्तविक स्वरूप को समझते हैं। गुरू और भगवान के सम्मुख बैठकर यदि ज्ञान सागर से एक बूंद भी भीतर उत्तर जाए तो जीने का अन्दाज ही बदल जाता है। नव-वर्ष, रामनवमी तथा व्यासपूर्णिमा पर तो अपार जन-समूह उमड़ता है और आत्मिक सुख लेकर लौटता है। अन्य कार्यक्रम भी वर्ष-भर चलते रहते हैं जिन की बौछार में भीगने के लिए साधक निरन्तर आते रहते हैं। पूज्य मां के शुभ दर्शन पाकर यहां आने वालों की उमंग देखते ही बनती है। आध्यात्मिकता को पूर्णता की ओर ले जाने के लिए सेवा भी अति आवश्यक है।

यह संस्था सेवा कार्यों में भी पूरी तरह जुड़ी हुई है। शिक्षा के क्षेत्र में मेधावी एवं गरीब बच्चों को आर्थिक सहायता देकर, गरीब परिवारों को निः शुल्क होम्योपैथिक तथा ऐलोपैथिक चिकित्सा उपलब्ध करा कर तथा और भी जरूरतमन्दों की सहायता करके आध्यात्मिकता के वास्तविक स्वरूप को सार्थक कर रही है। इस वर्ष उद्घाटन दिवस 21 अक्तूबर सोमवार को है। यह शुभ दिन गुरूजनों के उपकारों को स्मरण करते हुए उनके प्रति आभार व कृतज्ञता प्रकट करने का दिन है। उनकी अनन्त कृपाओं व असीम अनुकम्पाओं के लिए उनके श्री चरणों में कोटि-कोटि नमन करते हैं।

सत्गुरु माता सुदीक्षा जी महाराज

निरंकारी बाबा हरदेव सिंह

धर्म जोड़ता है तोड़ता नहीं

कहने का तात्पर्य है कि महापुरुषों ने अनेकता में एकता की बात की है, बंटने की नहीं, जुड़ने की बात की है। इसीलिए, मिशन का नारा भी है कि धर्म जोड़ता है, तोड़ता नहीं। जो तोड़ने में लगा रहता है, वह धर्म हो ही नहीं सकता। जो इंसान को इंसान से जोड़ने का काम करता है, इंसान, इंसान के दरम्यान की दूरियों को समाप्त करता है, वह धर्म हुआ करता है।

धर्म की पहचान ही यही है। इसलिए जो जुड़ते हैं, जोड़ते हैं वही सच्चे धार्मिक होते हैं, वही सच्चे सज्जन होते हैं। यही आस की जाती है कि इंसानों को सुमति मिले ताकि सभी जुड़कर रहें और औरों को भी जोड़ने का काम करें न कि तोड़ने का काम करें न कि दूरियां पैदा करने का काम करें। तमाम पैगम्बरों ने मिलवर्तन की ही बात की है। हमारी भाषा अलग रहेगी। कहीं पंजाबी, कहीं गुजराती, कहीं मराठी, राजस्थानी, असमिया, बंगला, कितनी-कितनी भाषाएं हैं।

(क्रमशः)

जहां अंधेरा हो वहां दीपक का महत्व है

सामान्य से दिखने वाले के लिए धर्मराज ने अपने आसन से उठकर उसका अभिनंदन किया, दूसरे को बस एक दृष्टि भर देख लिया। दूसरे ने कहा, अरे धर्मराज, ये क्या! मैंने इतने मंदिर बनवाए, इतनी धर्मशालाएं बनवाईं, मंदिरों में असंख्य दीप प्रज्ज्वलित किए लेकिन आपने इस सामान्य से व्यक्ति का उठकर सम्मान किया! ऐसा क्यों? धर्मराज ने मुस्कुराकर उसकी ओर देखते हुए कहा, महात्मा, तुमने असंख्य दीप वहीं प्रज्ज्वलित किए, जहां पहले से ही अनेकों दीप जगमगा रहे थे। इसने भले ही एक दीप जलाया लेकिन वहां, जहां गहन अंधकार छाया हुआ था, इसलिए मुझे स्वयं खड़े होकर इसका स्वागत करना पड़ा। चलो हम भी वहां आशा का, ज्ञान का एक दीप जलाएं, जहां अभी भी अंधेरा है। उन नन्हें नवजातों को अनाथ न कहो जिन्हें वक्त ने जीवन के दोराहे पर अकेला छोड़ दिया। यह कहना मनुष्यता का अपमान है। उन्हें नाजायज भी न कहो, क्योंकि रिश्ते नाजायज हो सकते हैं लेकिन संतान नहीं। वो तो सनातन की संतान होते हैं। अनगढ़ पत्थर जैसी वह संतान यदि किसी कुशल कलाकार के हाथों में आ गई तो फिर वह सुंदर रूप पाकर किसी देवालय में पूजी जाएगी। आपका एक नन्हा सा सहयोग भी इन बच्चों के भीतर देश के लिए प्रतिभाशाली नागरिकों का निर्माण कर सकता है। बस आपको केवल उस बच्चे की मनःस्थिति को एक बार अपने भीतर जीना पड़ेगा।

दीदी मां ऋतंभरा

(क्रमशः)

केसरी सूडोकू- 2982

8		9		1			6	
			8	9		3		
	1		3			2		
2					4	6		
6								1
		3	1					2
		8			1		4	
		4		7	9			
	9			3		1		5

हल करने का तरीका

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।
- आड़ी व खड़ी पंक्ति में और 3x3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सूडोकू 2981 का हल

8	5	9	1	7	3	2	4	6
4	7	6	9	5	2	8	3	1
2	3	1	4	6	8	5	9	7
7	1	3	6	8	9	4	2	5
9	4	2	3	1	5	6	7	8
6	8	5	2	4	7	9	1	3
1	9	8	7	2	6	3	5	4
3	6	7	5	9	4	1	8	2
5	2	4	8	3	1	7	6	9

सर जेरे बारे मिन्नतें दरबां किए हुए

सर जेरे बारे मिन्नते दरबां किए हुए॥

नीज इसमें हर वक्त इबादत में मश्गूली है कि आदमी सोते-जागते हर वक्त इबादत में शुमार होता है और अल्लाह के साथ तकर्रुब है।

रात को खुद जागते और घर के लोगों को भी जागने का एहतमाम फरमाते थे, जैसा कि सहीहैन की मुतअद्दिद रिवायात से मालूम होता है। बुखारी व मुस्लिम की रिवायात में हजरत आइशा रजियल्लाहु अन्हा फरमाती हैं कि अखीर अश्रे में हुजूर सल्ल. लुंगी को मजबूत बांध लेते और रातों का एह्या फरमाते और अपने घर के लोगों को भी जगाते। लुंगी मजबूत बांधने की कोशिश में एहतमाम की ज्यादती भी मुराद हो सकती है और बिवियों से बिल्कुल्लिया एहतराज भी मुराद हो सकता है।

फजाइले अमाल

पांचवां अम्रे जरूरी यह है कि हदीसे बाला में ईद की रात को इन्आम की रात से पुकारा गया इस रात में हक तआला शानुहू की तरफ से इन्आम दिया जाता है, इसलिए बंदों को भी इस रात की बेहद कद्र करनी चाहिए। बहुत से लोग, अवाम का तो पूछना ही क्या, खवास भी रमजान के थके-मांदे इस रात में मीठी नींद सोते हैं। हालांकि यह रात भी खुसूसियत से इबादत में मशगूल रहने की है।

पैगंबर साहब का इर्शाद है कि जो शख्स सवाब की नीयत कर दोनों ईदों में जागे और इबादत में मशगूल रहे, उसका दिल उस दिन न मरेगा, जिस दिन सबके दिल मर जाएंगे (यानी फित्ना व फसाद के वक्त) जब लोगों के कुलूब पर मुरदनी छा जाती है, उसका दिल जिंदा रहेगा और मुमकिन है कि सूर फूंके जाने का दिन मुराद हो कि उसकी रूह बेहोश न होगी।

एक हदीस में इर्शाद है कि जो शख्स पांच रातों में (इबादत के लिए) जागे, उसके वास्ते जन्नत वाजिब हो जाएगी- लैलतुल तरविया (आठ जिल हिज्जा की रात), लैलतुल अरफा (9 जिल हिज्जा की रात), लैलतुल नह्र (10 जिल् हिज्जा की रात) और ईदुल फित्र की रात और शबे बरात यानी 15 शाबान की रात।

फुकहा ने भी ईदैन की रात में जगाना मुस्तहब लिखा है 'मा स-ब-त बिस्सुन्नः में इमाम शाफई साहब रह. से नकल किया है कि पांच रातें दुआ की कुबूलियत की हैं, जुमे की रात, ईदैन की रातें, गुर्रा-ए-रजब की रात और निस्फ शाबान की रात।'

फ़ : हक तआला शानुहू ने कुरआन पाक में बहुत से अह्कामात इर्शाद फरमाए हैं। नमाज, रोजा, हज वगैरह और बहुत से अंबिया-ए-किराम की तौसीफें और तारीफें भी फरमाईं। उनके बहुत से एजाज व इक्राम भी फरमाए। हजरत आदम अला नबीयिना व अलैहिस्सलातु वस्सलामु को पैदा फरमाया,

(क्रमशः)

श्रीमद्भगवद् गीता - सुगम हिंदी व्याख्या

ब्रह्मा के दिन-रात और योगी के शुक्ल कृष्ण मार्ग

अंतकाल में भी मैं जो अधिभूत और अधिदैव-तथा रूप अधियज्ञ यथैव भाव मानते रहस्य वे इस प्रकार से मुझे जानते - दृढ़ता से ये युक्त चित्त वाले मनुष्य वे-समझें सारे ही अन्त काल हो बोध उन्हें भी मुझे प्राप्त हो जाते वे भी

तत्सदिति श्रीमद्भगवद्गीता सूपनिषत्सु ब्रह्मविद्यायां योग शास्त्रे श्रीकृष्णार्जुन संवादे ज्ञानविज्ञानयोगो नाम सप्तमोऽध्यायः ॥

इस अध्याय में भगवान मनुष्य के अन्तकाल के स्मरण का परिणाम, ब्रह्मा के दिन-रात, योगी के शुक्ल-कृष्ण मार्ग आदि का वर्णन करते हैं।

सम्बन्ध - श्रीभगवान ने अध्याय 7 के अन्तिम श्लोक 29 और 30 में अपने समग्र रूप का वर्णन करते हुये ब्रह्म, अध्यात्म, कर्म, अधिभूत, अधिदैव और अधियज्ञ-इन 6 शब्दों का प्रयोग किया और इस समग्र रूप को जानने वाले योगियों को अन्तकाल में अपनी प्राप्ति बतायी। इसको सुनकर इन 6 शब्दों को स्पष्ट रूप से समझने के लिये अर्जुन अब 7 प्रश्न करते हैं।

प्यारे लाल त्रिवेदी

अर्जुन उवाच किं तद्ब्रह्म किमध्यात्मं किं कर्म पुरुषोत्तम। अधिभूतं च किं प्रोक्तमधिदैवं किमुच्यते ॥

अर्जुन ने कहा- हे पुरुषोत्तम ! वह ब्रह्म क्या है ? अध्यात्म क्या है ? कर्म क्या है? अधिभूत किसको कहा गया है और अधिदैव किसको कहते हैं?

अधियज्ञः कथं कोऽत्र देहेऽस्मिन्मधुसूदन । प्रयाणकाले च कथं ज्ञेयोऽसि नियतात्मभिः ॥

हे मधुसूदन- यहां अधियज्ञ कौन है? और वह इस देह में कैसे है? तथा युक्तचित्तवाले मनुष्य द्वारा अन्त काल में आप किस प्रकार जानने में आते हैं ?

दोहा - बोले अर्जुन हे प्रभो, पुरुषोत्तम सर्वज्ञ । अधिभूत अधिदैव अरु, कौन यहां अधियज्ञ।।

कर्म ब्रह्म अध्यात्म क्या, मधुसूदन सर्वेश। कैसे है इस देह में, वह अधियज्ञ विशेष ।।

तुमसे अनन्यता जिनकी संसार से विमुखता-युक्तचित्त अन्तकाल वे किस स्वरूप को-किस प्रकार जानते आपको

सम्बन्ध - भगवान उत्तर देते हैं।

श्रीभगवानुवाच

अक्षरं ब्रह्म परमं स्वभावोऽध्यात्ममुच्यते । भूतभावोद्भवकरो विसर्गः कर्मसञ्ज्ञितः ॥

श्रीभगवान् ने कहा - परम अक्षर ब्रह्म है। जीव का अपना जो होनापन है अथवा अपना स्वरूप अर्थात् जीवात्मा अध्यात्म नाम से कहा जाता है। प्राणियों का उद्भव करने वाला जो त्याग है, वह कर्म कहा गया है।।

बोले श्रीभगवान सनातन-सुनो भाव शब्दों का अर्जुन कहते ब्रह्म परम अक्षर को-निर्गुण निराकार ईश्वर को जिसको जीवात्मा कहते हैं-अध्यात्म भी उसे कहते हैं समस्त प्राणी महाकाल में विलीन होते मुझ अव्यय में पुनः सृष्टि के आदिकाल में- करता यह संकल्प स्वयं में मैं एक से अनेक बन रहा-यह विसर्ग वा त्याग कर रहा

दोहा - मेरे इस संकल्प से, कर्मों का आरम्भ।

महासर्ग के आदि यूं, सृष्टि पुनः प्रारम्भ।।

1-क प्राणी सब उत्पन्न हो, करने लगते कर्म । चलती कर्म परंपरा, यही सृष्टि का मर्म।।

अधिभूतं क्षरो भावः पुरुषश्चाधिदैवतम्। अधियज्ञो ऽहमेवात्र देहे देहभृतां वर ॥

क्षर अर्थात् उत्पत्ति-विनाश होने वाले सब पदार्थ अधिभूत कहे जाते हैं। पुरुष अध्याक्षर अर्थात व बह्मा जी अधिदैव हैं।

(क्रमशः)

क्यों लिखी गई रामायण

प्रश्नकर्त्ता ने पूछा, तो क्या इसलिए रामायण लिखी कि राम मर्यादा पुरुषोत्तम थे? तुलसी दास ने कहा, नहीं मर्यादा पुरुषोत्तम तो अन्य कई पुरुष भी हुए हैं। श्री राम की मर्यादा से प्रभावित बनकर भी मैने रामायण की रचना नहीं की है। प्रश्न ने अपने प्रश्न को आगे बढ़ाया, तो क्या श्री राम के सत्य से आप प्रभावित बने? तुलसीदास बोले, हरिश्चन्द्र क्या कम सत्यवादी थे? श्री राम का सत्य भी मेरी रचना का प्रेरणा स्त्रोत नहीं रहा है। प्रश्नकर्त्ता ने भक्ति विह्ल बनका पुछा, फिर श्रीराम के किस चमतकार से चमत्कृत बनकर आपने रामायण की रचना की? तुलसीदास ने गदगद बनकर कहा, श्रीराम की जिस चामत्कारिक महिमा ने मुझे सर्वाधिक भाव विभोर किया तथा रामायण लिखने के लिए प्रेरित किया वह है श्री राम की समता- साधना। संध्या को श्रीराम के राज्यभिषेक की तैयारियां हो रही थीं।

एक कथा है, एक वृद्ध सम्राट ने अपने तीन पुत्रों में से किसी एक को अपना उत्तराधिकारी चुनने के लिए उनकी परीक्षा ली। अपने तीनों पुत्रों को एक -एक स्वर्ण मुद्रा देते हुए उसने कहा कि वे इससे अपने-अपने कक्ष को भरें। बड़े राजपुत्र ने बहुत सोच-विचार किया और जमादार को आदेश देकर अपने कक्ष को नगर के कूड़े से भरवा दिया। वह समझाता था कि एक स्वर्णमुद्रा से इतनी मात्रा में कूड़ा ही खरीदा जा सकता है जिससे कक्ष भर सके। मंझले राजपुत्र ने अपने कक्ष को घास-फूस से भरवा दिया। छोटे राजपुत्र ने अपने कक्ष में कुछ दीपक जलाए, कुछ अगरबत्तियां जलाईं और एक छोटी-सी सितार लेकर उसे बजाने लगा। सांझ को सम्राट आया। बड़े बेटे के कक्ष से उठ रही दुर्गंध देखकर वह सत्य को जान गया। उसने उसे दुत्कार दिया। मंझले बेटे के कक्ष को देखकर वह उदासीन बन गया। छोटे बेटे के कक्ष को प्रकाश, सुगंध और संगीत से पूर्णऍाकर सम्राट गद्गद् बन गया और उसने छोटे पुत्र को अपना उत्तराधिकारी घोषित कर दिया। यह जीवन एक कक्ष है और आयुष्य एक स्वर्ण मुद्रा है। प्रत्येक मनुष्य को जीवन रूपी कक्ष और मनुष्य रूपी स्वर्णमुद्रा समान रूप में मिली है। कुछ लोग अपने जीवन रूपी कक्ष को भोग विलास रूपी गंदगी से भरने में ही अपनी सफलता मानते हैं, कुछ धन, दौलत, मान-प्रतिष्ठा आदि घास-फूस से भरने में ही अपनी कुशलता देखते हैं। कुछेक मनुष्य हैं जो अपने जीवन रूपी कक्ष को प्रेम, श्रद्धा और सत्य से सजाते हैं। प्रेम प्रकाश है।

मुनि मणिभद्र

श्रद्धा सुगंध है और सत्य संगीत है। यही जीवन का श्रेयस का तत्व है। इसी से मनुष्य परमात्मा के साम्राज्य का अधिकारी बनता है। भोग-विलास नश्वर हैं। क्षणिक हैं। धन, दौलत, मान प्रतिष्ठा क्षणिक है। प्रेम शाश्वत है। श्रद्धा शाश्वत है। और सत्य शाश्वत है। यही आत्मा के सच्चे श्रृंगार हैं। यही आत्मा की वास्तविक संपदा है। एक ऐसी संपदा जो कभी नष्ट नहीं होती है। जो कभी मरती नहीं है। निःसंदेह जीवन क्षणिक है। परंतु क्षणिक जीवन को हम प्रेम के प्रकाश से प्रकाशित बना सकते हैं। इस छोटे से जीवन में हम प्रेम के माध्यम से समष्टि को अपना बना सकते हैं। जीवन क्षणिक है। पर श्रद्धा की सुगंध से इस जीवन और जगत को हम सुगंध से परिव्याप्त बना सकते हैं।

(क्रमशः)

रिश्ता रखना है तो कैसा -झगड़ा और जब रिश्ते रखने ही नहीं तो फिर -ागड़े की वजह भी नहीं।

R.N.I. No. 404 74/83, Postal Regn.No. DL(N)/0169/2018-20, Posted at Delhi RMS Delhi-6

ग्लोबल Window

45 वर्ष की हुईं नरगिस फाखरी

मुंबई, (पंजाब केसरी) : बॉलीवुड की रॉकस्टार गर्ल नरगिस फाखरी आज 45 वर्ष की हो गयीं। नरगिस फाखरी का जन्म 20 अक्टूबर 1979 को क्वीन्स, न्यूयॉर्क में हुआ था। नरगिस की मां मैरी फाखरी क्रिश्चियन थीं, जबकि पिता मोहम्मद फाखरी पाकिस्तानी थे। जब नरगिस छह साल की थी तो उनके माता-पिता का तलाक हो गया था। कुछ साल बाद उनके पिता की मृत्यु हो गई। नरगिस फाखरी ने अपने करियर की शुरुआत 16 साल की उम्र में एक मॉडल के रूप में की थी। इसके बाद उन्होंने अमेरिका के नेक्स्ट टॉप मॉडल (2004) में हिस्सा लिया। इसके बाद उन्होंने अमेरिका में पेशेवर रूप से मॉडलिंग की। उन्होंने कई मॉडलिंग एजेंसी के साथ ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, स्विटजरलैंड, थाईलैंड, हॉन्गकॉन्ग, जर्मनी और ब्रिटेन आदि देशों में काम किया।

उत्तरी गाजा में इजराइल का कहर, 100 से ज्यादा मरे

दीर अल-बलाह (गाजा पट्टी), (एपी): उत्तरी गाजा में कई मकानों पर इजराइली हमलों में 100 से ज्यादा लोग मारे गए हैं या लापता हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि बेत लहिया शहर पर शनिवार को रातभर और रविवार को हुए हमलों में 40 लोग घायल भी हुए हैं। गाजा के उत्तरी छोर पर स्थित बेत लहिया, लगभग एक वर्ष पहले इजराइल के जमीनी हमले के पहले लक्ष्यों में से एक था। तीन अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार ये हमले ऐसे समय में हुए हैं जब अमेरिका वर्गीकृत दस्तावेजों को अनधिकृत रूप से जारी करने की जांच कर रहा है। एक अन्य अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि ये दस्तावेज वैध प्रतीत होते हैं। ईरान लेबनान में हमास और हिजबुल्ला आतंकवादी समूह का समर्थन करता है, जहां एक साल से बढ़ते तनाव ने पिछले महीने एक पूर्ण युद्ध का रूप ले लिया। बेत लहिया में हमलों पर इजराइली सेना की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई। इसने हालांकि कहा कि वह ''गाजा में हवाई हमलों और जमीनी अभियानों दोनों को जारी रखे हुए है। चिकित्सक रहीम खेदर के अनुसार मृतकों में दो दंपती और उनके चार बच्चे, तथा एक महिला, उसका बेटा और उसकी पुत्रवधू और उसके चार बच्चे शामिल हैं।

अगले लीडर का नाम गुप्त रखेगा हमास

यरुशलम, (आईएएनएस): याह्या सिनवार की हत्या के बाद हमास के सामने नए नेता को चुनने का सवाल खड़ा हो गया है। फिलिस्तीनी ग्रुप के अगले राजनीतिक ब्यूरो चीफ बनने की दौड़ में 5 उम्मीदवार शामिल हैं। यह जानकारी एक प्रमुख अरब दैनिक ने रविवार को हमास के सूत्रों के हवाले से दी। अरबी अखबार अशरक अल-अवसात ने बताया कि संगठन के भीतर इस मुद्दे को लेकर चर्चा का दौर जारी है। इसमें भाग लेने वाले लोग अगले नेता का नाम गुप्त रखने के पक्ष में हैं। प्रकाशन ने खुलासा किया कि हमास शूरा परिषद के अध्यक्ष मोहम्मद दरवेश के साथ संगठन के पोलित ब्यूरो के तीन सदस्य-खलील अल-हैया, मोहम्मद नज्जल और खालिद मेशाल-सिनवार के उत्तराधिकारी के रूप में सबसे आगे हैं। हमास के सूत्रों ने अशरक अल-अवसात को बताया कि अगले नेता के नाम को गुप्त रखने के मामले में संगठन में आम सहमति बनती जा रही है।

सिनवार का आईडीएफ ने जारी किया फुटेज

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): आईडीएफ ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल से मारे गए हमास चीफ याह्या सिनवार का फुटेज जारी किया है। इसमें वो परिवार समेत सुरंग से निकलता देखा जा सकता है। फुटेज 7 अक्टूबर 2023 का बताया जा रहा है जब इजराइल पर सरप्राइज अटैक किया गया था। इस क्लिप में सिनवार 7 अक्टूबर की शाम एक सुरंग से गुजरता हुआ देखा जा सकता है। कथित तौर पर वो इस दौरान यहीं छिपा रहा। 6 अक्टूबर की फुटेज में उसे परिवार और जरूरी सामान के साथ भागते हुए दिखाया गया है।

स्पोर्ट्स राउंडअप

"ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज ट्रेविस हेड भारत के खिलाफ 22 नवंबर से शुरू हो रही पांच टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले परिवार के साथ समय बिताने के लिये पाकिस्तान के विरुद्ध सीमित ओवरों की घरेलू श्रृंखला नहीं खेलेंगे। हेड दूसरी बार पिता बनने वाले हैं।"

भारत की आठ विकेट से हार

बेंगलुरु, (वार्ता): रचिन रविंद्र की शानदार बल्लेबाजी और गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत न्यूजीलैंड ने पहले टेस्ट मैच में भारत को आठ विकेट से हरा दिया हैं। इस जीत के साथ ही न्यूजीलैंड ने तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है और उसे 12 अंक हासिल हुये और वह डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में छठे से चौथे स्थान पर पहुंच गई। कल भारत को 462 के स्कोर पर समेटने के बाद न्यूजीलैंड को 107 रनों का लक्ष्य मिला। खराब रोशनी के कारण शाम को आगे का खेल नहीं हो पाया था। आज सुबह के सत्र में भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने न्यूजीलैंड के टॉम लैथम (शून्य) और उसके बाद डेवन कॉन्वे (17) को पगबाधा आउट मैच में वापसी की उम्मीद जगाई थी। लेकिन उसके बाद बल्लेबाजी करने आये विल यंग और रचिन रविंद्र ने धैर्यपूर्ण बल्लेबाजी करते हुए अपनी टीम को जीत दिला दी। विल यंग (नाबाद 48) और रचिन रविंद्र(39) रनों की पारी खेली। न्यूजीलैंड ने 27.4 ओवर में दो विकेट पर 110 रन बनाकर आठ विकेट से जीत दर्ज की। न्यूजीलैंड को 36 साल पर भारत में टेस्ट मैच में जीत मिली है। दोनों पारियों में शानदार बल्लेबाजी करने वाले रचिन रविंद्र, को प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया। भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह ने दो विकेट लिये। इससे पहले सरफराज खान और ऋषभ पंत के शानदार बल्लेबाजी की बदौलत भारत ने अपनी दूसरी पारी में 462 रन बनाकर शानदार वापसी की। सरफराज ने परिपक्वता और कौशल का प्रदर्शन करते हुए शानदार (150) रन बनाए, जबकि ऋषभ पंत ने विस्फोटक (99) रन बनाकर दर्शकों को रोमांचित कर दिया मगर वह शतक से चूक गए। दोनों बल्लेबाजों के बीच 150 रनों की साझेदारी हुई थी।

- दूसरी पारी में कोई चमत्कार नहीं कर सकी भारतीय टीम
- पहली पारी में 46 पर आउट होना भारी पड़ा
- 36 साल बाद भारत में टेस्ट जीतने में कामयाब रही कीवी टीम

स्कोर बोर्ड

भारत पहली पारी: 46 रन
न्यूजीलैंड पहली पारी: 402
भारत दूसरी पारी: 462
न्यूजीलैंड दूसरी पारी:
लाथम पगबाधा बो. बुमराह 00
डेवोन कॉन्वे पगबाधा बो बुमराह 17
विल यंग नाबाद 48
रचिन रविंद्र नाबाद 39
अतिरिक्त : 06
योग : 27.4 ओवर में 110
विकेट पतन : 1/0, 2/35
गेंदबाजी : बुमराह 8-1-29-2, सिराज 7-3-16-0, जडेजा 7.4-1-28-0, कुलदीप 3-0-26-0, अश्विन 2-0-6-0.

अच्छी चीजों को आगे ले जाना होगा

मैंने दूसरे दिन के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था, हम जानते थे कि यह चुनौतीपूर्ण होगा। हमें नहीं लगा था कि हम 46 रन पर ऑल आउट हो जाएंगे, लेकिन न्यूजीलैंड को श्रेय देना चाहिए। इससे हम मुकाबले में पीछे रह गए। अच्छी चीजों को आगे ले जाना होगा। हम पहले भी इन चुनौतियों का सामना कर चुके हैं, ऐसी चीजें होती रहती हैं। दो टेस्ट बाकी हैं, हम जानते हैं कि इसके लिए क्या करना होगा और अगले दो टेस्ट में हम अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे।

ईरान पर परमाणु हमला करेगा इजराइल!

'फाइव आइज' का एक्सक्लूसिव डॉक्यूमेंट पेंटागन से लीक, अमेरिका ने जांच शुरू की

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): ईरान के खिलाफ जवाबी कार्रवाई के लिए इजराइल की योजनाओं के बारे में अत्यधिक गोपनीय जानकारी लीक होने की खबर सामने आने के बाद हड़कंप मचा हुआ है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, दो अत्यधिक गोपनीय अमेरिकी खुफिया दस्तावेज लीक हुए हैं, जिनमें कथित तौर पर ईरान पर संभावित हमले के लिए इजराइल की सैन्य तैयारियों का खुलासा किया गया है। खुफिया जानकारी लीक होने से अमेरिका बेहद चिंतित है और इसकी जांच की जा रही है। 15 और 16 अक्टूबर की तारीख वाले ये दस्तावेज ईरान से जुड़े एक टेलीग्राम अकाउंट 'मिडिल ईस्ट स्पेक्टेटर' पर प्रकाशित किए गए थे। इन दस्तावेजों में कथित तौर पर ईरान पर संभावित हमले के लिए इजराइल की तैयारियों की जानकारी दी गई है।

खुफिया दस्तावेज में हैं टॉप सीक्रेट : इन दस्तावेजों को टॉप सीक्रेट के रूप में वर्णित किया गया है। उन पर ऐसे निशान हैं, जो बताते हैं कि इन्हें केवल अमेरिका और उसके 'फाइव आइज' (अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड और ब्रिटेन) सहयोगियों के पास ही होना चाहिए। दस्तावेज में हमले की तैयारियों में कथित तौर पर हवा से हवा में ईंधन भरने के अभियान, खोज और बचाव अभियान, और संभावित ईरानी हमलों की आशंका में मिसाइल सिस्टम की तैनाती शामिल है। इनमें बताया गया है कि इजराइल ईरान के खिलाफ हमले के लिए क्या तैयारी कर रहा है। एक दस्तावेज, जिसे नेशनल जियोस्पैशियल-इंटेलिजेंस एजेंसी ने संकलित किया है, में कहा गया है कि इस योजना में इजराइल द्वारा गोला-बारूद को इधर-उधर ले जाने की बात शामिल है। एक अन्य दस्तावेज में हवा से सतह पर मार करने वाली मिसाइलों से जुड़े इजराइली वायु सेना के अभ्यासों की जानकारी दी गई है। माना जा रहा है कि यह अभ्यास ईरान पर हमले की तैयारी के लिए किया जा रहा है।

पूर्व उप रक्षा मंत्री ने बताया लीक को खतरनाक

मध्य पूर्व के पूर्व उप सहायक रक्षा मंत्री और सेवानिवृत्त सीआईए अधिकारी मिक मुलरॉय ने कहा, "यदि यह सच है कि 1 अक्टूबर को ईरान के हमले का जवाब देने की इजराइल की सामरिक योजना लीक हो गई है, तो यह एक गंभीर उल्लंघन का मामला है।

अमेरिकी अधिकारियों में मची खलबली: एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि जांच इस बात की जांच कर रही है कि कथित पेंटागन दस्तावेज तक आखिर किसकी पहुंच थी। इस तरह के किसी भी लीक की जांच पेंटागन और अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के साथ-साथ एफबीआई द्वारा भी शुरू हो जाएगी। एफबीआई ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। सुरक्षा संकेत बताते हैं कि ये दस्तावेज संभवतः निचले स्तर के अमेरिकी सरकारी कर्मचारी द्वारा लिए गए होंगे। इजराइल लोगों में गुस्सा पैदा होना तय है। इजराइल 1 अक्टूबर को ईरान के मिसाइल हमले के जवाब में ईरान पर हमला करने की तैयारी में है। एक दस्तावेज ऐसा भी है जो संकेत देता है कि इजराइल के पास परमाणु हथियार भी हैं, जिसकी पुष्टि करने से इजराइल हमेशा इनकार करता रहा है।

दस्तावेज में कहा गया है कि अमेरिका ने ऐसा कोई संकेत नहीं देखा है कि इजराइल ईरान के खिलाफ परमाणु हथियार का इस्तेमाल करने की योजना बना रहा है। इजराइल के बीच समन्वय को भी चुनौती दी जा सकती है।

ईवीएम को हैक किया जा सकता है

न्यूयार्क, (एजेंसियां) : अमेरिकी बिजनेसमैन एलन मस्क ने दावा किया कि ईवीएम से चुनावों में धांधली की जाती है। अमेरिकी न्यूज एजेंसी एबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक मस्क ने कहा कि चुनाव बैलट पेपर से कराए जाने चाहिए। मस्क ने डोमिनियन कंपनी की वोटिंग मशीनों की एफिशिएंसी पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि फिलाडेल्फिया और एरिजोना के अलावा इन मशीनों का उपयोग और कहीं नहीं किया जाता। इन दोनों ही जगह पर रिपब्लिकन पार्टी की हार हुई। यह अजीब इत्तफाक है। मस्क ने कहा कि कंप्यूटर प्रोग्राम को हैक करना आसान है इसलिए इन पर भरोसा नहीं किया जा सकता।

मशीन बनाने वाली कंपनी ने आरोपों को गलत बताया : मस्क के आरोप को वोटिंग मशीन बनाने वाली कंपनी डोमिनियन ने गलत बताया है। कम्पनी के प्रवक्ता ने कहा कि डोमिनियन फिलाडेल्फिया राज्य में सर्विसेज नहीं देती है। साथ ही हमारा वोटिंग सिस्टम वोटर को बैलेट पेपर पर उसका दिया वोट कन्फर्म करवाता है। इसके अलावा हमने कई बार मशीन के वोट और बैलेट पेपर के वोट काउंट को मिलाकर ऑडिट किया है। इससे यह साबित होता है कि हमारी मशीन सही रिजल्ट देती है। अमेरिका में 5 नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने वाले हैं। रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प तीसरी बार चुनावी मैदान में हैं, वहीं डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस हैं। एलन मस्क इन चुनावों में खुलकर ट्रंप के समर्थन में प्रचार कर रहे हैं।

भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए : लावरोव

मॉस्को, (पंजाब केसरी) रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि रूस का मानना है कि भारत, ब्राजील और अफ्रीकी देशों को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। रविवार को सरकारी समाचार एजेंसी 'तास' ने एक खबर में यह जानकारी दी। 'तास' की खबर के अनुसार लावरोव ने एआईएफ ऑनलाइन को दिए साक्षात्कार में कहा, "भारत, ब्राजील के साथ-साथ अफ्रीकी देशों को काफी समय पहले सुरक्षा परिषद में स्थायी प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए था। इन देशों में दुनिया की बड़ी आबादी रहती है, जिसका प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है।" भारत सुरक्षा परिषद के स्थायी और अस्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाने समेत विभिन्न सुधारों के लिए वर्षों से किए जा रहे प्रयासों में सबसे आगे रहा है। भारत का कहना है कि 1945 में स्थापित 15 देशों की सुरक्षा परिषद 21वीं सदी के उद्देश्यों के लिए उपयुक्त नहीं है और समकालीन भू-राजनीतिक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित नहीं करती। भारत का कहना है कि वह भी सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनने का हकदार है। पिछले महीने, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीअर स्टार्मर, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में स्थायी सदस्यता के भारत के दावे का समर्थन किया था। भारत पिछली बार 2021-22 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का अस्थायी सदस्य बना था।

- भारत, ब्राजील के साथ-साथ अफ्रीकी देशों को काफी समय पहले सुरक्षा परिषद में स्थायी प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए

न्यूजीलैंड ने पहली बार जीता टी20 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका को 32 रन से हराया

दुबई, (भाषा) अनुभवी अमेलिया केर के हरफनमौला खेल के दम पर न्यूजीलैंड ने महिला टी20 विश्व कप के फाइनल में रविवार को यहां दक्षिण अफ्रीका को 32 रन से हराकर पहली बार इस खिताब को अपने नाम किया। 'प्लेयर ऑफ द मैच' केर ने बल्ले से सबसे ज्यादा 43 रन बनाने के बाद तीन विकेट चटका कर मैच पर न्यूजीलैंड का दबदबा कायम किया। उन्होंने ब्रूक हैलिडे (38) के साथ चौथे विकेट के लिए 44 गेंद में 57 रन की साझेदारी कर बड़े स्कोर की नींव रखी। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर पांच विकेट पर 158 रन बनाने के बाद पिछली बार की उपविजेता टीम दक्षिण अफ्रीका को नौ विकेट पर 126 रन पर रोक कर चैम्पियन बनने के उसके सपने को पूरा नहीं होने दिया। दक्षिण अफ्रीका के लिए कप्तान लौरा वुलवार्ट ने 27 गेंद में 33 रन का योगदान दिया लेकिन उन्हें टीम के दूसरे बल्लेबाजों से अच्छा योगदान नहीं मिला। न्यूजीलैंड के लिए केर के अलावा रोजमेरी मेयर ने भी तीन विकेट चटकाये। ईडन कार्सन, फ्रैन जोनस और हैलिडे को एक-एक सफलता मिली। केर ने 38 गेंद की पारी में चार जबकि हैलिडे ने 28 गेंद की अपनी आक्रामक पारी में तीन चौके लगाये। टीम के लिए, सूजी बेट्स ने भी 31 गेंद में तीन चौकों की मदद से 32 रन का योगदान दिया।

तमिलनाडु के खिलाफ दिल्ली का संघर्ष जारी

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : यश धुल के जुझारू नाबाद शतक के बावजूद दिल्ली की टीम रणजी ट्रॉफी के ग्रुप डी मैच के तीसरे दिन रविवार को यहां अपनी पहली पारी में आठ विकेट पर 264 रन बनाकर संघर्ष कर रही है। दिल्ली पहली पारी में अब भी तमिलनाडु से 410 रन पीछे है और उसके सिर्फ दो विकेट बचे है। तमिलनाडु के छह विकेट पर 674 रन के जवाब में दिल्ली ने दिन की शुरुआत बिना किसी नुकसान के 43 रन से किया। एक छोर से विकेटों के पतन के बीच धुल 189 गेंद में 103 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद है। धुल के अलावा विकेटकीपर प्रणव राजवंशी ने 40 रन बनाए जबकि सनत सांगवान (36) और हर्ष त्यागी (35) ने पहले विकेट के लिए 74 रनों की साझेदारी की। तमिलनाडु के लिए मध्यम तेज गेंदबाज एम मोहम्मद (30 रन पर दो विकेट), वाशिंगटन सुंदर (42 रन पर दो विकेट) और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज गुरजापनीत सिंह (48 रन पर दो विकेट) ने मिलकर छह विकेट लिए। गुवाहाटी में असम के 266 रन के जवाब में, चंडीगढ़ की पारी 374 रन पर सिमटी। चंडीगढ़ ने दिन की शुरुआत पांच विकेट पर 301 रन से की थी। टीम के लिए राज बावा ने 146 रन बनाए, जबकि कप्तान मनन वोहरा और मयंक सिद्धू ने क्रमशः 59 और 57 रन बनाए। असम के लिए दाएं हाथ के तेज गेंदबाज मुख्तार हुसैन ने 61 रन देकर तीन विकेट लिए। दूसरी पारी में असम के बड़े अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं बदल सके और टीम ने 144 रन पर सात विकेट गंवा दिये हैं।

उच्चायुक्त संजय वर्मा ने ट्रूडो को आड़े हाथों लिया

ओटावा, (एजेंसी): कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में लगाए गए आरोपों के बाद कनाडा और भारत के संबंध बिगड़ गए हैं। कनाडा ने भारतीय उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा को इस मामले में 'पर्सन ऑफ इंटरेस्ट' बताया, जिसके बाद वहां उपस्थित सभी राजनयिकों को भारत ने वापस बुला लिया है। अब भारतीय उच्चायुक्त संजय वर्मा ने एक इंटरव्यू में जस्टिन ट्रूडो पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने निज्जर की हत्या में किसी भी तरह से शामिल होने से इनकार करते हुए कहा कि ट्रूडो ने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय राजनीतिक संबंधों को भी नष्ट कर दिया। कनाडा के सीटीवी न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में संजय कुमार वर्मा ने कहा कि हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की निंदा करते हुए कहा कि कोई भी हत्या सही नहीं है और बुरी है। जब संजय कुमार से पूछा गया कि क्या उनका निज्जर की हत्या से लेना-देना है तो उन्होंने इससे इनकार करते हुए कहा कि बिल्कुल भी नहीं। कनाडा ने कोई सबूत तक नहीं दिए हैं। सारे आरोप राजनीतिक हैं। वर्मा ने कहा कि निज्जर की हत्या पर ट्रूडो द्वारा भारत पर आरोप लगाए जाने के पीछे ठोस सबूत नहीं हैं, बल्कि बस खुफिया जानकारी ही थी। उन्होंने कहा, "अगर आप बस खुफिया जानकारी के आधार पर ही किसी से संबंध खराब करना चाहते हैं तो कर सकते हैं। यही ट्रूडो ने किया है।" कनाडा के उन आरोपों जिसमें कहा गया कि राजनयिक और भारतीय सरकारी अधिकारी कनाडा में रहने वाले दक्षिण एशियाई लोगों से जबरन सहयोग और जानकारी प्राप्त करने में शामिल हैं, इस पर संजय वर्मा ने जवाब देते हुए कहा कि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी है। किसी से कुछ भी छिपा हुआ नहीं है। हम अखबार पढ़ते हैं, हम उनके बयान पढ़ते हैं, क्योंकि हम पंजाबी समझते हैं। इसलिए हम उनके सोशल मीडिया पोस्ट पढ़ते हैं, और वहां से निष्कर्ष निकालने की कोशिश करते हैं। वहीं, जब इंटरव्यू में वर्मा से सवाल किया गया कि क्या उन्होंने किसी विशेष व्यक्ति को जान से मारने के इरादे से निशाना बनाया है तो उन्होंने जवाब दिया, "कभी नहीं।" भारतीय राजनयिक ने बताया कि भारत सरकार के पास इस मामले में छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है।

- ट्रूडो ने नष्ट कर दिए भारत-कनाडा के रिश्ते

सुबियांतो बने इंडोनेशिया के आठवें राष्ट्रपति

जकार्ता, (एपी) : प्रबोवो सुबियांतो ने विश्व के सबसे अधिक मुस्लिम आबादी वाले देश इंडोनेशिया के आठवें राष्ट्रपति के रूप में रविवार को शपथ ली। पूर्व रक्षा मंत्री प्रबोवो सुबियांतो (73) ने देश के सांसदों और अन्य देशों से आमंत्रित किए गए गणमान्य व्यक्तियों के समक्ष मुस्लिमों के पवित्र धर्म ग्रंथ 'कुरान' पर हाथ रखकर राष्ट्रपति पद की शपथ ली, जिसके बाद सड़कों पर मौजूद हजारों समर्थकों ने उनका स्वागत किया। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में आयोजित हुए शपथ ग्रहण समारोह में 40 से अधिक देशों के नेता और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए, जिसमें ब्रिटेन, फ्रांस, अमेरिका, सऊदी अरब, रूस, दक्षिण कोरिया, चीन, ऑस्ट्रेलिया और अन्य दक्षिण-पूर्वी एशियाई देश सम्मिलित हैं। सुबियांतो लंबे समय से बेहद लोकप्रिय राष्ट्रपति जोको विडोडो के प्रतिद्वंद्वी रहे हैं और उन्होंने इससे पहले दो बार 2014 और 2019 में उनके खिलाफ राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ा, लेकिन दोनों ही मौकों पर जोको विडोडो ने अपनी हार स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। हालांकि, विडोडो ने पुनः राष्ट्रपति बनने के बाद सुबियांतो को रक्षा प्रमुख नियुक्त किया था। सुबियांतो के साथ-साथ देश के नए उपराष्ट्रपति जिब्रान राकाबुमिंग राका (37) ने भी शपथ ली। वह सुरकार्ता के मेयर रह चुके हैं। सुबियांतो ने विडोडो के बेटे को उप-राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार चुना।

जर्मनी के खिलाफ वरुण की हॉकी टीम में वापसी

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) जर्मनी के खिलाफ 23 और 24 अक्टूबर को यहां मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम पर होने वाले दो टेस्ट मैचों के लिये डिफेंडर वरुण कुमार की भारतीय हॉकी टीम में वापसी हुई है। एक जूनियर वॉलीबॉल खिलाड़ी द्वारा यौन उत्पीड़न के आरोप लगाये जाने के कारण वरुण पेरिस ओलंपिक और एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी टीम में जगह नहीं बना सके थे। फरवरी में बेंगलुरु पुलिस ने वरुण पर पोक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) अधिनियम के तहत आरोप लगाये थे जब 22 वर्ष की एक महिला ने आरोप लगाया था कि पिछले पांच साल से वरुण ने कई बार उसका यौन उत्पीड़न किया है और इसकी शुरुआत तब हुई जब वह नाबालिग थी। हॉकी इंडिया सूत्रों ने बताया कि सभी आरोपों से क्लीन चिट मिलने के बाद वरुण को टीम में शामिल किया गया है। हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली भारतीय टीम को मिडफील्डर हार्दिक सिंह की कमी खलेगी जो ओलंपिक में लगी चोट से उबर नहीं सके हैं। उनकी जगह पर राजिंदर सिंह और आदित्य अर्जुन लालागे पदार्पण करेंगे।

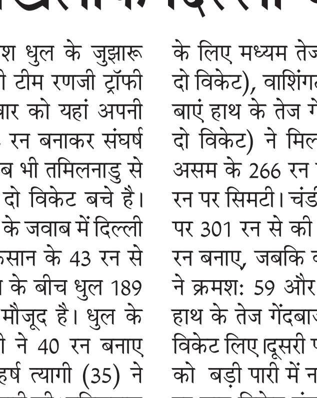

भारतीय टीम

गोलकीपर : कृशन बहादुर पाठक और सूरज करकेरा। **डिफेंडर :** हरमनप्रीत सिंह, जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, वरुण कुमार, सुमित, नीलम संजीप सेस और संजय। **मिडफील्डर :** मनप्रीत सिंह, विवेक सागर, विष्णु कांत, नीलाकांता शर्मा, रामदीप, मोहम्मद राहील मौसीन और राजिंदर सिंह। **फॉरवर्ड :** मनप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, अभिषेक, आदित्य अर्जुन लालागे, दिलप्रीत और शीलानंद लाकड़ा।